THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 22 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.7 2083 गुरुवार, 23 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव आयोग का हंटर : वोट के लिए नोट और शराब की बारिश, एक हजार करोड़ का सामान जब्त

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों की दहलीज पर खड़े तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावी शुचिता को बनाए रखना चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। मतदान से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें दोनों राज्यों से अब तक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त उपहार जब्त किए गए हैं। आयोग की सख्त निगरानी और प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता के कारण यह रिकॉर्ड बरामदगी हुई है।

हड़ताल से सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप्प

राज्य भर में बसें सड़क पर नहीं उतरीं

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार के साथ बातचीत विफल रहने के बाद तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने मंगलवार आधी रात से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। बुधवार सुबह से ही राज्यभर के डिपो में बसें खड़ी रहीं और सड़कों पर नहीं उतरीं, जिससे सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप्प हो गया। हड़ताल का असर तुरंत दिखाई दिया। यात्रियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हैदराबाद में सीमित संख्या में किराए की बसें चलाई गईं, लेकिन वे मांग पूरी करने में नाकाफी रहीं। कई जिलों में लोग घंटों बस स्टॉप पर इंतजार करते नजर आए।

✻ प्रदर्शन और पुलिस तैनाती

आरटीसी कर्मचारियों ने विभिन्न डिपो पर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए कई स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल का असर देर रात भी देखने को मिला। उप्पल में एसआरएच और डीसी के मैच के बाद क्रिकेट प्रशंसकों को घर लौटने के लिए परिवहन के साधन नहीं मिल सके।

✻ करीमनगर में सड़क हादसा

करीमनगर में निजी चालक द्वारा चलाई जा रही आरटीसी बस ट्रक से टकरा गई, जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यात्रियों ने दुर्घटना के लिए चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। बस सेवाएं बंद होने का फायदा उठाते हुए ऑटो, कार और अन्य निजी वाहन चालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। कई जगहों पर यात्रियों को मजबूरी में अधिक पैसे देकर सफर करना पड़ा।

✻ संगारेड्डी में विरोध और अवरोध ग्रामीण इलाकों में अधिक संकट

संगारेड्डी में आरटीसी कर्मचारियों ने बस डिपो पर प्रदर्शन कर बसों के संचालन को रोक दिया। प्रबंधन द्वारा निजी ड्राइवरों से बसें चलाने की कोशिश भी कर्मचारियों ने विफल कर दी। आदिलाबाद और आसपास के दूरदराज के गांवों में स्थिति और गंभीर रहीं। लोग बसों के इंतजार में घंटों खड़े रहे। कई ग्रामीणों को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ी और निजी वाहनों से महंगा किराया देकर यात्रा करनी पड़ी।

✻ सरकार की अपील और आश्वासन

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने की अपील की। सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर विचार के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है, जो चार सप्ताह में रिपोर्ट देगी। मंत्री ने बताया कि 32 में से 29 मांगों को मानने में सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। सरकार के अनुसार, आरटीसी बसें रोजाना लगभग 65 लाख यात्रियों की जीवनरेखा हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। मंत्री ने कर्मचारियों से आम जनता की परेशानी को देखते हुए सेवाएं बहाल करने की अपील की।

कालेश्वरम जांच में केसीआर और हरीश राव को हाईकोर्ट से राहत

आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई पर रोक

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तथा पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को राहत प्रदान करते हुए सरकार को जस्टिस पी.सी. घोष आयोग की रिपोर्ट के आधार पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने से रोक दिया।

यह आयोग कालेश्वरम परियोजना से संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच के लिए गठित किया गया था। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा कि आयोग ने अपनी जांच के दौरान निर्धारित प्रक्रियाओं और मानकों का समुचित पालन नहीं किया। इसी आधार पर अदालत ने आयोग के निष्कर्षों पर कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। हालांकि, खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा 14 मार्च 2024 को जारी जी.ओ. संख्या-6 के माध्यम से आयोग का गठन विधिसम्मत था। यह निर्णय के. चंद्रशेखर राव, टी. हरीश राव, आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल तथा पूर्व मुख्य सचिव एस.के. जोशी द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया गया। याचिकाओं में आयोग के गठन और उसकी कार्यप्रणाली को चुनौती दी गई थी। उल्लेखनीय है कि इस आयोग का गठन कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के अंतर्गत मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराज के निर्माण एवं रखरखाव में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए किया गया था।

ईरानी सेना ने भारत आ रहे जहाज को बनाया बंधक, तीन पर की गोलीबारी

तेहरान, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर बारूद की गंध फैल गई है। बुधवार को ईरानी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलसीमा से गुजर रहे तीन व्यापारिक जहाजों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें एक जहाज तो भारत की ओर आ रहा था। इन हालातों में वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट के बादल और गहरे हो गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान की शांति वार्ता को लेकर प्रयास किए जा रहे थे।

आखिर ईरान ने जहाजों पर हमला क्यों किया?

ईरान की अर्धसैनिक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने बुधवार सुबह इस दुस्साहसी कार्रवाई को अंजाम दिया। खबरों के मुताबिक, ईरानी सेना ने पहले एक कंटेनर जहाज पर गोलियां चलाईं और उसके कुछ ही देर बाद दूसरे जहाज को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने सेना की चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, इसलिए उन पर कानूनी रूप से कार्रवाई की गई। पकड़े गए जहाजों की पहचान एमएससी फ्रांसिस्का और एपामिनोड्स के रूप में हुई है, जिन्हें ईरानी सेना अपने साथ ले गई है। इसके कुछ देर बाद एक तीसरे जहाज यूफोरिया पर भी हमला किया गया, जिसके ईरानी तट पर फंसे होने की खबर है।

ट्रंप का संघर्षविराम का फैसला काम नहीं आया?

यह हमला उस वक्त हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को खत्म होने वाले संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया था। ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि इससे बातचीत का रास्ता खुलेगा। हालांकि, ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि ईरान के बंदरगाहों की घेराबंदी जारी रहेगी। ईरान इसी बात से नाराज है। ईरान के कूटनीतिज्ञों का कहना है कि जब तक अमेरिका अपनी घेराबंदी नहीं हटाता, तब तक वे किसी भी तरह की शांति वार्ता के लिए मेज पर नहीं आएंगे। यानी सीजफायर होने के बावजूद समुद्र में छिड़ी यह जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है।

'बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस'

> चुनावी रैली में राहुल पर जमकर बरसे अमित शाह

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी।

अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता अब कांग्रेस को पूरी तरह नकार चुकी है और राज्य में उसका कोई जनाधार नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा तेजी से मजबूत हो रही है और आने वाले चुनावों में बड़ा प्रदर्शन करेगी। रैली के दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे केवल सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा विकास और लोगों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता भाजपा के साथ खड़ी है। शाह के इस बयान से राज्य की राजनीति में बयानबाजी और तेज हो गई है। रैली में अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और राज्य को गुंडों के हवाले कर दिया गया है।

पीएम को आतंकी कहने पर चुनाव आयोग सख्त कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकी कहे जाने वाले बयान पर कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस टिप्पणी को गंभीर लेते हुए हुए कांग्रेस अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले अमित शाह, नितिन नवीन समेत शीर्ष भाजपा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पर जोरदार निशाना साधा और उनके बयान की आलोचना की है। मामले में चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पीएम मोदी को आतंकवादी कहे जाने का गंभीर रूप से संज्ञान लिया है और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की थी कार्रवाई की मांग

इससे पहले मंगलवार को भाजपा ने चुनाव आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। भाजपा ने आयोग को सौंपे ज्ञापन में खरगे के बयान को गंभीर रूप से अपमानजनक बताते हुए इसे आदर्श आचार संहिता का प्रथम दृष्टया उल्लंघन बताया था।

पार्टी ने आयोग से खरगे से सार्वजनिक माफी मंगवाने और उनके खिलाफ उचित दंडात्मक व नियामक कार्रवाई शुरू करने की मांग की थी। पार्टी ने कहा था कि केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चुनाव आयोग से मिलकर इस मुद्दे को उठाएगा।

'नई पीढ़ियों के लिए धरती को बचाना हमारी प्रतिज्ञा है'

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पीएम ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना सिर्फ हमारा दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने कहा कि धरती के संरक्षण में ही मानवता का कल्याण निहित है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है। उन्होंने इस दौरान संस्कृत श्लोक के माध्यम से भी पृथ्वी के महत्व और प्रकृति संरक्षण की भारतीय परंपरा को रेखांकित किया।

'भारत अहम भूमिका निभाएगा'

बर्लिन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पहली बार जर्मनी के दौरे पर गए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वहां अपने संबोधन के दौरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में भारत कब और क्या भूमिका निभाएगा, इस सवाल के जवाब में अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा संतुलित और समझदारी भरी विदेश नीति अपनाई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में भारत वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें पश्चिम एशिया का संकट भी शामिल है। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की दिशा में प्रयास किए हैं, लेकिन हर चीज का एक सही समय होता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है आने वाले समय में भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभाए और सफल भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने की अपील की है और उनका रुख हमेशा संतुलित रहा है।

पहलगाम दोषियों को माफ नहीं करेगा भारत : राहुल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अपने पोस्ट में राहुल ने कहा कि देश इस कायराना हमले को कभी नहीं भूलेगा और दोषियों को कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों के परिवारों का दुख पूरे देश का दुख है।

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पिछले साल पहलगाम में हुए हमले में जिन बहादुर लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी याद आज भी दिल को झकझोर देती है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की शहादत हमेशा देश की आत्मा में दर्ज रहेगी और भारत आतंक और नफरत फैलाने वाली ताकतों के सामने कभी नहीं झुकेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई ममता बनर्जी को फटकार

ईडी के छापे में दखल को बताया लोकतंत्र के लिए खतरा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को आई-पीएसी के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के घर पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान दखल देने के लिए फटकार लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी से कहा कि यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो संयोग से मुख्यमंत्री भी हैं। उन्होंने पूरे सिस्टम का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री जांच के दौरान बीच में किसी जगह पर इस तरह से घुस नहीं सकता है। जब कोई मुख्यमंत्री किसी सेंट्रल एजेंसी की चल रही जांच में दखल देता है, तो इसे केंद्र सरकार और सरकार के बीच का झगड़ा नहीं कहा जा सकता। बता दें कि जनवरी में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए आई-पीएसी के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान ही ममता बनर्जी जैन के घर में घुस गई थीं और लैपटॉप के साथ कई फाइलों को अपने कब्जे में ले लिया था। ममता बनर्जी का दखल एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए, जबकि ममता बनर्जी ने दावा किया था कि ईडी ने टीएमसी के चुनाव प्रचार अभियान से जुड़े प्लानिंग हासिल करने के लिए छापेमारी की थी।

सात डायमेंशन- एक पता; कासाग्रैंड ने कोम्पली में कासाग्रैंड हेन्नेसी के साथ 7X लिविंग एक्सपीरियंस दिया। नॉर्थ हैदराबाद में लग्ज़री लिविंग का एक बेहतर स्टैंडर्ड पेश करते हुए

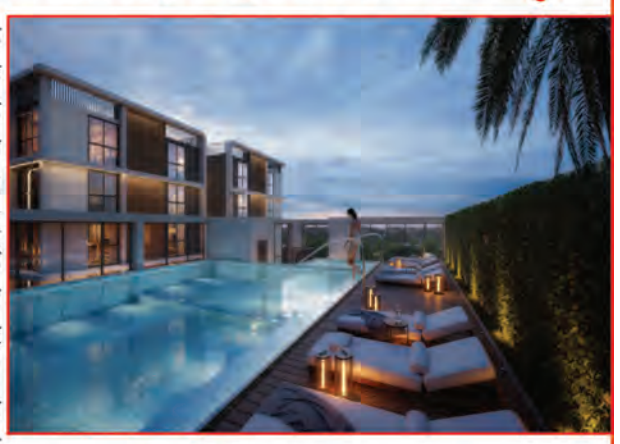

कासाग्रैंड, जो भारत के लीडिंग रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है, कासाग्रैंड हेन्नेसी को पेश करता है। यह एक प्रीमियम रेजिडेंशियल पता है जो उन लोगों के लिए बनाया गया है जो लाइफस्टाइल की खासियत और लंबे समय तक चलने वाले इन्वेस्टमेंट पोटेंशियल दोनों को प्राथमिकता देते हैं। कोम्पली के बीचों-बीच, यह 3.72 एकड़ का प्रोजेक्ट 213 बेहतरीन तरीके से बने 3 और 4 BHK बड़े घर (1,827—2,694 sq. ft. तक) देता है, और साथ में 65+ वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं भी हैं। यह नॉर्थ हैदराबाद के सबसे तेज़ी से बढ़ते कॉरिडोर में से एक में सुरक्षित कम्युनिटी लिविंग और मजबूत इन्वेस्टमेंट पोटेंशियल के बीच एक अनोखा बैलेंस देता है।

कासाग्रैंड हेन्नेसी के दिल में 7X लाइफ जीने का वादा है, जहाँ मॉडर्न लाइफस्टाइल के हर पहलू को बेहतर बनाया गया है, स्ट्रेटेजिक लोकेशन और आसान कनेक्टिविटी से लेकर बड़ी खुली जगहों, शांत झील के नज़ारों, बड़े घरों, खास लाइफस्टाइल सुविधाओं और हमेशा चलने वाली वैल्यू तक। कम-घनत्व, ज़्यादा वैल्यू वाली कम्युनिटी के तौर पर सोचा गया यह प्रोजेक्ट अपने लगभग 64% हिस्से को खुली और लैंडस्केप वाली जगहों के लिए डेडिकेट करता है, जिससे प्राइवेसी, स्केल और नेचुरल इमर्शन का एक अनोखा बैलेंस बनता है। 13,000 sq. ft. में फैला एक शानदार 4-मंज़िला क्लबहाउस, साथ ही 1,571 sq. ft. के स्विमिंग पूल और प्रीमियम लेज़र ज़ोन वाले खास रूफटॉप एक्सपीरियंस, इस लाइफस्टाइल इकोसिस्टम का सेंटर बनाते हैं। इसका नतीजा एक ऐसा रेजिडेंशियल एड्रेस है जिसे हर टचपॉइंट पर ज़्यादा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहाँ हर इन्वेस्टमेंट बेहतर आराम, रोज़मर्रा की आसानी और लंबे समय तक वैल्यू एप्रिसिएशन में बदलता है।

इस बेहतरीन लिविंग एक्सपीरियंस को और बढ़ाने के लिए सोच-समझकर बनाया गया एमेनिटी इकोसिस्टम है जो वेलनेस, मनोरंजन और कम्युनिटी एंगेजमेंट को मिलाता है। यह प्रोजेक्ट रहने वालों को ज़ेन गार्डन, हर्ब और स्पाइस गार्डन, रिफ्लेक्सोलॉजी पाथवे और शांत वॉटर फीचर्स जैसे लैंडस्केप ज़ोन के ज़रिए नेचर में डूबने का मौका देता है, जिससे एक शांत, हरा-भरा माहौल बनता है। पार्टी लॉन, स्टार-गेज़िंग डेक, को-वर्किंग ज़ोन और सीनियर सिटिज़न पवेलियन जैसी सोशल और आराम की जगहें, कनेक्शन और रिट्रीट दोनों को बढ़ावा देती हैं। इसके साथ ही, जॉगिंग ट्रैक, क्रॉसफ़िट ज़ोन, मल्टी-स्पोर्ट कोर्ट और इनडोर गेमिंग एरीना जैसी फ़िटनेस और एक्टिव लाइफ़स्टाइल की सुविधाएँ हैं, साथ ही बच्चों के लिए खास प्ले ज़ोन भी हैं, जो एक होलिस्टिक, कई पीढ़ियों के लिए लिविंग एक्सपीरियंस पक्का करते हैं।

नॉर्थ हैदराबाद के सबसे तेज़ी से बढ़ते रेजिडेंशियल कॉरिडोर में से एक, कोमपल्ली में खास तौर पर मौजूद, यह प्रोजेक्ट NH 44 और आउटर रिंग रोड के ज़रिए मज़बूत कनेक्टिविटी का फ़ायदा उठाता है। यह सुचित्रा सर्कल, मेडचल, जीनोम वैली और कंडलाकोया-मेडचल ग्रोथ बेल्ट तक आसान पहुँच देता है, जिससे ज़रूरी रोज़गार केंद्रों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। आने वाला हैदराबाद मेट्रो फेज़ 2 का विस्तार क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पहुँच को और बेहतर बनाने के लिए तैयार है। जाने-माने स्कूलों, हेल्थकेयर सुविधाओं और रिटेल जगहों सहित लगातार बेहतर होते सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर, कोमपल्ली एक हाई-डिमांड रेजिडेंशियल माइक्रो-मार्केट के तौर पर उभर रहा है। कैपिटल एप्रिसिएशन और रेंटल ग्रोथ की मज़बूत संभावना के साथ, यह घर खरीदने वालों और निवेशकों दोनों के लिए एक शानदार मौका है।

यह प्रोजेक्ट तेलंगाना RERA — TG RERA: P02200010760 के तहत रजिस्टर्ड है। प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानने के लिए कृपया 6384002098 पर कॉल करें।

विधानसभा चुनाव से पहले ईसीआई सख्त

ईवीएम से छेड़छाड़ होने पर पुनर्मतदान का आदेश, गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई तय

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने सभी पीठासीन अधिकारियों को ईवीएम की जांच और सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने के आदेश दिए हैं।

ईवीएम सुरक्षा के लिए सख्त निर्देश

चुनाव आयोग ने सभी पीठासीन अधिकारियों को ईवीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहतः सभी उम्मीदवार बटनों को स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। किसी भी उम्मीदवार के बटन को टेप, गोंद या किसी अन्य सामग्री से ढका नहीं जाना चाहिए। मतदान की गोपनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी उम्मीदवार के बटन पर कोई रंग, स्याही, इत्र या अन्य रसायन नहीं लगाया जाना चाहिए, जिससे वोट की गोपनीयता भंग हो। यदि ऐसी कोई भी घटना देखी जाती है, तो पीठासीन अधिकारी तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करेंगे। ऐसे किसी भी मामले को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ छेड़छाड़ या हस्तक्षेप माना जाएगा, जो एक चुनावी अपराध है। ऐसे किसी भी मामले में, चुनाव आयोग दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा, जिसमें पूरे मतदान केंद्र पर पुनः मतदान का आदेश देना भी शामिल है।

तमिलनाडु चुनावः मतदान की तैयारी पूरी

अधिकारियों के अनुसार, बुनियादी ढांचे, पहुंच व्यवस्था और मतदान केंद्रों की रियल टाइम निगरानी पर खास ध्यान दिया जा रहा है। तमिलनाडु में कुल 75,064 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां जरूरी सुविधाएं और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती होगी। आयोग ने निर्देश दिया है कि सभी केंद्र पूरी तरह तैयार रहें ताकि मतदान प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से हो सके। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए हर मतदान केंद्र पर माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं, जो पूरी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे और किसी भी गड़बड़ी की तुरंत रिपोर्ट देंगे।

मतदाताओं के लिए व्यापक इंतजाम

मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदाता सूचना पर्चियों का वितरण शुरू कर दिया गया है, जिससे लोग अपने मतदान केंद्र की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें और पहले से विवरण सत्यापित कर सकें। मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त रोशनी, दिव्यांगों के लिए रैंप, स्पष्ट संकेतक और सुव्यवस्थित बूथ जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए कतारों में बैठने की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी। साथ ही सभी मतदान केंद्रों पर चार मानकीकृत मतदाता सूचना पोस्टर लगाए जाएंगे, जिनमें मतदान केंद्र की जानकारी, उम्मीदवारों की सूची, मतदान प्रक्रिया, पहचान पत्रों की जानकारी और जरूरी निर्देश शामिल होंगे।

मतदाताओं की सहायता के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर वोटर असिस्टेंस बूथ बनाए जाएंगे, जहां लोग अपनी मतदान सूची में केंद्र संख्या और क्रम संख्या आसानी से देख सकेंगे। मतदान केंद्रों तक पहुंच आसान बनाने के लिए मार्गों पर गाइड पोस्टर भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा, मतदान केंद्र के बाहर मोबाइल फोन जमा करने की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं को मतदान से पहले फोन बंद कर जमा करना होगा और वोट डालने के बाद उन्हें वापस ले सकेंगे।

पुलवामा में बड़ी कार्रवाई : आतंकी नेटवर्क पर एनआईए का प्रहार

सीआरपीएफ केंद्र हमले से जुड़े आरोपी की संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फिदायीन हमले में शामिल आरोपी फयाज अहमद मग्रे, निवासी लेथपोरा (पुलवामा) की संपत्ति कुर्क कर दी है। एजेंसी ने आरोपी के दो रिहायशी मकानों और जमीन को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई लेथपोरा स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए फिदायीन हमले से जुड़े मामले में की गई है। इस हमले में सुरक्षा बलों को भारी नुकसान हुआ था और इसे देश के प्रमुख आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। एनआईए ने बताया कि यह कदम जांच के दौरान सामने आए सबूतों और कानूनी प्रक्रिया के तहत उठाया गया है। एजेंसी का कहना है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में शामिल लोगों और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खबरें जरा हटके

अब मुर्दों से भी टैक्स लेगी सरकार?

यहां श्मशान की दीवार पर चिपकाया गया क्यूआर कोड, हुआ विवाद!

छत्तीसगढ के दंतेवाड़ा नगर पालिका से एक ऐसी हास्यास्पद और गंभीर लापरवाही की खबर सामने आई है, जिसने पूरे शहर को चौंका दिया है. पालिका की ओर से टैक्स वसूली को डिजिटल और आसान बनाने के लिए घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाने का अभियान चलाया जा रहा है. लेकिन इस अभियान के दौरान ठेका कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने सारी हदें पार कर दीं, जब उन्होंने शहर के एक सार्वजनिक श्मशान घाट के पिलर पर भी टैक्स जमा करने का डिजिटल कोड चस्पा कर दिया. हैरत की बात यह है कि इस कोड पर श्मशान घाट के बजाय 'सुरभि कॉलोनी' का नाम लिखा गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी रिकॉर्ड में श्मशान को एक रिहायशी प्रॉपर्टी के तौर पर दर्ज कर दिया गया था. नियमों की बात करें तो किसी भी गांव या शहर का श्मशान घाट पूरी तरह से स्थानीय निकाय की अपनी सार्वजनिक संपत्ति होती है. भारतीय कानूनों के तहत, सार्वजनिक पूजा स्थल जैसे मंदिर, मस्जिद, चर्च या फिर श्मशान और कब्रिस्तान जैसी जगहों पर किसी भी प्रकार का टैक्स या प्रॉपर्टी कर नहीं लगाया जा सकता. ये संपत्तियां हर तरह के कर से पूरी तरह मुक्त होती हैं. दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बावजूद श्मशान घाट को 'सुरभि कॉलोनी' का हिस्सा बताकर वहां टैक्स कोड लगाना न केवल नियमों का खुला उल्लंघन है, बल्कि प्रशासनिक अज्ञानता का भी सबसे बड़ा उदाहरण है. जैसे ही यह मामला सार्वजनिक हुआ और लोगों ने श्मशान के पिलर पर टैक्स कोड देखा, नगर पालिका की चहुंओर किरकिरी होने लगी. स्थानीय निवासियों ने इसे लेकर कड़ा विरोध जताया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया. मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका के सीएमओ पाल दास ने इसे एक मानवीय भूल करार दिया और तुरंत उस क्यूआर कोड को वहां से हटवा दिया. अधिकारियों ने माना कि डेटा फीडिंग और फील्ड वर्क के दौरान ठेका कंपनी के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण श्मशान की पहचान एक निजी कॉलोनी के रूप में कर दी गई थी.

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, चार आरोपी हुए बरी

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। 2006 के मालेगांव ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने बुधवार को चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द कर करते हुए उन्हें बरी कर दिया। मालेगांव में इन धमाकों में 37 लोगों की जान चली गई थी।

चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांदक की डिवीजन बेंच ने आरोपियों की ओर से एक स्पेशल कोर्ट के सितंबर 2025 के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे। इस अपील में ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप तय करने के तरीके और मामले में कई सह-आरोपियों को बरी किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे। फिलहाल, हाईकोर्ट ने जिन चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द किया है, उनमें राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा शामिल हैं। हाईकोर्ट के आज के फैसले से इन आरोपियों के खिलाफ मामला बंद हो गया और उनके खिलाफ चल रहा ट्रायल भी खत्म हो गया। बेंच ने इससे पहले अपील दायर करने में हुई 49 दिन की देरी को माफ कर दिया था, यह देखते हुए कि यह चुनौती राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम (एनआईए एक्ट) की धारा 21 के तहत एक वैधानिक अपील थी। मालेगांव मामला 8 सितंबर 2006 का है, जब इस शहर में हुए सिलसिलेवार धमाकों के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और अन्य कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच सबसे पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया और दिसंबर 2006 में चार्जशीट दायर की। इसके बाद फरवरी 2007 में जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई और बाद में एनआईए ने इसे अपने हाथ में ले लिया।

आईआरएस अफसर की बेटी की हत्या

फोन चार्जर की तार से गला घोंटा, यौन उत्पीड़न की आशंका; पुराने नौकर पर शक

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के अमर कॉलोनी क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक आईआरएस के वरिष्ठ अधिकारी की बेटी का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। पुलिस को अंदेशा है कि युवती के साथ पहले यौन उत्पीड़न किया गया और फिर गला घोंटकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि गला घोंटने के लिए मोबाइल फोन के चार्जिंग वायर का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, हाल ही में हटाए गए एक घरेलू नौकर पर शक की सुई घूम रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिसके बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। घटना के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। कुछ दिन पहले ही पहले ही नौकरी से हटा दिया गया था।

पुलिस को संदेह है कि वह बदला लेने की नीयत से इस वारदात को अंजाम दे सकता है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध की तलाश की जा रही है।

पुलिस का मानना है कि आरोपी को पीड़िता के घर की पूरी जानकारी थी, जिसका फायदा उठाकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

दोस्त के लिए बनाया मुर्गी के पंजे वाला गुलदस्ता, नाखूनों पर लगाया लाल नेलपेंट

अजूबा गिफ्ट कर देगा हैरान!

दोस्ती के नाम पर कुछ लोग तो फूलों का गुलदस्ता देते हैं, कुछ चॉकलेट या टेडी बियर, लेकिन एक मुस्लिम महिला ने तो दोस्ती का नया रिकॉर्ड बना दिया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में महिला ने अपनी दोस्त के लिए मुर्गी के पंजों वाला गुलदस्ता बनाकर सबको हैरान कर दिया. महिला ने बताया कि उसकी दोस्त के पतले हाथों में लगे लाल नेलपेंट से उन्हें आइडिया मिला. उन्होंने मुर्गी के पंजों को अच्छी तरह साफ किया, उन पर लाल नेलपेंट लगाया, थोड़ी सी सजावट की और फिर उन्हें खूबसूरती से एक गुलदस्ते की शक्ल दे दी. इस यूनिक गिफ्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वीडियो में महिला ने दिखाया कि उसने किस तरह से ये बुके तैयार किया था. उसने सबसे पहले कई पंजे खरीदे और उन्हें साफ़ किया. उसके बाद पंजों की नाखूनों पर लाल नेलपेंट लगाया. लड़की ने बताया कि उसकी दोस्त को नेलपेंट लगाने का काफी शौक है. अपने पतले हाथों पर जब वो नेलपेंट लगाती है तो बिलकुल मुर्गी के पंजे जैसे नजर आते हैं. इसे ही देखने के बाद उसने ये बुके बनाने का फैसला किया. मुर्गी के पंजे बिल्कुल हाथों जैसे लग रहे हैं– नाखून लाल-लाल और पूरे बुके को फूलों की तरह सजाया गया है. यह वीडियो शेयर करते हुए महिला ने कैप्शन में लिखा– "दोस्त के लिए स्पेशल गिफ्ट! फूल नहीं, फल नहीं, बस मुर्गी के पंजे... लेकिन देखो कितने प्यारे लग रहे हैं!" वीडियो तेजी से वायरल हो गया. हजारों लोग इसे देखकर हैरान और हंसते नजर आए. कई यूजर्स ने कमेंट्स में लिखा–'ये तो क्रिएटिविटी का कमाल है!, अब फूलों के गुलदस्ते पुराने हो गए, मुर्गी पंजा वाला नया ट्रेंड शुरू', दोस्ती में ऐसा यूनिक गिफ्ट देखकर दोस्त कितना खुश हुई होगी, मैं तो हंस-हंस कर लोट-पोट हो गया". कुछ लोगों ने मजाक भी उड़ाया–अगली बार शादी में मुर्गी के पंजों वाला वरमाला देंगे क्या? यह अनोखा गुलदस्ता देखकर कई लोग सोच में पड़ गए कि आखिर इतना अनोखा आइडिया कहां से आता है.

> अरविंद केजरीवाल केस में बड़ा मोड़ <

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस मामले की सुनवाई से हटे

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल से जुड़े एक मामले में नया मोड़ आ गया है. दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस तेजस कारिया ने अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है. इस कारण केजरीवाल और अन्य के खिलाफ याचिका पर सुनवाई टल गई है. यह मामला अदालत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने से जुड़ा है. यह मामला बुधवार को चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था. इस मामले की सुनवाई अब गुरुवार को एक अलग पीठ द्वारा की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

यह मामला उस जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं और वरिष्ठ पत्रकार रविश कुमार के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है. आरोप है कि इन लोगों ने एक्साइज नीति मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट की कार्यवाही के वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किए. यह याचिका वकील वैभव सिंह द्वारा दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि अदालत की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग और उसे सार्वजनिक करना नियमों का उल्लंघन है. याचिका में यह भी मांग की गई है कि इन वीडियो को सोशल मीडिया से हटाया जाए. इस मामले में केवल केजरीवाल और रविश कुमार ही नहीं, बल्कि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई है।

जस्टिस स्वर्णकांता ने खुद को नहीं किया अलग

इससे पहले सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट से एक अन्य मामले में केजरीवाल को झटका लगा था. हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार करते हुए केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया था. एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में जस्टिस शर्मा ने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के जज पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और जज किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक नेता को बिना किसी आधार के किसी संस्था को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि किसी जज पर व्यक्तिगत हमला न्यायपालिका पर ही हमला होता है. जस्टिस शर्मा ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें मामले की सुनवाई से हटाने की याचिकाओं में वर्णित विवरण अनुमानों और कथित झुकावों पर आधारित था. जस्टिस शर्मा ने कहा कि यह अदालत अपने और संस्था के लिए खड़ी रहेगी... मैं खुद को इस मामले से अलग नहीं करूंगी।

'हम आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ'

पहलगाम हमले की पहली बरसी पर ऑस्ट्रेलिया ने पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को एक साल बीत चुके हैं। पहली बरसी पर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता प्रदर्शित की। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर फिलिप ग्रीन ओएएम ने आतंकी हमले में मारे गए बेगुनाहों को याद करते हुए कहा, हम एक साल बाद, अपने भारतीय मित्रों संग भयानक पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए बेगुनाहों को याद करते हैं। हम पीड़ित परिवारों का दर्द समझते हैं। ऑस्ट्रेलिया हर तरह आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है।

अर्जेंटीना ने क्या कहा?

अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'भारत के खिलाफ पहलगाम आतंकी हमले की दुखद घटना को एक साल हो गया है। अर्जेंटीना सरकार और वहां की जनता की ओर से हम पिछले साल इसी दिन मारे गए उन बेगुनाह लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं। उन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकता। हमारी संवेदनाएं उनके परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं - हम भारत के साथ हैं और हर तरह के आतंक की निंदा करते हैं।'

मुर्दों के मुंह में सोने की जुबान? मिस्र की प्राचीन कब्रों में मिला खौफनाक खजाना

मिस्र के अल-बहांसा इलाके में रेत के नीचे दबी एक 'मुर्दों की बस्ती' ने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है. हजारों साल पुरानी कब्रों को जब खोला गया, तो उनके अंदर से ऐसी ममी निकलीं, जिनकी जुबान सोने की बनी हुई थी. यह कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक बेहद डरावना और रहस्यमयी प्राचीन रिवाज था, जिसमें मरने वाले की असली जुबान काटकर उसकी जगह सोने की जीभ लगा दी जाती थी, ताकि वह परलोक में देवताओं से बात कर सके. मिस्र के काहिरा से करीब 120 मील दक्षिण में स्थित मिन्या प्रांत के इस ऐतिहासिक स्थल पर हुई खोज ने विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया है. यहां मिले अवशेष रोमन काल के बताए जा रहे हैं, जो लकड़ी के ताबूतों में बंद थे और उन पर ज्यामितीय आकृतियों वाले कीमती कपड़े लिपटे हुए थे।

देवताओं से बात करने का 'सुनहरा' रास्ता

यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना और इंस्टीट्यूट ऑफ द एंशिएंट नियर ईस्ट के शोधकर्ताओं के अनुसार, इन ममी के मुंह के अंदर तीन सोने की और एक तांबे की जुबान मिली है. प्राचीन मिस्र की मान्यताओं के अनुसार, मौत के बाद की दुनिया यानी 'आफ्टरलाइफ' में सफर करना बेहद कठिन होता था. माना जाता था कि अगर किसी मृतक के मुंह में सोने की जीभ होगी, तो वह पाताल के देवता 'ओसिरिस' से बात कर पाएगा. ओसिरिस को मृत्यु का देवता और पाताल का राजा माना जाता था. प्राचीन लोगों का विश्वास था कि सोने की जुबान होने से मृतक देवता को अपनी बेगुनाही का सबूत दे सकेगा और परलोक में शांति से रह पाएगा.

दिल्ली पुलिस की वर्दी पर फिर लगा दाग

एंटी नारकोटिक्स सेल से 52 लाख की नकदी जब्त, हवलदार रंगेहाथ पकड़ा गया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की वर्दी पर एक और काला धब्बा मंगलवार रात को उस समय लग गया जब सीबीआई ने द्वारका की एंटी नारकोटिक्स सेल के कार्यालय से 52 लख रुपये बरामद किए। सीबीआई ने नारकोटिक्स सेल में तैनात हवलदार अजय को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद नारकोटिक सेल के इंचार्ज सुभाष चंद्र को लाइन में भेज दिया गया है।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, एंटीनाकोटिक्स सेल ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में उत्तम नगर से सांसी समुदाय की एक लड़की को गिरफ्तार किया था। इस मामले में आरोप है कि सेल के अधिकारी लड़की की मां से पैसे की मांग कर रहे थे। लड़की की मां ने इसकी सीबीआई को शिकायत कर दी और सीबीआई ने रात को 200000 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए हवलदार अजय को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद सीबीआई ने एंटी नारकोटिक्स सेल के कार्यालय में सर्च ऑपरेशन चलाया, जहां से 50 लाख रुपये और बरामद किए गए। द्वारका जिला पुलिस उपाय कुशल पाल सिंह ने इस छापेमारी की पुष्टि की है। सीबीआई की इस काईवाई के बाद दिल्ली पुलिस में सन्नाटा पसर गया है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

सीएम धामी आशीर्वाद लेने पहुंचे, पीएम मोदी के नाम से हुई पहली पूजा

केदारनाथ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह आठ बजे शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलते ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय बाबा केदार के जयघोषों से गूंज उठा। हजारों श्रद्धालु इस पावन क्षण के साक्षी बने। प्रदेश के मुखिया सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पत्नी संग धाम पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

कपाटोद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम सहित चारों धाम उत्तराखंड की आध्यात्मिक पहचान हैं और राज्य सरकार तीर्थयात्रियों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यात्रा व्यवस्थाओं की वह स्वयं नियमित समीक्षा कर रहे हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध समय से सुनिश्चित किए जाएं।

पीएम मोदी के नाम से हुई पहली पूजा

धाम के पीएम मोदी के नाम से पहली पूजा हुई। वहीं पीएम मोदी ने श्रद्धालुओं से पांच संकल्प अपनाने की अपील की। बाबा केदार के धाम को को करीब 51 कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु पहले ही धाम पहुंच चुके थे और कपाट खुलने के इस अद्भुत क्षण साक्षी बने।

बाबा के कपाट खुलने से हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इससे पहले बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली मंगलवार शाम लगभग 4:30 बजे केदारनाथ धाम पहुंची। ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से रवाना हुई यह डोली 17 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा तय करते हुए जंगलचट्टी, रामबाड़ा, लिनचोली और बेस कैंप से होकर केदारपुरी पहुंची।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सेल्फी नहीं किसी का दर्द खिंच सको तो कुछ बात बने!

एंडोमेंट्स अधिकारियों ने राज्यपाल को सरस्वती पुष्करालु के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एंडोमेंट्स विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर, आयुक्त एन. हनुमंता राव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर आगामी सरस्वती अंत्य पुष्करालु में शामिल होने का निमंत्रण दिया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने राज्यपाल को गोदावरी पुष्करालु (26 जून से 7 जुलाई 2027) और सरस्वती अंत्य पुष्करालु (21 मई से 1 जून 2026) की तैयारियों पर विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। प्रधान सचिव शैलजा रामैय्यर ने बताया कि राज्य सरकार पुष्करालु के सुचारू आयोजन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं कर रही है। राज्यपाल ने बैठक में श्रद्धालुओं के लिए आवास सुविधाएं, भीड़ प्रबंधन, प्रमुख मंदिरों का महत्व और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर भी उपस्थित थे। इसी बीच, अचंपेट के विधायक डॉ. वामसी कृष्ण ने भी अन्य लोगों के साथ राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। वहीं, लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वाष्णेय, कमांडेंट, एमसीईएमई, सिकंदराबाद ने भी अधिकारियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान एमसीईएमई में प्रशिक्षण गतिविधियों और संस्थागत पहलों से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

महिला कांस्टेबल के सुसाइड नोट में साथी कांस्टेबल पर गंभीर आरोप

वारंगल, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भूपालपल्ली पुलिस स्टेशन में तैनात 33 वर्षीय महिला कांस्टेबल सादु संगीता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। वह मत्तेवाड़ा के बोदराई इलाके की निवासी थीं। मंगलवार देर शाम काम से लौटने के बाद संगीता ने अपने ससुराल में छत के पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। उनके पति जब घर लौटे तो उन्हें इस हालत में देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी।

घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में संगीता ने एक अन्य कांस्टेबल पर यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा और बाद में परिजनों को सौंप दिया। परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीआरपीएफ साहस और 'नेशन फर्स्ट' की प्रतीक: केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद/गुरुग्राम, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ बताते हुए इसे साहस, ईमानदारी और बलिदान का प्रतीक बताया। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित सीआरपीएफ अकादमी में 56वीं बैच के राजपत्रित अधिकारियों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए उन्होंने जवानों की आतंकवाद और नक्सलवाद से निपटने में भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि 1939 से अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए सीआरपीएफ आज भी अपने आदर्श वाक्य सेवा और निष्ठा को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रही है। मंत्री ने मानवीय सहायता और शांति स्थापना में भी सीआरपीएफ की भूमिका को रेखांकित करते हुए नए अधिकारियों से पेशेवर मानकों और नेशन फर्स्ट के सिद्धांत को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भव्य परेड सीआरपीएफ के अनुशासन और उच्च मानकों का प्रतीक है। 52 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अब ये अधिकारी देश सेवा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की सेवा से बड़ा कोई कर्तव्य नहीं है और राष्ट्र सेवा की शपथ सर्वोच्च प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक जैकी अहमद, अकादमी निदेशक अमित कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और बाद में पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर बड़ी कार्रवाई, 28 गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद प्रवर्तन शाखा ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले चार महीनों में 22 मामले दर्ज किए और 28 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऐसे कामों में शामिल थे, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे थे। पुलिस ने बेकरी उत्पाद, मिठाई-नमकीन, खाद्य तेल, आटा, अदरक-लहसुन पेस्ट, मांस उत्पाद, आइसक्रीम और सॉस जैसे कई खाद्य पदार्थों में मिलावट पकड़ी। जांच में सामने आया कि कई जगह एक्सपायर्ड सामग्री, नकली रंग और खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल किया जा रहा था। कई यूनिट बिना लाइसेंस और बेहद गंदगी में खाद्य पदार्थ बना रही थीं। एक बड़े मामले में पुलिस ने 5,026 लीटर से ज्यादा मिलावटी तेल और 5,192 किलो आटा जब्त किया। इसके अलावा नकली ब्रांड के साथ अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने वाली अवैध फैक्ट्रियों का भी खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, कुल मिलाकर करीब 64.07 लाख रुपये के मिलावटी खाद्य पदार्थ, मशीनें और वाहन जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए की गई है।

विकाराबाद में ट्रेन से 25.5 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग, रंगा रेड्डी की प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25.5 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। यह गांजा ओडिशा से बेंगलुरु ले जाया जा रहा था। जब्त गांजे की कीमत करीब 12.50 लाख रुपये बताई जा रही है। निषेध एवं उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त आर किशन के अनुसार, गांजा ओडिशा से पालनाडु एक्सप्रेस के जरिए गुंटूर लाया गया था। वहां से इसे तीन लोगों को सौंपा गया, जिन्हें बेंगलुरु तक पहुंचाने के लिए 10,000 रुपये दिए गए थे। सूचना के आधार पर टीम ने विकाराबाद में ट्रेन से यात्रा कर रहे तीन आरोपियों–कर्री रामनम्मा, अर्ली लवाम्मा और अर्ली गोविंद–को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से गांजा बरामद हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में सप्लायर और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। तीनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हाई कोर्ट के फैसले पर केटीआर का बयान, कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट पर हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला कांग्रेस सरकार की कथित राजनीतिक साजिशों पर करारा प्रहार है। केटीआर ने कहा कि अदालत के इस फैसले से साफ हो गया है कि राजनीतिक लाभ के लिए संस्थाओं का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने दोहराया कि यह रिपोर्ट राजनीतिक रूप से प्रेरित थी और इसमें प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें कालेश्वरम परियोजना की अनदेखी के लिए किसानों से माफी मांगनी चाहिए।

केटीआर ने कालेश्वरम परियोजना को तेलंगाना की जीवनरेखा बताते हुए सरकार से मेडिगड्डा बांध की मरम्मत तुरंत कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीआरएस हमेशा किसानों के साथ खड़ी है और सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। साथ ही सरकार से अपील की कि वह राजनीति छोड़कर किसानों की समस्याओं पर ध्यान दे।

पुलों के एप्रोच रोड निर्माण के लिए 148 करोड़ रुपये मंजूर: भट्टी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को लंबित एप्रोच रोड निर्माण कार्यों को तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कई पुल तीन साल पहले बनकर तैयार हो चुके हैं, लेकिन एप्रोच रोड न होने के कारण उनका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। डॉ. डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में बुधवार को इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपिटल वर्क्स कैबिनेट उपसमिति की बैठक भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और दुद्दिला शीधर बाबू भी शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उपसमिति ने एप्रोच रोड निर्माण के लिए 148 करोड़ रुपये जारी करने को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव सही प्रारूप में भेजे जाएं, तो स्वीकृति और कार्यान्वयन में तेजी आएगी। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि विभाग वित्त विभाग को 1:4 अनुपात में प्रस्ताव भेजें, जिससे उन्हें शीघ्र स्वीकृति मिल सके। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को 8 जून तक एप्रोच रोड का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे साप्ताहिक आधार पर प्रगति की समीक्षा करेंगे और टेंडरिंग, क्रियान्वयन व गुणवत्ता पर नजर रखेंगे। बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समय से पहले 86% चावल वितरण पूरा, तेलंगाना की बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति विभाग ने इस माह के लिए निर्धारित चावल कोटे का 86 प्रतिशत वितरण समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया है। 21 अप्रैल तक राज्यभर में 5.48 लाख मीट्रिक टन से अधिक चावल लाभार्थियों तक पहुंचाया जा चुका है। यह तेज वितरण अभियान उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के 2 मार्च के निर्देश के बाद शुरू किया गया था। केंद्र ने सभी राज्यों को अप्रैल, मई और जून 2026 तिमाही के लिए खाद्यान्न उठाव और वितरण पहले ही पूरा करने को कहा था, ताकि खरीद सीजन से पहले भंडारण और लॉजिस्टिक्स संबंधी समस्याओं से बचा जा सके। कुल 6,43,303 मीट्रिक टन आवंटन में से 5,48,140 मीट्रिक टन का वितरण किया जा चुका है। यह उपलब्धि महीने की समयसीमा समाप्त होने से आठ दिन पहले ही हासिल कर ली गई। इस अभियान के तहत राज्य में अब तक 2.62 करोड़ से अधिक सफल लेनदेन दर्ज किए गए हैं। वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी डिजिटल लेनदेन और लाभार्थियों के प्रमाणीकरण को उचित मूल्य की दुकानों (एफपी शॉप्स) पर स्वतंत्र रूप से मॉनिटर किया जा रहा है।

छह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डीजीपी पद पर पदोन्नत

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को एक आदेश जारी कर छह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद पर पदोन्नत किया है। पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में वीरीसेट्टी वेंकट श्रीनिवास राव, स्वाति लाकड़ा, महेश मुरलीधर भागवत, चारु सिन्हा, डॉ. अनिल कुमार और वीसी सज्जनार शामिल हैं। सरकारी आदेश के अनुसार, सभी अधिकारी अपने वर्तमान पदों पर ही कार्य करते रहेंगे।

मौला अली में फैक्ट्री पर छापा, 69 किलो अल्प्राजोलम बरामद

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मौला अली स्थित एक औद्योगिक इकाई पर छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने यहां से करीब 69 किलोग्राम अल्प्राजोलम नाम की नशीली दवा बरामद की और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एनसीबी को गुप्त सूचना मिली थी कि फैक्ट्री में अवैध तरीके से ड्रग्स बनाई जा रही हैं। इसके बाद अधिकारियों ने मंगलवार को छापा मारा। तलाशी के दौरान दो बड़े प्लास्टिक ड्रमों में सफेद पाउडर मिला, जिसे आरोपियों ने अल्प्राजोलम बताया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में बिना लाइसेंस के एफेड्रिन नाम की एक और दवा बनाने की तैयारी चल रही थी। मौके से कच्चा माल और रसायन भी जब्त किए गए हैं।

जब्त ड्रग्स की बाजार में कीमत करीब 17.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जबकि कच्चे माल की कीमत करीब 20 लाख रुपये है। गिरफ्तार लोगों में एक केमिस्ट, एक सप्लायर और एक खरीदार शामिल हैं। जांच में यह भी पता चला कि इन दवाओं को तेलंगाना की ताड़ी की दुकानों में बेचने की योजना थी, जहां गर्मियों में इसकी मांग बढ़ जाती है। तीनों आरोपियों को एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच जारी है। एनसीबी के अनुसार, साल 2026 में अब तक हैदराबाद में 9 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इस दौरान 78 किलो अल्प्राजोलम, 1208 किलो गांजा, 2 किलो चरस और 26 ग्राम क्लोबाज़म जब्त किया गया है, जबकि 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

तारामती बारादरी में आदिवासी अतिथियों का भव्य स्वागत

मंत्री ने साथ आदिवासी समुदाय के साथ भ्रमण किया

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले से आए आदिवासी प्रतिनिधिमंडल का बुधवार को ऐतिहासिक तारामती बारादरी में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पारंपरिक संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने दिन में पहले आदिलाबाद जिले के उत्नूर मंडल के गोंडूगुडा से इस दल को रवाना किया और स्वयं उनके साथ हैदराबाद पहुंचे। यहां पहुंचने पर उन्होंने राज्य सरकार की ओर से प्रतिभागियों का स्वागत किया। करीब 250 आदिवासी, जो गोंड बस्तियों से आए थे, इस यात्रा में शामिल हुए।

मंत्री ने उनके साथ भोजन भी किया, जो समावेशिता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक रहा। इसके बाद दल राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, शमशाबाद के भ्रमण के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर मंत्री ने बताया कि यह यात्रा 'आदिवासी टूरिज्म एक्सपोजर प्रोग्राम' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय को शहरी जीवन से परिचित कराना और उनकी सामाजिक जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि पहले कुम्मारिगुंटा में आयोजित कार्यक्रम में करीब 1,800 लोगों में से बहुत कम लोगों ने हैदराबाद देखा था, जिसके बाद ऐसे कार्यक्रम शुरू किए गए। शिल्पारामम सहित अन्य प्रमुख स्थानों का दौरा कराया जाएगा।

जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार के साधन के रूप में बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है, जिसमें प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को प्रोत्साहित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्थानीय कलाकारों को लाभ होगा, बल्कि राज्य की आय और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

इस मौके पर खानापुर विधायक वेदमा बोज्जू, पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक गौथामी, पर्यटन निदेशक लक्ष्मण रंजीत नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PREMSHRI , Mother of Mr Ratibhan Singh Yadav, resident of Vill-Gariya, Post-Darora, Teh-Fatehgarh, Dist-Farrukhabad, State-UP, Pin Code-209739 have changed my name from PREMSHRI to PREMSHREE vide affidavit dated.7 th April 2026, before 1st Class Magistrate, High Court of Telagana State, Hyderabad.

I, AWADH NATH SINGH is legally Father of No-JC-391361H, Rank- SUB, Name- BHANU PRATAP SINGH, R/o. Vill – Sukwa, PO– Bahiyari Baghel, Teh-Bhatpar Rani, Dist- Deoria, U.P. I have to change my Name from – AWADH NATH SINGH to AWADH NARAYAN SINGH for all purpose vide affidavit dated: 20/04/2026..

I, Army No. 6944295H Hav MOYIDI GOPI of Adm Bn AOC Centre, C/o.56, Secunderabad that my father name is changed from M SURYANARAYANA to MOYIDI SURYANARAYANA.

I, Chandaramathy, Mother of No. 14683533M, Hav, Aneesh S, R/o, Dist: Kollam, Keralam, changed my name from Chandaramathy to Chandramathy Amma , vide Affidavit No.466459 dt. 21.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

फुटबॉल को बढ़ावा, हर जिले में लगेंगे समर कोचिंग कैंप

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फुटबॉल एसोसिएशन (टीएफए) ने राज्य के सभी जिला फुटबॉल संघों में ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविर आयोजित करने का फैसला किया है। इस पहल के तहत टीएफए जिला संघों को पूरा सहयोग देगा और शिविरों के सफल संचालन के लिए फुटबॉल, उपकरण और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देना और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण के अवसर देना है, ताकि राज्य में नए प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभर सकें।

हाईकोर्ट के फैसले पर करीमनगर में बीआरएस का जश्न

करीमनगर, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की जिला इकाई ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को लेकर पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट पर कार्रवाई रोकने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया।

नगर अध्यक्ष चाल्ला हरिशंकर के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना चौक पर पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। इस मौके पर नेताओं ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला कांग्रेस सरकार के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा गठित पीसी घोष आयोग पक्षपातपूर्ण और गलत तथ्यों पर आधारित था।

नेल्लोर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार

नेल्लोर, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह 14 सदस्यीय संगठित गिरोह था, जिसमें मुख्य आरोपी शेख फरियाज और उसका सहयोगी कोंडुरु वासु शामिल हैं, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। जिला पुलिस अधीक्षक अजिता वेजेंडला ने बताया कि यह रैकेट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए इंडियन प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी चला रहा था। 19 अप्रैल को दरगामिट्टा थाना क्षेत्र के मगुंटा लेआउट स्थित एक निजी होटल में छापा मारकर इसका खुलासा किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी राधे एक्सचेंज नाम के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टा चला रहे थे और व्हाट्सएप पर अंतरराष्ट्रीय नंबरों से निर्देश प्राप्त करते थे। छापेमारी के दौरान 2 लाख रुपये से अधिक नकदी, 13 मोबाइल फोन और एक टीवी बरामद किया गया, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है।

जांच में सामने आया कि गिरोह 28 बैंक खातों के जरिए काम कर रहा था, जिनमें एक्सिस बैंक, आरबीएल बैंक और एचडीएफसी बैंक के खाते भी शामिल हैं। इन खातों को फ्रीज कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 के बीच 37 लाख रुपये से अधिक के 72 लेनदेन किए। मुख्य आरोपी फरियाज सट्टेबाजी के लिए लॉगिन बनाता था, जबकि शिवगिरी रवि कुमार बैंकिंग लेनदेन संभालता था।

गिरफ्तार सभी 12 आरोपियों को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, आंध्र प्रदेश गेमिंग एक्ट और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। एसपी ने युवाओं को ऑनलाइन सट्टेबाजी से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां उनके भविष्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पुलिस ने बताया कि जिले में आईपीएल सट्टेबाजी पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल को बीआरएस का समर्थन

सरकार से वार्ता की मांग

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) आरटीसी कर्मचारियों और श्रमिकों की जायज मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने राज्य सरकार से कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए तुरंत बातचीत शुरू करने की अपील की।

तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि कई राजनीतिक दल और समाज के विभिन्न वर्ग भी आरटीसी कर्मचारियों के समर्थन में खड़े हैं। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनकी समस्याएं आम जनता की चिंताओं को भी दर्शाती हैं।

उन्होंने तेलंगाना राज्य स्थापना आंदोलन में आरटीसी कर्मचारियों की अहम भूमिका को याद करते हुए कहा कि उनके योगदान को भुलाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि बीआरएस शासन के दौरान कैबिनेट स्तर पर चर्चा कर आरटीसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया गया था। पूर्व मंत्री ने सरकार से अपील की कि संवाद को प्राथमिकता दी जाए और आरटीसी कर्मचारियों की शिकायतों का जल्द समाधान किया जाए, ताकि स्थिति सामान्य हो सके।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत

National Institute of Indian Medical Heritage

(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt of India)

Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, Telangana, India

040-24007388

9493627388

अधिसूचना. 04/2026

इस संस्थान में उपलब्ध विभिन्न परियोजनाओं के लिए पैनल तैयार करने हेतु **वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (वनस्पति विज्ञान)** और **वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आईटी)** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पूर्ण विवरण और आवेदन संबंधी आवश्यकताएं आधिकारिक वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण के लिए, कृपया सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान मोबाइल नंबर **9493627388** पर संपर्क करें।

प्रभारी सहायक निदेशक

'काबा से नहीं कालीबाड़ी से बंगाल की पहचान'

उर्दू नहीं बंगाली चलेगी, जोरासांको में गरजे सीएम योगी

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मैदान में उतरे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। उनके निशाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रहीं। सीएम योगी आदित्यनाथ भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार के लिए जोरासांको विधानसभा सीट पर पहुंचे थे।

वहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने बंगाली अस्मिता का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने साफ तौर पर कहा कि बंगाल में केवल बंगाली चलेगी और कुछ भी नहीं चलने दिया जाएगा। दरअसल, सीएम योगी ने कोलकाता के मेयर के बयान पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल की पहचान मां कालीबाड़ी होगी, काबा से नहीं। साथ ही, गोहत्या का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने एक बार फिर नारा दिया, 'गौ-माता को कटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे'।

सीएम योगी का कोलकाता मेयर पर हमला

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के बयान का जिक्र किया। फिरहाद हकीम ने बंगाल चुनाव को लेकर बयान दिया है कि बंगाल की आधी आबादी उर्दू बोलेगी। सीएम योगी ने इस पर कहा कि आपने देखा ही होगा कि कोलकाता के मेयर क्या कह रहे हैं। वे कहते हैं कि यहां उर्दू का इस्तेमाल होगा। हम यहां यह कहने आए हैं कि बंगाली पहचान के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल में केवल बंगाली चलेगी। सीएम योगी ने कहा कि कोई मां का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। तृणमूल कांग्रेस के लोग बंगाली अस्मिता से खिलवाड़ की कोशिश कर रहे हैं। उनको आज बताने की जरूरत है कि बंगाल की पहचान काबा से नहीं जुड़ी है, बल्कि बंगाल की पहचान मां कालीबाड़ी से जुड़ी रही है।

गौहत्या के मामले से यूपी को जोड़ा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की ममता सरकार पर गोहत्या का आरोप लगाते हुए जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धड़ल्ले से गोहत्या हो रही है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। दुर्गा पूजा के समय अनुमति नहीं मिलती है। शोभा यात्रा निकालने पर प्रतिबंधित करती हैं। यहां पर दुर्गा पूजा के समय कर्फ्यू लगता है। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। व्यापारी सुरक्षित नहीं है। टीएमसी के गुंडे उनसे गुंडा टैक्स वसूली करते हैं। यहां की जो अभी स्थिति है, वही वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति थी। इसी प्रकार की अराजकता का सामना प्रदेश को करना पड़ता था। समाजवादी पार्टी के गुंडों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था।

2017 से पहले यूपी में भी राम के नाम को लेने पर पाबंदी थी। सपा के गुंडों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था। वही स्थिति टीएमसी सरकार में बंगाल की है। आज यूपी में रामराज्य जैसी स्थिति है। यह डबल इंजन सरकार का कमाल है। बंगाल में बदलाव लाना होगा।

यूपी में रामराज्य का जिक्र

सीएम योगी ने 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में कोई राम नाम नहीं ले पाता था। जो राम नाम लेता था, उस पर डंडे और गोली चलते थे। यूपी में विकास नहीं था। प्रदेश ऐसे अंधकार में था, लोगों को कुछ सूझ नहीं रहा था।

नीतीश कुमार ने जदयू की नई टीम बनाई

पटना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दिन पहले अणे मार्ग में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधायक दल की बैठक में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ था कि आपलोग अच्छे से काम करें। 2025 के चुनाव से ज्यादा बेहतर रिजल्ट आगामी चुनाव में आए। बूथ स्तर तक अपनी तैयारी मजबूत करें। इसी को लेकर आज जनता दल यूनाईटेड ने अपनी नई टीम का एलान किया है। जनता दल यूनाईटेड की ओर कहा गया है कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची जारी कर दी गई है। पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा घोषित इस सूची में कई नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

फिर से कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए संजय झा

जदयू की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि संजय कुमार झा को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष और आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि निशांत कुमार को इस सूची में जगह नहीं मिली है।

मनीष वर्मा, श्याम रजक समेत कई लोग महासचिव बने

पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में महासचिव भी नियुक्त किए हैं। इनमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार (इंजीनियर सुनील), हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी शामिल हैं।

राजीव रंजन प्रसाद समेत यह लोग प्रवक्ता बने

वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन प्रसाद को सचिव सह प्रवक्ता बनाया गया है।

वहीं रवींद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग और निवेदिता कुमारी को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि नई टीम संगठन को और मजबूत करने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करेगी।

भाजपा विधायक राजबाला के पति ने मजदूरों और ठेकेदार को पीटा, मजदूरी भी नहीं दी

> पुलिस ने दर्ज किया केस

मुरादाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मिलक-शाहबाद सीट से भाजपा विधायक राजबाला के पति दिलीप सिंह लोधी पर मजदूरों-ठेकेदार से मारपीट और एक लाख रुपये मजदूरी न देने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान के भरतपुर जिले के थाना बयाना क्षेत्र के गांव नगला होता निवासी ठेकेदार रविंद्र सिंह ने अधिवक्ता के माध्यम से एससी-एसटी कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर विधायक पति दिलीप सिंह लोधी पर आरोप लगाए। रविंद्र के मुताबिक वह ग्रेनाइट पत्थर लगाने का काम करता है और मजदूरों के साथ मुरादाबाद में एक कोठी पर काम कर रहा था।

इसी दौरान परिचितों के माध्यम से उसकी बातचीत दिलीप सिंह लोधी से हुई। आरोप है कि लोधी ने अजीतपुर बरेली-बाईपास स्थित अपने होटल पर ग्रेनाइट लगाने का काम 35 रुपये प्रति स्क्वायर फीट के हिसाब से तय किया। साथ ही 15 मजदूरों के साथ काम कराने और साप्ताहिक मजदूरी व अन्य खर्च देने पर सहमति बनी। रविंद्र के अनुसार वह मजदूरों के साथ होटल पर पहुंचा और काम शुरू कर दिया। एक सप्ताह बाद जब उसने भुगतान मांगा तो केवल दो हजार रुपये दिए गए। बाकी रकम मांगने पर टालमटोल की गई। आरोप है कि अगले दिन पैसे मांगने पर लोधी ने राशन देने की बात कही, लेकिन नगद भुगतान से इंकार कर दिया।

ठेकेदार का कहना है कि नौ दिन का काम होने पर करीब एक लाख रुपये बनते थे। भुगतान की मांग करने पर विधायक पति भड़क गए और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि उसकी बोलेरो गाड़ी, बर्तन और सिलिंडर भी कब्जे में ले लिए गए और धमकी देकर सभी मजदूरों को वहां से भगा दिया गया। पीड़ित का कहना है कि पुलिस में शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने कोर्ट की शरण ली। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी ओमकार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर दिलीप सिंह लोधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

गंगा में डूबे एक ही परिवार के पांच सदस्य, चार लोगों के मौत से मातम

वैशाली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली के सोनपुर थाना क्षेत्र के बैजलपुर जगदंबा स्थान के समीप गंगा नदी में बड़ा हादसा हो गया। नहाने के दौरान एक ही परिवार के पांच लोग डूब गए। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक लापता की तलाश अभी भी जारी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और रेस्क्यू कार्य शुरू कराया गया।

जानकारी के अनुसार, परिवार शादी समारोह के बाद चौठारी रस्म के लिए गंगा स्नान करने गया था, तभी यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि जैसे ही सभी लोग नदी में उतरे, अचानक पांच लोग गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों की मदद से दो लोगों के शव बाहर निकाले गए, जिन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है।

सांसद पप्पू यादव अपने बयान पर कायम

90 प्रतिशत महिलाएं मेरे समर्थन में खड़ीं

पटना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन, यानी पप्पू यादव को उनके राजनीति में आने वाली महिलाओं पर विवादित बयान पर बिहार के राज्य महिला आयोग ने नोटिस भेजा है। इस पर पप्पू यादव ने बुधवार को कहा कि 90 प्रतिशत महिलाएं उनकी बात का समर्थन कर रही हैं। उन्होंने कहा है कि जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं उनके साथ खड़ी हैं तो किस बात का डर है।

'हम अपनी जान कुर्बान करने को भी तैयार'

सांसद पप्पू यादव ने कहा, जिन महिलाओं ने अपनी मेहनत से तरक्की की है, चाहे वे एसपी हों, डॉक्टर हों या इंजीनियर, उन्हें आगे आना चाहिए। हम तो अपनी जान कुर्बान करने को भी तैयार हैं। लेकिन आज भारत की 90 प्रतिशत महिलाएं हमारी बात का समर्थन कर रही हैं। जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं हमारे साथ खड़ी हैं, तो फिर डर किस बात का? हमने किसी का नाम नहीं लिया, हमने तो सामान्य तौर पर महिलाओं के बारे में बात की थी। हमने यह भी कहा था कि बाकी बची 10 प्रतिशत महिलाओं में भी अच्छी महिलाएं हैं। तो फिर आपको इतनी तकलीफ क्यों हुई।

पप्पू यादव ने कहा कि, "सूली पर चढ़ जाऊंगा, पत्थर खाऊंगा...यह तो इतिहास रहा है, सुकरात का इतिहास.. हम जहर खाकर खाने को तैयार हैं। लेकिन आज भारत की 90 प्रतिशत महिलाएं हमारी बातों को लेकर सपोर्ट कर रही हैं। ऐसी महिलाओं को कोई डर क्यों?"

'कांच के घरों में रहने वाले दूसरों पर पत्थर न फेंकें'

सांसद पप्पू यादव ने नेताओं और राजनीति में सक्रिय महिलाओं पर विवादित टिप्पणियां की थीं। इन टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रियाएं आईं। इसके बाद बिहार राज्य महिला आयोग ने उनके बयान का स्वतः संज्ञान लिया। पप्पू यादव ने उनके बयान पर आपत्ति जताने वालों के बारे में कहा, ये लोग कौन हैं जिन्होंने मुझे नोटिस भेजा है? ये किसके साथ हैं? जो लोग कांच के घरों में रहते हैं, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए।

नोटिस में लगाए गए आरोपों पर पप्पू यादव ने कहा, मैंने सदन के पटल पर भी यह बात कही है कि 70-80 फीसदी नेता पोर्न देखते हैं। इसलिए सबकी जांच कराईए। अगर मेरे फोन में पोर्न मिलता है, तो मेरी भी जांच कीजिए।

'मैं महिलाओं की लड़ाई लड़ रहा हूं'

राजनीति में महिलाओं के शोषण का आरोप लगाते हुए पप्पू यादव ने कहा, मैंने कहा था कि पुरुष नेता महिलाओं का शोषण किए बिना राजनीति में आने नहीं देते। क्या यह गलत है? उन्होंने कहा कि, मैं महिलाओं की लड़ाई लड़ रहा हूं। ये लोग महिलाओं का शोषण करते हैं।

यादव ने कहा कि, कई पुरुष नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप हैं, और उनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हैं।

नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने किए रामलला के दर्शन

बोले-भगवान राम हमारे पाहुन हैं, घर आया हूं

अयोध्या, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन-पूजन किया। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर को आस्था, गौरव और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया। मीडिया से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि भगवान राम हमारे पाहुन हैं, इसलिए मैं अपने पाहुन के घर आया हूं। अयोध्या आना अपने प्रभु के घर आने जैसा दिव्य अनुभव है।

भगवान श्रीराम केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन से समाज को मर्यादा, कर्तव्य और त्याग की प्रेरणा मिलती है। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण होना पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। राम स्वरूप में माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान का समावेश भारतीय संस्कृति, परिवार व्यवस्था और समर्पण की भावना को दर्शाता है। नई अयोध्या आध्यात्मिकता, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम बनकर उभर रही है। यहां आकर हर भारतीय गौरव और आत्मीयता का अनुभव करता है।

मुरादाबाद में सिर्फ दो फीसदी मजदूरों को ही मिला 100 दिन काम

जिले में 113795 सक्रिय जॉब कार्डधारक

मुरादाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वैसे तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) सौ दिनों के रोजगार की गारंटी है। लेकिन जिले में 1559 मजदूरों को ही सौ दिन काम मिल पाया। यह संख्या कुल 113795 सक्रिय जॉब कार्डधारकों की तुलना में सिर्फ दो फीसदी है। जबकि 11570 मजदूरों के कार्य दिवस 81 से 99 दिनों के बीच रहा। हालांकि विभाग का दावा है कि सृजित मानव दिवस के लक्ष्य से अधिक कार्य दिए गए। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक जिले में एक्टिव जॉब कार्डधारकों की संख्या करीब 113795 है। कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र में सबसे अधिक 18393 और मुरादाबाद ब्लॉक में सबसे कम 5992 जॉब कार्डधारक हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के गांवों में विकास के लिए विभिन्न कार्य चिह्नित किए गए। इसमें नाली निर्माण, सड़क निर्माण, चकरोड, तालाब की खोदाई, मिट्टी भराई, खड़ंजा आदि शामिल रहे। इन कार्यों में मजदूरी के लिए मनरेगा मजदूरों को शामिल किया गया। जिले में 1559 जॉब कार्डधारक ऐसे रहे हैं जिन्हें सौ दिन रोजगार मिला। इसमें सर्वाधिक 431 मजदूर कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र के रहे। जबकि छजलैट ब्लॉक में सबसे कम 32 मजदूरों को सौ दिन कार्य मिला। कुल जॉब कार्डधारकों की संख्या की तुलना में सिर्फ दो फीसदी मजदूरों को ही सौ दिन कार्य करने का मौका मिला है। वहीं जिले में 11570 जॉब कार्डधारक ऐसे पाए गए जिनके कार्य दिवसों की संख्या 81 से 99 दिन रहे।

तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी को बताई 41 हजार करोड़ वाली बात

नीतीश कुमार से बंटवा कर भूंजा गैंग निकल लिया

पटना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भ्रष्टाचार को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। उन्होने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार के कारण सरकार का खजाना खाली है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि राज्य में व्याप्त वित्तीय संकट से जूझ रही अनैतिक सरकार ने हालिया दिनों में दूसरी बार निधि निकासी एवं व्यय नियंत्रण संबंधित पत्र जारी किया है।

भ्रष्टाचारी ही सम्राट हो गया: तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि एनडीए सरकार में भ्रष्टाचार इतना विराट हो गया कि भ्रष्टचारी ही 'सम्राट' हो गया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि अपनी कुर्सी बचाने के लिए भ्रष्ट रिटायर्ड और कॉम्प्रोमाइज्ड उच्च अधिकारियों और एजेंसियों से डरी भूंजा गैंग ने अचेत निष्क्रिय मुख्यमंत्री से मिलकर खटारा सरकार से चुनाव के आखिरी 30 दिनों में 41,000 करोड़ रुपए बंटवा दिया।

बुजुर्गों को नहीं मिल रही पेंशन: राजद

तेजस्वी यादव ने इससे बढ़ कर आरोप लगाया। तेजस्वी का दावा है कि 'अब महीनों से बुजुर्गों को दी जाने वाली सामाजिक पेंशन, छात्रों के स्टूडेंट के क्रेडिट कार्ड के भुगतान, छात्रवृत्ति देने के लिए और कर्मचारियों को सैलरी और पेंशन देने के भी एनडीए सरकार के पास धनराशि नहीं बची क्योंकि भ्रष्टाचार के चलते खजाना खाली है।'

तेजस्वी का आरोप- बिहार का खजाना खाली

'चुनाव के आखिरी 30 दिन में बांटे गए 41 हजार करोड़'

'वृद्धावस्था पेंशन और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए पैसे नहीं'

'भ्रष्टाचार के चलते बिहार का खजाना हुआ खाली'

कर्ज पर चल रही बिहार सरकार : तेजस्वी यादव

उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि सरकार अब ब्याज पर उधार लेकर यानि कर्ज के सहारे चल रही है। यह भ्रष्ट सरकार 100 करोड़ से अधिक रुपए प्रतिदिन केवल ब्याज का भुगतान करने में खर्च कर रही हैं। हालात ये हैं कि एनडीए सरकार ने बिहार पर लगभग चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज का बोझ लाद दिया है।

खजाना खत्म, बिहार ठप्प: तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार का खजाना इतना खाली हो चुका है कि समूचा प्रदेश पूरी तरह से ठप पड़ा है, विकास की कोई भी योजना नहीं चल रही है। एक ऐसी निकम्मी सरकार बिहार को चला रही है, जिसके पास न तो विजन है और न ही रोडमैप है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी एनडी सरकार बिहार के खजाने से पैसे तो निकाल लेती है लेकिन उसे पता ही नहीं होता है कि 92 हजार 132 करोड़ रुपये कहां खर्च किये? कैग की रिपोर्ट बताती है कि डबल इंजन की सरकार 90 हजार करोड़ के खर्च का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं कर पाई।

भू-माफियाओं पर पुलिस का बड़ा शिकंजा

ईडी तक पहुंचेगी 60 अपराधियों की लिस्ट तैयार

सारण, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में लंबे समय से सक्रिय भू-माफियाओं और संगठित अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी के सख्त निर्देश के बाद अवैध कब्जा, रंगदारी और जमीन विवादों में शामिल अपराधियों पर व्यापक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इस अभियान से जिले में वर्षों से जमे आपराधिक नेटवर्क पर सीधा असर पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

60 बड़े भू-माफियाओं की लिस्ट तैयार

पुलिस ने जिले के करीब 60 कुख्यात भू-माफियाओं की एक विशेष ब्लैकलिस्ट तैयार की है। इस सूची को जल्द ही प्रवर्तन निदेशालय को सौंपा जाएगा, ताकि अपराधियों द्वारा अवैध तरीके से अर्जित चल और अचल संपत्तियों की जांच कर उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत जब्त किया जा सके। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से अपराधियों की आर्थिक ताकत कमजोर होगी।

आर्थिक नेटवर्क पर सीधा वार की तैयारी

एसपी विनय तिवारी ने स्पष्ट किया है कि अब कार्रवाई केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपराधियों के आर्थिक तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। जांच में सामने आया है कि कई अपराधियों ने हत्या, रंगदारी और जमीन कब्जे के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति खड़ी की है। अब ऐसी संपत्तियों को चिन्हित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्क करने की तैयारी चल रही है। पुलिस की सूची में जिले के कई प्रभावशाली और कुख्यात नाम शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ संगठित गिरोह लंबे समय से जमीन कब्जाने और लोगों को डराकर रंगदारी वसूलने के आरोपों में चिन्हित किए गए हैं।

'निशांत कुमार का बिहार में घूमना अच्छी बात' बोले अनंत सिंह

कहा-नीतीश की यात्राएं सफल रहीं

पटना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जदयू नेता निशांत कुमार 3 मई से बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं। निशांत कुमार की 'बिहार यात्रा' पश्चिम चंपारण से शुरू होने वाली है। उनकी यात्रा को लेकर जल्द ही शेड्यूल भी जारी कर दिया जाएगा। इधर निशांत कुमार की यात्रा को लेकर जदयू विधायक अनंत सिंह ने कहा कि निशांत कुमार अपने पिता नीतीश कुमार की तरह की यात्रा पर निकलेंगे, यह अच्छी बात है। बता दें, निशांत अपनी यात्रा के दौरान जिला अध्यक्षों के अलावा जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती देने वाले कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे।

निशांत बिहार में घूमेंगे तभी उन्हें जानकारी होगी: अनंत सिंह

पटना में जदयू विधायक अनंत सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'निशांत कुमार का बिहार में घूमना अच्छी बात है। जब निशांत कुमार बिहार में घूमेंगे तभी उन्हें जमीनी स्तर पर जानकारी होगी। उनके घूमने से पता चलेगा कि जमीन पर क्या समस्या है, लोगों की समस्या क्या है, और उसे कैसे दूर किया जा सकता है?'

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा : अनंत सिंह

वहीं नीतीश कुमार को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर अनंत सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए सब बेकार की बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के लिए बहुत काम किया। बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास के रास्ते पर लगाए। उन्होंने विधायक दल के नेता श्रवण कुमार चुने जाने पर कहा कि श्रवण कुमार शुरू से पार्टी में हैं। वह इस लायक भी हैं। वह पार्टी को आगे बढ़ाएंगे, सभी विधायकों को साथ लेकर चलेंगे।

लालू सरकार में रोजाना अपहरण के मामले आते थे: अनंत सिंह

तेजस्वी यादव की ओर से कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने जाने पर जदयू विधायक ने कहा कि बढ़ा-चढ़ाकर बोलने का कोई इलाज नहीं है। बिहार में कोई अपराध नहीं हो रहा है। सिर्फ छोटी-मोटी घटनाओं की रिपोर्ट आ रही है, जैसे मोबाइल छीनना।

केजरीवाल ने ममता बनर्जी से फोन पर की बात

समर्थन जताकर बोले-लोकतंत्र की अहम लड़ाई लड़ रहीं दीदी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ममता बनर्जी के समर्थन में खुलकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी देश के लोकतंत्र की सबसे कठिन और अहम लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं।

केजरीवाल की ममता से क्या बात हुई?

केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ममता बनर्जी से फोन पर बात की और उन्हें पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा। केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा, अभी ममता दीदी से फोन पर बात हुई। उन्हें पूरा समर्थन और एकजुटता जताई। वह बेहद कठिन लड़ाई लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मोदी जी सभी संस्थाओं, यहां तक कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का भी दुरुपयोग कर रहे हैं, इसके बावजूद वह हारेंगे।

ममता को रैली की नहीं मिली अनुमति

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले चुनाव आयोग ने भवानीपुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रस्तावित रैली को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद टीएमसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

ममता ने क्या लगाया आरोप?

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री होने के बावजूद उन्हें अपने ही विधानसभा क्षेत्र में रैली की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों को कुछ घंटों में मंजूरी मिल जाती है, लेकिन उनकी रैली को रोका गया। उन्होंने कहा कि मैं वहां फिर भी जाऊंगी, बैठूंगी और चाय पियूंगी। ममता का यह बयान भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कॉलिन स्ट्रीट इलाके में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर आया।

पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को होगी। राज्य में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है, जहां सत्तारूढ़ टीएमसी लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी की कोशिश में है, जबकि भाजपा सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरी है।

हरियाणा-राजस्थान सीमा पर हड़कंप

खेत की ढाणी में गिरा 'पाकिस्तान' लिखा गुब्बारा, सिरसा के गांव खेड़ी का मामला

सिरसा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा और राजस्थान की सीमा पर स्थित गांव खेड़ी में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत में बनी ढाणी के अंदर पाकिस्तान के निशान वाला एक संदिग्ध गुब्बारा आकर गिरा। गुब्बारा मिलने की सूचना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया।

विमान के आकार का है गुब्बारा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह गुब्बारा एक हवाई जहाज (प्लेन) के आकार में बना हुआ है। सफेद और हरे रंग के इस गुब्बारे पर 'पीआईए' के साथ-साथ पाकिस्तान का नाम और चांद-सितारे का चिह्न बना हुआ है। गांव खेड़ी निवासी जयवीर सिंह शर्मा ने बुधवार सुबह अपनी ढाणी में इस संदिग्ध गुब्बारे को देखा।

सीबीआई अदालत में डीजीसीए के उप-निदेशक समेत दो आरोपी पेश

एजेंसी ने पांच और दिन की कस्टडी मांगी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुदावथ देवुला और भरत माथुर की सीबीआई हिरासत 2 दिन के लिए बढ़ा दी। सीबीआई ने आरोपियों को सबूतों से रूबरू कराने और जांच के लिए 5 दिन की हिरासत मांगी थी। सीबीआई की विशेष न्यायाधीश छवि कपूर ने सीबीआई और आरोपियों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हिरासत की अवधि बढ़ा दी। अदालत ने सीबीआई को शुक्रवार को दोपहर 12:30 बजे आरोपियों को पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत ने आरोपियों के परिवार वालों को सीबीआई हिरासत में उनसे मिलने की अनुमति भी दी है।

रिश्वत लेने का आरोप

डीजीसीए के अधिकारी मुदावत देवुला और दूसरा एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट भरत माथुर पर आरोप है कि ड्रोन इम्पोर्ट की परमिशन दिलाने के बदले 2.5 लाख रुपए की रिश्वत ली गई। सीबीआई ने इनके घरों और दफ्तरों पर छापे मारे तो 37 लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के सिक्के, और कई डिजिटल डिवाइस भी मिले।

कौन हैं मुदावत देवुला?

मुदावत देवुला डीजीसीए के एयरवर्थनेस डायरेक्टरेट में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर काम करते थे। देवुला का काम यह तय करना होता है कि कोई विमान या ड्रोन उड़ान के लिए सुरक्षित है या नहीं। दूसरे गिरफ्तार शख्स भरत माथुर एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट है और एक एयरोस्पेस कंपनी से भी जुड़ा हुआ है जो ड्रोन इम्पोर्ट के कारोबार में शामिल है।

सीबीआई ने क्या कहा है?

सीबीआई के मुताबिक, मुदावत देवुला अपने सरकारी पद का फायदा उठाकर प्राइवेट कंपनियों से पैसे मांगते थे। एक प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी के ड्रोन इम्पोर्ट से जुड़े कई आवेदन डीजीसीए में लंबे समय से अटके पड़े थे। इन आवेदनों पर मंजूरी और परमिशन दिलाने के बदले उन्होंने रिश्वत मांगी थी। भरत माथुर उस प्राइवेट कंपनी की तरफ से बिचौलिए की भूमिका में था। उसने डीजीसीए अधिकारी और प्राइवेट कंपनी के बीच रिश्वत की यह डील करवाई। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 18 अप्रैल को इन दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सीबीआई ने मौके पर ही 2.5 लाख रुपए बरामद किए। सीबीआई ने अदालत से दोनों आरोपियों की 5 दिनों की कस्टडी बढ़ाने की मांग की।

'गृह मंत्री अमित शाह ने लोकप्रिय पर्यटक स्थलों को खोलने के लिए कहा'

> पहलगाम हमले की बरसी पर बोले सीएम उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को आज एक साल हो गए। दर्दनाक घटना की बरसी की पूर्व संध्या पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने बताया कि बीते एक साल में कैसे राज्य की सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर काम किया है, ताकि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि कैसे सभी पर्यटन स्थलों को भी खोल दिया गया, क्योंकि लोगों के मन से डर निकालने का यही एकमात्र तरीका था।

आतंकी हमले के बाद एक धारणा बन गई थी कि कुछ टूरिस्ट स्पॉट बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में एक बार फिर से पर्यटकों को कश्मीर की ओर आकर्षित करने के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि बहुत सारी चीजें थी। सबके अहम सुरक्षा थी। ऐसे में टूरिस्ट स्पॉट को फिर से खोलने से पहले सुरक्षा ऑडिट किए गए। साथ ही हमने लोकल स्टेक होल्डर और टूरिस्म उद्योग के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के पीछे का मकसद यह था कि हम देखना चाहते थे कि हम कितना बेहतर कर सकते हैं, क्योंकि हम असंवेदनशील नहीं दिखना चाहते थे। ऐसी त्रासदी की पृष्ठभूमि में हम संवेदनशील नजर आना चाहते थे। इसलिए इसे बेहद सावधानी और संतुलित तरीके से करना जरूरी था।

सरकारी अधिकारी लोगों को आश्वस्त करने के लिए अन्य राज्यों में भी गए। क्या इसका फायदा हुआ? इस सवाल के जवाब में सीएम अब्दुल्लाह ने कहा कि हम उन राज्यों में गए जो जम्मू-कश्मीर के प्रति सकारात्मक रुख रखते हैं और जहां से हमें सबसे ज्यादा पर्यटक मिलते हैं। जैसे गुजरात, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र आदि। इस सीजन की शुरुआत के साथ हमने देखा है कि इन जगहों से पर्यटकों की अच्छी संख्या आ रही है।

क्या आप स्थानीय लोगों के इस आकलन से सहमत हैं कि जहां अभी भी पाबंदियां हैं, वे डर की भावना को बढ़ा रही हैं? इसके जवाब में सीएम ने कहा कि मैं पूरी तरह से इस आकलन से सहमत हूं कि जब तक कुछ जगहें बंद रहेंगी, तब तक यह धारणा खत्म नहीं होगी कि जम्मू-कश्मीर या केवल कश्मीर असुरक्षित है। यही वजह है कि हमने केंद्र सरकार के साथ मिलकर सीजन शुरू होने से पहले अधिकतर महत्वपूर्ण जगहों को खोलने की कोशिश की। पहलगाम, गुलमर्ग, दूधपथरी जैसे इलाकों को खोला गया। ट्यूलिप गार्डन भी इसी सूची में था, जिसे सीजन से पहले खोल दिया गया।

बेअदबी रोकने के लिए सरकार का बड़ा कदम

यूनिक आईडी के साथ छपेंगे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप, ट्रैकिंग आसान

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप अब यूनिक आईडी नंबर के साथ प्रकाशित किए जाएंगे। यह नंबर डिजिटल डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़ा होगा। इससे हर स्वरूप को यूनिक पहचान मिलेगी और जरूरत पड़ने पर उसे ट्रैक किया जा सकेगा। बेअदबी और साजिश से जुड़ी घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने यह व्यवस्था लागू की है।

सरकार ने हाल ही में दि जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026 लागू किया है। इसके तहत ग्रंथ के स्वरूपों की छपाई भंडारण वितरण और आपूर्ति के स्पष्ट नियम तय किए गए हैं। इन नियमों के अनुसार छपाई का अधिकार शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को दिया गया है। साथ ही जो भी व्यक्ति स्वरूप प्राप्त करेगा उसे निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।

डिजिटल रजिस्टर और ट्रैकिंग के सख्त प्रावधान

संशोधन अधिनियम की धारा 3 ए (1) के तहत एसजीपीसी को एक केंद्रीय रजिस्टर रखना अनिवार्य होगा जिसमें छपाई भंडारण वितरण और आपूर्ति से संबंधित सभी विवरण दर्ज किए जाएंगे। यूनिक आईडी के साथ छपाई और प्रकाशन की तारीख भी दर्ज होगी। यह भी रिकॉर्ड रखा जाएगा कि स्वरूप कहां भेजा गया और किस स्थान पर सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा संरक्षक का नाम और पता भी दर्ज किया जाएगा। रिकॉर्ड मैनुअल और इलेक्ट्रॉनिक दोनों रूपों में रखा जाएगा और इसे एसजीपीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। उप धारा (2) के अनुसार यह रिकॉर्ड संशोधन लागू होने के 45 दिन के भीतर अपलोड करना होगा और हर माह इसे अपडेट किया जाएगा। रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए अधिकृत अधिकारी नियुक्त होगा।

बीबीएमबी मामले में पंजाब सरकार को झटका

हाईकोर्ट ने कहा-केंद्र के सामने रखें अपना पक्ष

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बीबीएमबी मामले में पंजाब सरकार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पिछले साल हरियाणा सरकार को 8500 क्यूसेक पानी दिए जाने के बीबीएमबी के आदेशों को चुनौती देने वाली पंजाब सरकार की याचिका खारिज कर दी गई है। हाईकोर्ट ने कहा कि हम पिछले साल इस पर फैसला सुना चुके हैं, उस फैसले के तहत अब केंद्र सरकार के सामने अपना पक्ष रखें। पंजाब सरकार का आरोप था कि बीबीएमबी ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन कर हरियाणा को यह पानी दिए जाने के आदेश दिए थे। हमारी आपत्ति पर गौर नहीं किया गया था।

एक नाम-एक डिग्री, मगर चेहरे अलग

15 सालों से फर्जी एमबीबीएस डॉक्टर करता रहा लोगों का इलाज

बालाघाट, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे महकमे में हड़कंप मचा दिया है. जानकारी के अनुसार, एमबीबीएस की एक ही डिग्री पर अलग-अलग नाम और अलग-अलग चेहरों के जरिए नौकरी करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि एक व्यक्ति पिछले करीब 15 साल से डॉक्टर बनकर सरकारी सेवा दे रहा है।

बताया जा रहा है कि सुनील कुमार सिंह नाम का व्यक्ति बिरसा के सरकारी अस्पताल में बीएमओ (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) के पद पर पदस्थ है. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जिस डिग्री के आधार पर वह नौकरी कर रहा है, उसमें नाम और पहचान को लेकर गंभीर संदेह है. इस खुलासे के बाद विभागीय स्तर पर अफरा-तफरी का माहौल है. वहीं सवाल यह भी कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो सकती है।

डिग्री असली है या फर्जी-सीएमओ मामले की जानकारी मिलते ही बालाघाट के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव ने कहा कि उन्हें इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है. उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच के बाद ही यह तय हो पाएगा कि डिग्री असली है या फर्जी, और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

सरकारी खाजाने से उठाता रहा लाखों का वेतन

इस मामले ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतने वर्षों तक यह गड़बड़ी कैसे चलती रही और किसी भी स्तर पर इसकी जांच क्यों नहीं हुई? साथ ही यह सरकारी खजाने से लाखों रुपये वेतन के रूप में किस आधार पर दिए गए? फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद ही पूरे मामले का सच सामने आएगा और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जा सकेगी।

एनआईटी विद्यार्थियों की आत्महत्या की जांच तेज

प्लेसमेंट व शिकायत प्रणाली की रिपोर्ट तलब, इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

कुरुक्षेत्र, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं के बाद पहुंची केंद्रीय शिक्षा विभाग की दो सदस्यीय टीम ने मैराथन बैठक कर 12 बिंदुओं पर पड़ताल की।

केंद्र के जांच अधिकारी डॉ हीरा लाल तथा डॉ रवि के सामने संस्थान की ओर से पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई छात्रों की आत्महत्या, प्लेसमेंट और शिकायत प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी सामने रखी गई। टीम के सामने पेश रिपोर्ट में प्रशासनिक पदों पर तैनाती और उनके रोटेशन, मेडिकल सेंटर की गतिविधियां, काउंसलरों की संख्या और उनकी ओर से किए गए कार्यों का ब्यौरा, पिछले पांच वर्षों में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों, वर्कशॉप और छात्र विनिमय कार्यक्रमों की जानकारी भी शामिल है।

मंडी में सिया हत्याकांड : आठ दिन, तीन बयान, नतीजा एक

मां से नाराज विकास ने सिया पर उतारा गुस्सा

मंडी, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आठ दिन की जांच में तीन अलग-अलग बयान सामने आने के बावजूद सिया हत्याकांड में पुलिस एक ही आरोपी विकास पटियाल की भूमिका मानकर आगे बढ़ रही है। मां से पैसों को लेकर हुए विवाद के बाद गुस्से में हत्या की थ्योरी फिलहाल जांच का आधार बनी हुई है, जबकि मृतका और आरोपी के परिजन साजिश की आशंका जता चुके हैं।

सरकाघाट में हुए सिया हत्याकांड की जांच आठवें दिन भी कई सवालों के बीच आगे बढ़ रही है। पुलिस ने अब तक की जांच में किसी तीसरे व्यक्ति की भूमिका से इनकार किया है और एक ही आरोपी को जिम्मेदार मानते हुए केस को उसी दिशा में आगे बढ़ाया है। हालांकि, पूछताछ के दौरान आरोपी के बदलते बयान इस मामले को जटिल बना रहे हैं। शुरुआत में आरोपी ने सनक में हत्या की बात कही, इसके बाद किसी लड़की की शिकायत का शक सामने आया, जबकि बाद में मां से पैसे न मिलने पर हुए विवाद के बाद गुस्से में वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई।

पुलिस फिलहाल इसी आखिरी थ्योरी को आधार मानते हुए सबूत जुटाने में लगी है। जांच के मुताबिक घटना वाले दिन आरोपी की अपनी मां से पैसों को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद वह घर से निकला और अलग-अलग स्थानों से होते हुए नैण गांव की ओर पहुंचा। रास्ते में बैंजी गांव के पास उसने सिया को अकेला देखा और उस पर दराट से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से भागते हुए मंदिर और नाले के रास्ते नघला नाला तक पहुंचा, जहां ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया।

जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग

साजिश रचने वाले पाकिस्तानी संगठन के सात आरोपियों को 7 साल की सजा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने 2023 के बेंगलुरु जेल कट्टरपंथीकरण (लश्कर-ए-तैयबा) मामले में मुख्य साजिशकर्ता और पाकिस्तानी आतंकी संगठन के सदस्य टी नसीर समेत कुल सात आरोपियों को सजा सुनाई है। सात साल के कठोर कारावास के अलावा आरोपियों पर 48000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इन आरोपियों ने जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग आदि की साजिश रची थी।

नसीर के अलावा, अदालत ने आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज़, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को आईपीसी, यूए (पी) एक्ट, आर्म्स एक्ट और एक्सप्लोसिव सब्सटेंसेस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। उक्त सभी आरोपियों ने एनआईए द्वारा दायर मामले आरसी-28/2023/एनआईए/डीएलआई में लगाए गए आरोपों को स्वीकार कर लिया था। यह मामला टी नसीर द्वारा बेंगलुरु के परप्पन्ना अग्रहारा केंद्रीय जेल के अंदर रची गई लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी आतंकी साजिश से संबंधित है। इस साजिश में जेल में बंद भोले-भाले युवाओं की पहचान, भर्ती, प्रशिक्षण, धर्मांतरण और कट्टरपंथीकरण शामिल था, ताकि उन्हें भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके।

यह मामला शुरू में जुलाई 2023 में बेंगलुरु केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा आदतन अपराधियों से हथियार, गोला-बारूद और डिजिटल उपकरण जब्त किए जाने के बाद दर्ज किया गया था। अपराधियों ने प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के हिंसक भारत-विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेंगलुरु शहर में आतंकी हमले करने की योजना बनाई थी।

एआई युद्ध के लिए तैयार भारत : रक्षा कौशल को धार देगा 'सर्वम',अमेरिका और चीन से होगा मुकाबला

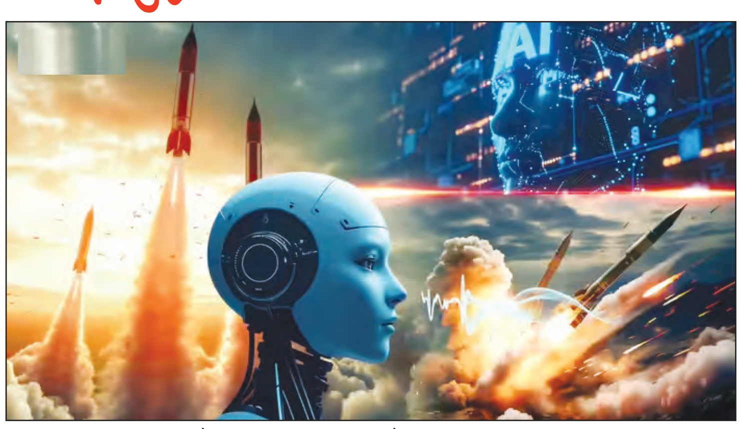

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सशस्त्र सेनाओं के लिए मॉडर्न वॉरफेयर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भरपूर इस्तेमाल के विचार ने नई रफ्तार पकड़ ली है। इसकी अगुवाई सर्वम और अन्य स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब कर रह हैं, जिनकी रक्षा मंत्रालय के साथ गहन बातचीत जारी है। हमारे सहयोगी अंग्रेजी अखबार ईटी को इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों से पता चला है कि सर्वम और अन्य स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब इसको लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर 300 करोड़ रुपये की लागत से एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)स्थापित करने पर चर्चा कर रहे हैं। यहां पर रक्षा उपकरणों और हथियारों के लिए भारत की जरूरत के हिसाब से स्वदेशी एआई क्षमताएं विकसित की जाएंगी।

'टेक्नोलॉजी निर्यात में जियोपॉलिटिकल फायदा'

भारतीय सेना के उत्तरी कमांड के पूर्व कमांडर इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दीपेंद्र सिंह हुड्डा (रिटायर्ड) ने कहा कि 'टेक्नोलॉजी का निर्यात में अब आर्थिक नहीं, बल्कि जियोपॉलिटिकल फायदा है।' सर्वम ने भारत में स्वदेशी एआई का आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसकी स्थापना प्रत्युष कुमार और विवेक राघवन जैसे शोधकर्ताओं ने की है।

अमेरिका के एआई मॉडल ने ही खामेनेई को किया ढेर

अमेरिका ने ईरान में हमले के लिए (एआई के) एंथ्रोपिक के क्लाउड मॉडल का इस्तेमाल किया, जिसमें ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और 48 अन्य लोग मारे गए थे।

एआई के सुपरपावर हैं अमेरिका और चीन

आज की तारीख में पूरी दुनिया में अमेरिका और चीन एआई के सुपरपावर हैं। इन दोनों ही महाशक्तियों ने चिप से लेकर लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएमएस) तक में काफी हद तक आत्मनिर्भरता हासिल कर रखी है। एक्सपर्ट का कहना है कि जियोपॉलिटिकल संघर्ष के दौरान विश्व के अन्य देशों के लिए यह बहुत ही बड़ी चिंताजनक स्थिति है।

सबको पीछे छोड़ने की रेस में लगे हैं जिनपिंग

चीन की स्थिति तो ये है कि उसने अपनी मिलिट्री को दुनिया की सबसे अत्याधुनिक बनाने के लिए 2049 की टाइमलाइन तय कर दी है। इसके लिए वहां एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और एयरस्पेस से जुड़े टेक्नोलॉजी पर बहुत बड़े पैमाने पर काम चल रहा है और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस मुहिम पर खुद ही नजर रख रहे हैं।

रक्षा रणनीति में एआई बन रहा महत्वपूर्ण हिस्सा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को युद्ध का हिस्सा बनाने की इतनी गंभीर तैयारी भारत की सामरिक रणनीति में बहुत बड़े बदलाव का हिस्सा है। रणनीति ये है कि अब जितने भी विदेशी एआई मॉडल हैं, उनपर से निर्भरता पूरी तरह से खत्म करके धीरे-धीरे पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता अपना ली जाए।

संवेदनशील मिलिट्री ऑपरेशन के क्षेत्र में यह सबसे पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। दुनिया देख रही है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने किस तरह से अपनी बढ़ती अहमियत का झंडा बुलंद कर रखा है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत इंटेलिजेंस यूनिट बनेंगे

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अधीन कई इंटेलिजेंस यूनिट बनाए जाने की योजना है। यहां भारतीय जरूरतों, जैसे कि भौगोलिक और पर्यावरण के हिसाब से एआई सिस्टम विकसित किए जाएंगे। उन्हीं अधिकारियों ने बताया कि ये स्वदेशी एआई मॉडल भारतीय सशस्त्र सेनाओं की निगरानी, टोही और निर्णय लेने वाली क्षमताओं को बढ़ाने का काम करेंगे। हालांकि, सर्वम की पेरेंट कंपनी एक्सोन्वाइज प्राइवेट लिमिटेड और रक्षा मंत्रालय ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एआई टेक्नोलॉजी में अगुवा राष्ट्र जियोपॉलिटिकल एडवांटेज के लिए इसका इस्तेमाल बढ़ाएंगे।

ईरान-अमेरिका युद्धः पाकिस्तान की 'दलाली' का दांव फेल?

असीम मुनीर पर भड़का तेहरान

इस्लामाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता कराने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर को बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। इस बीच ईरानी नेतृत्व और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही पाकिस्तान खासकर असीम मुनीर को धन्यवाद दे रहे हैं। हालांकि हकीकत यह है कि असीम मुनीर को लेकर ईरान के अंदर अविश्वास बढ़ता जा रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान को पाकिस्तान पर ऐतिहासिक रूप से भरोसा नहीं रहा है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि असीम मुनीर को लेकर अब ईरान में बहस तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और ईरान के बीच अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

ईरान के रहने वाले अमेरिकी एक्सपर्ट अलेक्स वटांका ने एक

इंटरव्यू में कहा कि ईरान का पाकिस्तान के साथ सबसे कम विवाद रहा है लेकिन मैं इसे दोस्ती नहीं करार दूंगा। पाकिस्तान और ईरान के बीच में 1970 के दशक से बहुत गहरे मतभेद रहे हैं। उस समय तत्कालीन राजा भारत की ओर मुड़ गए थे। उन्होंने कहा कि अगर आज ईरानी सूत्रों से बात करें तो वे इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि पाकिस्तान इतना क्यों उतावला हो रहा है। क्या पाकिस्तानी अमेरिका की ओर से काम कर रहे हैं? वे इतना दबाव क्यों डाल रहे हैं और पाकिस्तानी इस्लामाबाद आने के लिए क्यों लगातार कह रहे हैं।

पाकिस्तान खुद को अमेरिका और ईरान के बीच में मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है लेकिन अब यह उसकी भूमिका भारी पड़ रही है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि ईरानी नेतृत्व पाकिस्तान के बैक चैनल डिप्लोमेसी के हैंडलिंग से बहुत ज्यादा नाखुश है। पाकिस्तान ने कथित रूप से ईरान को यह भरोसा दिया था कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ सबकुछ मैनेज कर लेगा और शांति डील को ईरान के पक्ष में कराया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि असीम मुनीर के हालिया तेहरान दौरे पर उन्हें ईरानी पक्ष ने कई डिमांड की एक लिस्ट सौंपी। इन डिमांड को कभी भी अमेरिका को नहीं बताया गया था। पाकिस्तान को यह अमेरिका को न बताना भी ईरान को काफी नागवार गुजरा है। इससे दोनों के बीच भरोसा कम हो गया है। ईरान इस बात से भी बहुत खफा है कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार सार्वजनिक रूप से ईरान की आलोचना कर रहे हैं। ईरानियों का मानना है कि यह पाकिस्तान के आश्वासन देने की वजह से है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ बातचीत में ईरान के रणनीतिक महत्व को भी कम करके दिखाया, इससे भी तेहरान नाराज है।

अमेरिकी इंटेलिजेंस के 2 अधिकारियों की सड़क हादसे में मौत

मेक्सिको, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मेक्सिको में एक ड्रग कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई कर लौट रही अमेरिकी अधिकारियों की टीम की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में दो अमेरिकी अधिकारियों और दो मैक्सिकन जांचकर्ताओं की मौत हो गई।

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, मारे गए अमेरिकी अधिकारी अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी सीआईए से जुड़े थे। हालांकि, पहले अमेरिकी दूतावास ने उन्हें सिर्फ एंबेसी स्टाफ बताया था।

इस ऑपरेशन में अमेरिका की भूमिका को लेकर अमेरिका और मेक्सिको के बयानों में फर्क सामने आया है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम ने संयुक्त ऑपरेशन की बात से इनकार किया, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने पहले इसे साझा कार्रवाई बताया था।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी पर रूसी टीवी एंकर ने दिया विवादित बयान

विदेश मंत्रालय ने राजदूत को किया तलब

रोम, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ रूस के एक एंकर ने विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया है। इसके बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने जानकारी दी है कि इटली ने रोम में रूस के राजदूत को तलब किया है। इटली की मीडिया के मुताबिक टीवी एंकर व्लादिमीर सोलोविओव ने रूसी टेलीविजन पर इटैलियन भाषा में कहा कि 'मेलोनी इंसानियत के लिए शर्म की बात, जंगली जानवर, सर्टिफाइड बेवकूफ और एक गंदी छोटी औरत हैं।'

एंकर ने रूसी भाषा में कहा कि मेलोनी एक फासीवादी है जिसने अपने वोटरों को धोखा दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी धोखा दिया। तजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

पोस्ट किया कि उन्होंने रूसी राजदूत एलेक्सी पैरामोनोव को विदेश मंत्रालय में बुलाया था ताकि टीवी होस्ट व्लादिमीर सोलोविओव की तरफ से रूसी टेलीविजन पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ की गई बहुत गंभीर और आपत्तिजनक टिप्पणियों का औपचारिक रूप से विरोध किया जा सके।

इटली में विपक्षी पार्टियों ने भी रूसी टीवी एंकर की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। हालांकि इस मामले में पीएम मेलोनी ने भी एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की और कहा 'ये मजाक हमें अपना रास्ता बदलने पर मजबूर नहीं करेंगे। हमारा रास्ता सिर्फ एक ही है- इटली का हित। और हम गर्व के साथ इसका पालन करते रहेंगे जिससे दूर-दूर तक के प्रोपेगैंडा करने वाले नाराज हो जाएंगे।' दरअसल पीएम मेलोनी यूक्रेन के समर्थन में रही हैं। इसकी वजह से रोम और मॉस्को के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। वहीं हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की पीएम के बीच तनाव देखने को मिला। ट्रंप ने पोप लियो XIV को लेकर अपशब्द कहे जिसके बाद पीएम मेलोनी पोप लियो के समर्थन में आई। अमेरिकी राष्ट्रपति को ये बात अच्छी नहीं लगी। मेलोनी ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए कहा कि कैथोलिक चर्च के प्रमुख का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अफ्रीकी देशों पर चीन की धौंस ताइवान के राष्ट्रपति को टालना पड़ा दौरा

तीन देशों पर अनुमति न देने का दबाव?

बीजिंग, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का इस सप्ताह प्रस्तावित अफ्रीका दौरा अचानक स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने दावा किया है कि चीन के दबाव के चलते तीन देशों ने उनके विमान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति वापस ले ली।

राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल के बीच इस्वातिनी की यात्रा करनी थी। यह देश अफ्रीका में ताइवान का अंतिम कूटनीतिक सहयोगी माना जाता है। राष्ट्रपति के सचिव पैन मेंग-एन ने बताया कि सेशेल्स, मॉरीशस और मेडागास्कर ने बिना किसी पूर्व सूचना के फ्लाइट परमिट रद्द कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया 'यह फैसला चीन के अधिकारियों के भारी दबाव और आर्थिक प्रभाव के कारण लिया गया है।'

उन्होंने आगे कहा कि चीन का कथित दबाव अन्य देशों के आंतरिक मामलों में खुला हस्तक्षेप है, यह क्षेत्रीय यथास्थिति को बाधित करता है और ताइवानी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वह इन कार्रवाइयों के लिए उच्च प्रशंसा व्यक्त करना चाहता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित देशों का एक-चीन सिद्धांत का पालन अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह से अनुपालन है, जो ताइवान पर बीजिंग के दावों के संदर्भ में है। मॉरीशस, सेशेल्स और मेडागास्कर सरकारों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

पिछले कुछ वर्षों में बीजिंग ने ताइवान के राजनयिक सहयोगियों की संख्या कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके लिए वह अक्सर कम विकसित देशों में बुनियादी ढांचा और अन्य परियोजनाओं में निवेश करता है। वर्तमान में ताइवान के केवल 12 देशों के साथ ही औपचारिक संबंध बचे हैं, जिनमें अधिकतर लैटिन अमेरिका, कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र के छोटे देश शामिल हैं।

सुदन गुरुंग को 26 दिनों में ही नेपाल के गृहमंत्री पद से देना पड़ा इस्तीफा

बालेन शाह के लिए कितना बड़ा झटका

काठमांडू, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में पिछले साल हुए हुए जेन-जेड आंदोलन के एक नेता सुदन गुरुंग ने चंद दिनों पहले ही गृह मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोरखा निर्वाचन क्षेत्र संख्या-1 से चुनाव में जीत हासिल की थी। लेकिन, लगातार विवादों में घिरने के बाद, उन्हें 26 दिनों के भीतर ही इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। बुधवार को सुदन गुरुंग ने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री बालेन शाह को सौंप दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि सुदन गुरुंग को आखिर किस वजह से गृह मंत्री जैसे शक्तिशाली पद से इतनी जल्दी इस्तीफा देने पड़ा है।

सुदन गुरुंग नेपाल के इतने बड़े नेता कैसे बने

सुदन गुरुंग एक गैर राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनकी राजनीति में पहचान पिछले साल हुए जेन-जेड आंदोलन के दौरान मिली। जब नेपाल में पिछले साल जेन-जेड आंदोलन परवान चढ़ा, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी

शर्मा ओली ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद हामी नेपाल नाम के एक संगठन ने युवाओं को संगठित करना शुरू कर दिया। सुदन गुरुंग इसी हामी नेपाल संगठन के नेता हैं। आक्रामक तरीके से भाषण देने की शैली के कारण सुदन गुरुंग युवाओं में जल्द लोकप्रिय हो गए। हालांकि, वो खुद को एक एक्टिविस्ट बताते हैं। उनके एनजीओ का रजिस्ट्रेशन 2020 में हुआ है। गुरुंग का संगठन नेपाल में प्राकृतिक आपदाओं के समय लोगों की मदद करने का दावा भी करता है।

गृह मंत्री बनने के अगले ही दिन गुरुंग ने गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले आयोग की सिफारिशों के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। देश के बड़े नेताओं की इतनी जल्दीबाजी में गिरफ्तारी का आदेश विवादों और चर्चाओं के केंद्र में रहा। इसके बाद पूर्व मंत्री दीपक खड़का, व्यवसायी दीपक भट्ट और शंकर ग्रुप के अध्यक्ष शंकर लाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। इन हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों के बाद, गुरुंग ने सोशल मीडिया पर संख्याओं का उल्लेख करते हुए एक 'काउंटडाउन' शुरू किया। हालांकि, जिन आरोपियों को उन्होंने गिरफ्तार किया था, उनमें से केवल व्यवसायी सुलभ अग्रवाल और दीपक भट्ट ही वर्तमान में हिरासत में हैं।

ओली और लेखक की गिरफ्तारी के बाद, सुदन गुरुंग ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जेन-जेड आंदोलन के शहीदों के शवों की एक तस्वीर पोस्ट की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'वादा, वादा होता हैः कानून से ऊपर कोई नहीं है, हमने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और निवर्तमान गृह मंत्री रमेश लेखक को हिरासत में ले लिया है। यह किसी से बदला नहीं है, बल्कि न्याय की बस शुरुआत है। मुझे विश्वास है कि अब देश एक नई दिशा लेगा।' जब अदालत ने केपी शर्मा ओली, रमेश लेखक, लुम्बिनी प्रांतीय सभा की सदस्य रेखा कुमारी शर्मा और दीपक खड़का को रिहा करने का आदेश दिया, तब भी सुदन गुरुंग ने बतौर गृहमंत्री कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने उसी दिन शाम को पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि न्यायाधीश मंत्रियों से अधिक शक्तिशाली हैं।

तीन मंजिला इमारत से प्रेमी जोड़े ने लगाई छलांग

युवक की मौत, युवती गंभीर

बिलासपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार देर रात ईडब्ल्यूएस की तीन मंजिला इमारत से एक युवक और युवती ने छलांग लगा दी। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों के बीच करीब 3 साल से अफेयर था। घटना वाली रात दोनों ईडब्ल्यूएस कॉलोनी की तीन मंजिला बिल्डिंग की छत पर थे। छत पर शराब की बोतल, गिलास, कपड़े, कंबल और बेडशीट भी मिले हैं, जिससे लगता है कि दोनों ने वहां शराब पी थी।

पुलिस ने आशंका जताई है कि शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और दोनों छत से कूद गए। छत का दरवाजा अंदर से बंद था, इसलिए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। युवती का इलाज अस्पताल में चल रहा है। यह मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के बस स्टैंड ईडब्ल्यूएस कॉलोनी का है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात अभिलाषा परिसर में ईडब्ल्यूएस कॉलोनी के ब्लॉक नंबर 34 की तीन मंजिला इमारत से एक युवक और युवती कूद गए। बिल्डिंग से कूदकर नीचे गिरते ही युवक-युवती बुरी तरह से घायल हो गए। युवक दर्द से कराहते हुए चिल्लाने लगा। वहीं, युवती भी रोने लगी। कुछ ही देर में दोनों की आवाज बंद हो गई। इस बीच आवाज सुनकर लोग बाहर निकले तब दोनों खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, युवती बुरी तरह से घायल होकर बेहोश पड़ी थी। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की तो युवक की पहचान चिरंजीव पांडे उर्फ चिंटू पांडे (23 वर्ष), निवासी यदुनंदन नगर तिफरा के रूप में हुई है।

अमेरिकी अगर युद्ध चाहते हैं, तो हम तैयार

ईरान ने बातचीत के लिए रखी शर्त डोनाल्ड ट्रंप को दिया अल्टीमेटम

तेहरान, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि वह इस्लामाबाद में शांति वार्ता के लिए तभी तैयार होगा, जब अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म कर दे। ईरान इसे सीजफायर उल्लंघन और एक्ट ऑफ वार करार दिया है। हालांकि, इस बीच ईरानी प्रतिनिधिमंडल के पाकिस्तान न पहुंचने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर को एकतरफा तरीके से बढ़ा दिया है। यह घोषणा तब की गई है, जब आठ अप्रैल को घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम कुछ ही घंटों में समाप्त होने वाला था। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा भी प्रभावी रूप से टल गई, जहां ईरानी प्रतिनिधियों के साथ शांति वार्ता प्रस्तावित थी।

ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिका के साथ होने वाली दूसरे चरण की

शांति वार्ता में शामिल होने के लिए एक शर्त रखी है। संयुक्त राष्ट्र (UN) में ईरान के दूत अमीर सईद इरावानी ने कहा है कि बातचीत पाकिस्तान की राजधानी में तभी होगी, जब अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी खत्म कर देगा। उनकी यह बयान तब आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस उम्मीद के साथ सीजफायर बढ़ाया है कि तेहरान इस संघर्ष को हमेशा के लिए खत्म करने का प्रस्ताव देगा।

ईरानी दूत ने कहा कि अमेरिका को सीजफायर के उल्लंघन तुरंत रोकना चाहिए। 10 दिन का यह सीज़फ़ायर 22 अप्रैल को खत्म होने वाला था। ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी युद्ध की कार्रवाई है और युद्धविराम का उल्लंघन है। किसी वाणिज्यिक जहाज पर हमला करना और उसके चालक दल को बंधक बनाना इससे भी बड़ा उल्लंघन है। ईरान जानता है कि प्रतिबंधों को कैसे निष्प्रभावी करना है, अपने हितों की रक्षा कैसे करनी है और दबाव व धमकी का मुकाबला कैसे करना है।

इरावानी ने कहा, जैसे ही अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करेगा, मुझे लगता है कि बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा।

बातचीत के किसी भी नए दौर से पहले अमेरिका को 'सीजफायर के उल्लंघन' को रोकना होगा। हमने सैन्य आक्रामकता की शुरुआत नहीं की है। अगर वे राजनीतिक समाधान चाहते हैं, तो हम तैयार हैं।

जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने 20 हजार फ्लाइट्स रद्द कीं

ईरान जंग से ईंधन महंगा, यूरोप में सिर्फ 6 हफ्ते का जेट फ्यूल बाकी

जर्मनी, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी की एयरलाइन लुफ्थांसा ने मई से अक्टूबर तक 20 हजार शॉर्ट-हॉल फ्लाइट्स रद्द करने का फैसला लिया है। ईरान जंग के कारण यूरोप में जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। कंपनी के मुताबिक इससे करीब 40 हजार टन जेट फ्यूल की बचत होगी।

कंपनी ने सोमवार से रोजाना करीब 120 उड़ानें घटाई हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहने से तेल सप्लाई प्रभावित हुई और यूरोप में जेट फ्यूल सप्लाई की चिंता बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने चेतावनी दी है कि यूरोप के पास केवल 6 हफ्तों का जेट फ्यूल बचा है।

नेटवर्क में बड़े बदलाव, घाटे वाले रूट बंद

लुफ्थांसा ने मंगलवार को कहा

कि वह अपने छोटे रूट के नेटवर्क में बदलाव करके गर्मियों का फ्लाइट शेड्यूल स्थिर रखेगी। कंपनी अप्रैल के आखिर या मई की शुरुआत में पूरी योजना जारी करेगी।

कंपनी ने अपने नेटवर्क में बड़े बदलाव किए हैं। फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख से घाटे वाले रूट बंद किए जा रहे हैं, जबकि ज्यूरिख, ब्रसेल्स और वियना से उड़ानें बढ़ाई जाएंगी। इससे यात्रियों को लंबी दूरी की उड़ानों से बेहतर कनेक्शन मिलेगा।

गर्मियों के अंत तक लंबी दूरी की उड़ानों की क्षमता थोड़ी कम की जाएगी। 6 बड़े विमान हटाए जाएंगे, 2 बोइंग 747 सर्दियों में नहीं उड़ेंगे और 4 एयरबस ए340-600 विमान अक्टूबर में हमेशा के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

खर्च कम करने के लिए कंपनी अपने सिटीलाइन बेड़े के 27 विमान भी बंद कर रही है। इसके पीछे महंगा ईंधन और कर्मचारियों से जुड़े विवाद मुख्य वजह बताए गए हैं।

यूरोप में जेट फ्यूल की किल्लत

ईरान जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट पर शुरुआत से तनाव बना हुआ है। इससे ईंधन और गैस सप्लाई प्रभावित हुआ है। हालांकि, यूरोप के ट्रांसपोर्ट मंत्री जेट फ्यूल की कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ (ईयू) वैकल्पिक अमेरिकी जेट फ्यूल और बाहर से ज्यादा फ्यूल भरने की अनुमति जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है।

यूरोप की रयानएयर एयरलाइन के प्रमुख माइकल ओ लेरी ने चेतावनी दी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद रहा तो मई से सप्लाई बाधित हो सकती है।

दनुआ घाटी में कार 30 फीट गहरी खाई में गिरी

चालक की मौत, दो लोग गंभीर रूप से घायल, कार बरही से गया की ओर जा रही थी

हजारीबाग, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क दुर्घटना हुई। एनएच-2 (जी टी रोड) पर स्थित दनुआ घाटी में एक अनियंत्रित कार लगभग 30 फीट गहरी खाई में गिर गई।

इस हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार दो अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह कार बरही से गया (बिहार) की ओर जा रही थी। दनुआ घाटी के ढलान और मोड़ पर पहुंचते ही चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और चौपारण थाना को सूचित किया। थाना प्रभारी सरोज सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की सहायता से खाई में फंसे घायलों को बाहर निकाला। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) चौपारण पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद, दो घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बरही अस्पताल रेफर करने की तैयारी की जा रही है।

2008 के बाद जन्मे लोग तंबाकू नहीं खरीद पाएंगे

जनरेशन बैन कानून दोनों सदनों में पास, 1 जनवरी 2027 से लागू

लंदन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने धूम्रपान को रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है। अब वहां नई पीढ़ी के लोगों के लिए सिगरेट खरीदना हमेशा के लिए बंद करने की तैयारी हो गई है।

सरकार ने 'टोबैको एंड वेप्स बिल' पास कर दिया है। इसके तहत 2008 के बाद पैदा हुए लोग जिंदगी भर तंबाकू से जुड़ी चीजें नहीं खरीद पाएंगे।

संसद से बिल पास हो चुका है और अब सिर्फ किंग चार्ल्स III की औपचारिक मंजूरी बाकी है, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। यह पूरे ब्रिटेन यानी इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में लागू होगा।

सरकार ने यह बिल 2024 में पेश किया था और इसे अपनी बड़ी प्राथमिकताओं में रखा था। नए नियम के अनुसार, 1 जनवरी 2027 से यह कानून लागू होगा।

उम्र के हिसाब से लागू होगा कानून

1 जनवरी 2027 से तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र हर साल 1 साल बढ़ती जाएगी।

यानी अगर 2027 में उम्र सीमा 18 साल है, तो 2028 में 19 साल, 2029 में 20 साल हो जाएगी। जो लोग 2009 या उसके बाद पैदा हुए हैं, वे कभी भी कानूनी तौर पर सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। दुकानदारों को हर ग्राहक की उम्र चेक करना जरूरी होगा। कम उम्र वाले को सिगरेट बेचने पर जुर्माना

लगेगा। तंबाकू बेचने वालों को रजिस्ट्रेशन करना होगा। वहीं विज्ञापन और प्रमोशन पर सख्त रोक रहेगी। वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी सख्ती की गई है। स्कूल, अस्पताल और बच्चों के खेलने की जगहों पर स्मोकिंग पूरी तरह बंद होगी। कई इनडोर जगहों पर वेपिंग भी नहीं कर सकेंगे। अगर कोई 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति के साथ कार में वेपिंग करता है, तो वह भी गैरकानूनी होगा। ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी वेस स्ट्रीटिंग ने कहा है कि यह पीढ़ी लत और नुकसान से बची हुई पहली स्मोक-फ्री जनरेशन होगी। उनका कहना है कि इलाज करने से बेहतर है पहले ही बीमारी को रोक दिया जाए। सरकार का कहना है कि इससे आने वाले समय में स्मोक-फ्री जनरेशन तैयार होगी और धूम्रपान से होने वाली बीमारियां और मौतें कम होंगी। हालांकि कुछ लोग और कारोबारी इसे बहुत सख्त बता रहे हैं और कह रहे हैं कि लोगों को जागरूक करना ज्यादा जरूरी है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर फिर अत्याचार बढ़ा

इस्लामाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक नाबालिग हिंदू लड़की के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और शादी का मामला सामने आया है। अल्पसंख्यक अधिकार संगठन वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी ने इस मामले की निंदा की है। संगठन ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि हिंदू लड़कियों के साथ लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। इनको रोरा जाना चाहिए। संगठन के मुताबिक, 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली पूजा का कथित तौर पर अपहरण कर उसे जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। उसका नाम बदलकर दुआ फातिमा रखा गया और उसकी शादी इमरान अली से करा दी गई। संगठन ने इसे 'क्रूरता' बताते हुए कहा कि इससे लड़की की पहचान छीन ली गई और उसे ऐसी जिंदगी जीने के लिए मजबूर किया गया, जिसे उसने कभी नहीं चुना।

रिपोर्ट के अनुसार, परिवार की पीड़ा विभिन्न अल्पसंख्यक संगठनों के बीच साझा की गई है। इससे सिंध में हिंदू लड़कियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी ने कहा कि पाकिस्तान में जबरन धर्म परिवर्तन की घटनाएं कोई अलग-थलग मामला नहीं हैं। खासकर सिंध में यह एक गंभीर और लगातार बनी रहने वाली समस्या है, जहां हिंदू परिवार अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर हमेशा भय में जीते हैं।

हैदराबाद का अनदेखा आध्यात्मिक खजाना! 400 साल पुराने शिव मंदिर की अनोखी बनावट का राज

हैराबाद गचीबोवली में रोड नंबर 1 पर 1662 में बना प्राचीन शिवालयम, रथनुमा ढांचा, समुद्र मंथन की नक्काशी, विशाल मूर्तियां और गौशाला के साथ शांति का बड़ा केंद्र. इस मंदिर का इतिहास बेहद पुराना और गौरवशाली है. मंदिर की दीवारों पर दर्ज जानकारी के अनुसार इसका निर्माण सन 1662 में हुआ था. यानी जब हैदराबाद के कई आधुनिक इलाके अस्तित्व में भी नहीं थे तब से यह मंदिर यहाँ अपनी आध्यात्मिक आभा बिखेर रहा है।

हैदराबाद का गचीबोवली इलाका अपनी गगनचुंबी इमारतों और भागती-दौड़ती कॉरपोरेट लाइफ के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन इसी शोर-शराबे के बीच एक ऐसी जगह छिपी है जो आपको सदियों पीछे ले जाती है। रोड नंबर 1 की गलियों में स्थित यह प्राचीन शिवालयम किसी हिडन जेम से कम नहीं है। स्थानीय लोगों और आईटी प्रोफेशनल्स के लिए यह मंदिर मानसिक शांति का एक बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।

इस मंदिर का इतिहास बेहद पुराना और गौरवशाली है। मंदिर की दीवारों पर दर्ज जानकारी के अनुसार इसका निर्माण सन 1662 में हुआ था। यानी जब हैदराबाद के कई आधुनिक इलाके अस्तित्व में भी नहीं थे तब से यह मंदिर यहाँ अपनी आध्यात्मिक आभा बिखेर रहा है। 400 साल पुराना होने के बावजूद इसकी बनावट आज भी मजबूती से खड़ी है जो प्राचीन भारतीय इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करती है।

मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसका रथनुमा ढांचा है। मंदिर का एक मुख्य हिस्सा इस तरह डिजाइन किया गया है जैसे कोई विशाल पत्थर का रथ खड़ा हो। प्राचीन काल में रथ के आकार के मंदिर बहुत कम बनाए जाते थे जो इस मंदिर को विशेष श्रेणी में खड़ा करता है। इस रथ को बारीक नक्काशी और कलाकृतियों से सजाया गया है जिसे देखकर भक्त मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

रथ की दीवारों पर पौराणिक कथाओं को बहुत ही सजीव तरीके से उकेरा गया है। इसके एक ओर यानी समुद्र मंथन का पूरा दृश्य पत्थरों पर तराशा गया है। इसमें देवताओं और असुरों द्वारा वासुकी नाग की मदद से समुद्र को मथते हुए दिखाया गया है। साथ ही बीच में भगवान शिव द्वारा संसार की रक्षा के लिए विष पीने के दृश्य को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है।

मंदिर के भीतर कदम रखते ही भक्त यहाँ की विशाल मूर्तियों को देखकर दंग रह जाते हैं। यहाँ स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाएं सामान्य से काफी बड़ी हैं जिनकी ऊंचाई 12 से 15 फीट तक है। गर्भगृह में भगवान राम की प्रतिमा के साथ-साथ भगवान गणेश और हनुमान जी के भव्य विग्रह मौजूद हैं। मंदिर के चारों ओर मुक्कोटी करोड़ों।देवताओं की उपस्थिति का अनुभव होता है।

मुख्य शिवालय के ठीक बगल में कालिका माता का एक अत्यंत प्रभावशाली और बड़ा विग्रह स्थापित है। इस मंदिर की एक और खास बात यहाँ की परंपरा है। कई बड़े मंदिरों में भक्तों को गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं होती लेकिन यहाँ श्रद्धालु स्वयं अपने हाथों से शिवलिंग और कालिका माता का अभिषेक कर सकते हैं। विशेष पूजा के दौरान यह अनुभव भक्तों को भगवान से सीधा जोड़ता है।

मंदिर परिसर में केवल मूर्तियां ही नहीं बल्कि एक छोटी और सुंदर गौशाला भी बनाई गई है। गचीबोवली जैसे कंक्रीट के जंगल में गायों की सेवा और उनकी मौजूदगी यहाँ आने वालों को ग्रामीण भारत की शुद्धता का एहसास कराती है। मंदिर के चारों ओर का वातावरण इतना शांत है कि यहाँ बैठकर आप शहर के शोर को पूरी तरह भूल जाते हैं।

यदि आप इस मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं, तो यह गचीबोवली से कोंडापुर जाने वाले मार्ग पर रोड नंबर 1 के पास स्थित है। एएमबी मॉल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी इसके पास के प्रमुख लैंडमार्क हैं। चूंकि मंदिर तक जाने वाली गलियां थोड़ी संकरी हैं इसलिए दोपहिया वाहन से जाना सबसे अच्छा विकल्प है। वर्तमान में मंदिर के विस्तार का काम भी चल रहा है जिससे इसकी भव्यता और बढ़ने वाली है।

कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं आप

तो वास्तु के ये गुप्त उपाय रातों-रात बदल सकते हैं आपकी किस्मत

घर में सब कुछ ठीक चल रहा हो और अचानक खर्चे बढ़ने लगें, बचत खत्म हो जाए और कर्ज लेने की नौबत आ जाए-ऐसी स्थिति आजकल बहुत लोगों के साथ हो रही है। कई बार मेहनत और कमाई के बावजूद पैसा टिकता नहीं, तो लोग समझ नहीं पाते कि आखिर गलती कहां हो रही है। ऐसे में वास्तु शास्त्र की बातें फिर से चर्चा में आ जाती हैं। मान्यता है कि घर की दिशा, सामान की जगह और छोटी-छोटी गलतियां भी आर्थिक स्थिति पर असर डालती हैं।

घर के मुख्य द्वार से शुरू होती है बात

घर का मुख्य दरवाजा सिर्फ एंट्री पॉइंट नहीं होता, बल्कि यही से पॉजिटिव या नेगेटिव एनर्जी अंदर आती है। माना जाता है कि अगर मुख्य द्वार दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो, तो आर्थिक परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि हर घर में बदलाव संभव नहीं होता, लेकिन आप एक काम जरूर कर सकते हैं- दरवाजे के सामने कोई रुकावट न रखें।

छोटी चीजें बड़ा असर डालती हैं

जैसे कई घरों में लोग दरवाजे के सामने जूते-चप्पल या कचरा रख देते हैं। यह आदत धीरे-धीरे नेगेटिव माहौल बनाती है। साफ-सफाई और खुलापन यहां बहुत जरूरी है।

उत्तर दिशा को रखें हल्का और खुला वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा को धन का स्थान माना जाता है। यही वजह है कि इस दिशा को हमेशा साफ और खुला रखना चाहिए, अगर यहां भारी फर्नीचर या कबाड़ रखा है, तो उसे हटाने की कोशिश करें।

रोजमर्रा की आदत बदलें

कई लोग घर के कोने में पुराना सामान जमा करते रहते हैं, लेकिन यही चीजें धीरे-धीरे आर्थिक रुकावट का कारण बन सकती हैं। हल्की रोशनी और खुली जगह यहां पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ाती है।

ईशान कोण में न करें ये गलती

घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को सबसे पवित्र माना जाता है, अगर यहां कूड़ेदान, बाथरूम या भारी सामान रखा है, तो यह आपकी तरक्की को रोक सकता है।

किचन की गलत प्लेसमेंट से बढ़ते हैं खर्च

अगर किचन इस दिशा में है, तो अक्सर देखा गया है कि घर के खर्चे अचानक बढ़ने लगते हैं। ऐसे में कम से कम इस जगह को साफ और व्यवस्थित रखना जरूरी है।

तिजोरी की सही दिशा क्या हो

धन रखने की जगह का भी वास्तु में खास महत्व है। दक्षिण-पश्चिम दिशा को स्थिरता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए तिजोरी या अलमारी यहां रखना बेहतर माना जाता है।

खुलने की दिशा भी मायने रखती है

तिजोरी का दरवाजा उत्तर दिशा की तरफ खुले, तो इसे शुभ माना जाता है। कई लोग इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही छोटी चीजें फर्क पैदा करती हैं।

हर दिन आपके घर आते हैं भगवान? ये संकेत बताते हैं उनकी दिव्य उपस्थिति

कभी आपने महसूस किया है कि बिना किसी खास वजह के घर का माहौल अचानक शांत और सुकून भरा हो जाता है? या फिर सुबह उठते ही मन हल्का और प्रसन्न लगता है, जैसे कोई अदृश्य ऊर्जा आपको छूकर गुज़री हो। ज्योतिष और शास्त्रों की मानें तो ये सिर्फ संयोग नहीं, बल्कि संकेत हो सकते हैं। कहा जाता है कि जब ग्रह-नक्षत्र अनुकूल होते हैं और व्यक्ति का मन साफ व श्रद्धा से भरा होता है, तब ईश्वर या दिव्य शक्तियां सूक्ष्म रूप में हमारे आसपास सक्रिय हो जाती हैं। वे सीधे सामने नहीं आते, बल्कि छोटे-छोटे संकेतों के जरिए अपनी मौजूदगी का एहसास कराते हैं। कई लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन जो समझ जाते हैं, उनके जीवन में बदलाव साफ दिखने लगता है।

ज्योतिष क्या कहता है इन संकेतों के बारे में

ज्योतिष शास्त्र में यह माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की कुंडली में गुरु, चंद्र और शुक्र मजबूत स्थिति में होते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। यही वह समय होता है जब व्यक्ति को दिव्य संकेत मिलने लगते हैं।

अचानक घर का माहौल बदल जाना

कई बार बिना किसी कारण घर में शांति और सुकून का अनुभव होने लगता है। जैसे सब कुछ स्थिर हो गया हो। ज्योतिष के अनुसार यह संकेत होता है कि आपके घर में सकारात्मक ग्रहों का प्रभाव बढ़ रहा है और दिव्य ऊर्जा सक्रिय है।

सुगंध का अनुभव

अगर आपको बिना किसी वजह के चंदन, फूल या अगरबत्ती जैसी खुशबू महसूस होती है, तो इसे हल्के में न लें। यह संकेत हो सकता है कि आपके आसपास कोई शुभ शक्ति मौजूद है। कई ज्योतिषी इसे गुरु ग्रह के प्रभाव से जोड़ते हैं, जो आध्यात्मिकता का कारक माना जाता है।

रोजमर्रा की घटनाओं में छिपे संकेत

हम अक्सर सोचते हैं कि चमत्कार कुछ बड़ा होता है, लेकिन सच्चाई यह है कि दिव्यता छोटे-छोटे अनुभवों में भी दिखती है।

पक्षियों और जानवरों का व्यवहार

अगर आपके घर के आसपास गाय, कुत्ते या पक्षी नियमित रूप से आने लगे हैं, तो यह भी एक संकेत माना जाता है। ज्योतिष में इन जीवों को शुभ ऊर्जा का वाहक माना गया है। उन्हें भोजन देना न सिर्फ पुण्य का काम है, बल्कि यह आपके घर की सकारात्मकता को भी बढ़ाता है।

सपनों में दिखने वाले संकेत

कई लोगों को सपनों में मंदिर, दीपक, फूल या देवी-देवता दिखाई देते हैं। ज्योतिष के अनुसार यह बहुत शुभ संकेत है। यह दर्शाता है कि आपका मन और आत्मा किसी उच्च ऊर्जा से जुड़ रहे हैं।

एक साधारण अनुभव, असाधारण बदलाव

भोपाल की एक महिला, जो रोज पूजा-पाठ करती थीं, उन्होंने कुछ ऐसा ही अनुभव किया। उन्हें अक्सर लगता था कि घर में कोई अदृश्य उपस्थिति है। पहले उन्होंने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन धीरे-धीरे उनके घर की समस्याएं कम होने लगीं। काम आसान होने लगे और मानसिक शांति बढ़ गई। बाद में उन्होंने इसे ईश्वर की कृपा मानकर अपने जीवन में और सकारात्मक बदलाव किए।

जब समस्याएं खुद-ब-खुद सुलझने लगें

ज्योतिष में इसे सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। अगर बिना ज्यादा प्रयास के आपके जीवन की परेशानियां कम होने लगें, तो समझिए कि आपके ग्रह अनुकूल हैं और दिव्य शक्तियों का संरक्षण आपको मिल रहा है। यह समय होता है आभार व्यक्त करने का।

इस दाल को माना जाता है मांसाहारी मंदिरों में इसके इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक

भारतीय खानपान में दालों का विशेष महत्व है। दालों में प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा होती है। शाकाहारी लोगों के लिए दालें प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स मानी जाती हैं। अधिकतर वेजिटेरियन लोग प्रोटीन की कमी दूर करने के लिए दालों का सहारा लेते हैं। कई दालों से मिठाइयां भी बनाई जाती हैं। हालांकि एक दाल ऐसी भी है, जिसे हिंदू धर्म में तामसिक या मांसाहारी समान माना जाता है। इसका नाम मसूर दाल है। आमतौर पर घरों में बनने वाली यह दाल पोषण से भरपूर है, लेकिन मंदिरों में इसके उपयोग पर पूरी तरह रोक है। धार्मिक मान्यताओं के कारण कई लोग इस दाल का सेवन नहीं करते हैं।

हिंदू धर्म में खाने को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बांटा गया है- सात्विक आहार, राजसिक आहार और तामसिक आहार। सात्विक भोजन को शुद्ध और मन को शांत रखने वाला माना जाता है, जबकि तामसिक भोजन को आलस्य और नकारात्मकता बढ़ाने वाला बताया गया है। कई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मसूर दाल तामसिक श्रेणी में आती है, इसलिए इसे पूजा-पाठ, व्रत या मंदिरों के भोग में शामिल नहीं किया जाता। विशेषकर वैष्णव समुदाय के कुछ लोग इस परंपरा का पालन करते हैं। भारत की भोजन परंपराएं विविध और गहरी मान्यताओं से जुड़ी हुई हैं। मसूर दाल को लेकर भी अलग-अलग समुदायों की अपनी मान्यताएं हैं। जहां एक ओर यह पोषण का बेहतरीन स्रोत है, वहीं दूसरी ओअमिर कुछ लोग इसे धार्मिक कारणों से नहीं खाते हैं।

पौराणिक कथाओं में भी इसके तामसिक माने जाने के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी है, जिसमें कामधेनु का उल्लेख मिलता है। कथा के अनुसार ऋषि जमदग्नि की दिव्य गाय कामधेनु को हैहय वंश के अत्यंत शक्तिशाली राजा सहस्त्रार्जुन जबरन ले जाना चाहते थे। उन्हें कार्तवीर्य अर्जुन के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने दत्तात्रेय से वरदान प्राप्त कर 1000 भुजाएं प्राप्त की थीं। जब सहस्त्रार्जुन कामधेनु को ले जा रहे थे, तब ऋषि जमदग्नि से साथ संघर्ष में कामधेनु घायल हो गई। इस दौरान जहां-जहां कामधेनु गाय का रक्त गिरा, वहां मसूर के पौधे उग आए। इस कथा के आधार पर कुछ लोग मानते हैं कि यह दाल रक्त से उत्पन्न होने के कारण शुद्ध नहीं है, इसलिए इसे मांसाहारी के समान माना जाता है।

तांत्रिक भी करते हैं मसूर दाल का इस्तेमाल

कुछ परंपराओं में यह भी माना जाता है कि मसूर दाल का उपयोग तांत्रिक अनुष्ठानों या विशेष पूजा में किया जाता है, जबकि सात्विक मंदिरों में इसे वर्जित रखा जाता है। बंगाल और कुछ अन्य क्षेत्रों में ब्राह्मण समुदाय इसे प्याज और लहसुन की तरह तामसिक मानते हैं और खास दिनों जैसे एकादशी या त्योहारों पर इसका सेवन नहीं करते। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से भी मसूर दाल को उष्ण प्रकृति का माना जाता है, यानी यह शरीर में गर्मी और उत्तेजना बढ़ा सकती है। आयुर्वेद के अनुसार साधना, ध्यान या आध्यात्मिक जीवन जीने वाले लोगों को ऐसे खाद्य पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी जाती है, जो मन को अस्थिर कर सकते हैं। यही कारण है कि कई संत और साधु इस दाल का सेवन नहीं करते।

युद्ध अगर हो तो केवल धर्म की रक्षा के लिए होना चाहिए

इस समय युद्ध के जो दृश्य चल रहे हैं, उसे देख कबीर की एक पंक्ति याद आती है- चींटी चावल ले चली बीच में मिल गई दाल, कहत कबीर दो न मिले एक ले दूजी डाल। एक चींटी चावल का दाना लेकर जा रही थी। रास्ते में दाल मिल गई तो सोचा दाल भी ले चलूं। पर चावल पहले से हो तो दाल कैसे रखेंगे? दोनों लेने के प्रयास में एक भी गया।

दो न मिले, एक ले- ऐसा संदेश कबीर देना चाहते हैं। आज हम इसको समझें। बिना सोचे-समझे, निज-हित की कामना से, अहंकार में डूबकर युद्ध आरम्भ हुआ। फिर उलझ गया। अब मध्यस्थ ढूंढ रहे हैं। फिर ऐसी स्थिति बन गई कि अंधे के कंधे पे लंगड़ा चढ़ गया।

युद्ध में योद्धा जो भी करें, पर मध्यस्थता की स्थिति आए तो उसका चयन तो ठीक करें। मध्यस्थता तो तीन ही लोगों ने की थी- हनुमान ने, अंगद ने और कृष्ण ने। सामने रावण था, दुर्योधन था। और इन तीनों ने एक बात समझाई- युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए। पर यदि युद्ध हो ही तो केवल धर्म की रक्षा के लिए होना चाहिए।

अचानक बिगड़ने लगे काम और बढ़ीं परेशानियां तो

हो सकता है बुरी नजर का असर, ऐसे करें बचाव

कभी-कभी सब कुछ ठीक चल रहा होता है, और अचानक से चीजें बिगड़ने लगती हैं। काम अटकने लगते हैं, घर में तनाव बढ़ जाता है और बिना वजह बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसे हालात में अक्सर लोग कहते हैं-शायद नजर लग गई है।

यह बात भले ही सुनने में साधारण लगे, लेकिन हमारे समाज में नजर दोष को लेकर काफी विश्वास और अनुभव जुड़े हुए हैं। खासकर जब मेहनत के बाद भी सफलता हाथ से निकल जाए, तो लोग इसका कारण बुरी नजर को मान लेते हैं। घर-परिवार की खुशहाली हर किसी के लिए सबसे अहम होती है।

मुख्य द्वार से शुरू होती है सुरक्षा

घर का मुख्य दरवाजा सिर्फ आने-जाने का रास्ता नहीं होता, बल्कि यही वो जगह है जहां से ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। इसलिए इसे साफ-सुथरा और सकारात्मक रखना जरूरी माना जाता है।

दरवाजे पर बनाएं शुभ चिह्न

मुख्य द्वार पर सिंदूर से स्वास्तिक या ओम का निशान बनाना काफी फायदेमंद माना जाता है। यह न सिर्फ धार्मिक रूप से शुभ होता है, बल्कि घर के माहौल को भी सकारात्मक बनाता है।

नींबू-मिर्च का पारंपरिक उपाय

हर मंगलवार और शनिवार को सात हरी मिर्च और एक नींबू को काले धागे में पिरोकर दरवाजे पर टांगना आज भी कई घरों में आम है। इसे हर हफ्ते बदलना चाहिए, ताकि इसका असर बना रहे।

फिटकरी का इस्तेमाल

करीब 50 ग्राम फिटकरी को काले कपड़े में बांधकर मुख्य गेट के बाहर लटकाने से भी नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। यह उपाय खासकर उन घरों में ज्यादा किया जाता है जहां बार-बार समस्याएं आ रही हों।

घर के अंदर रखें सकारात्मक माहौल

सिर्फ दरवाजा ही नहीं, बल्कि घर के अंदर का वातावरण भी उतना ही मायने रखता है। साफ-सफाई और नियमित देखभाल से भी काफी फर्क पड़ता है।

नमक वाला पोंछा

हफ्ते में दो बार पानी में सेंधा नमक मिलाकर पोंछा लगाने से घर की नकारात्मकता कम होती है। नमक को ऊर्जा को संतुलित करने वाला माना जाता है।

कपूर और लौंग का धुआं

सुबह-शाम कपूर में दो लौंग डालकर जलाएं और उसका धुआं पूरे घर में फैलाएं। इससे वातावरण हल्का और ताजा महसूस होता है।

गंगाजल का छिड़काव

घर में रोज गंगाजल छिड़कना भी एक पुराना और असरदार तरीका माना जाता है। खासकर जब घर में मेहमान आए हों या कोई भारीपन महसूस हो रहा हो।

बच्चों और परिवार की नजर कैसे उतारें

घर के छोटे बच्चों पर नजर जल्दी लगती है, ऐसा अक्सर बुजुर्ग कहते हैं। इसलिए उनके लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जाते हैं।

नमक से नजर उतारना

एक मुट्ठी नमक लेकर सिर से पैर तक सात बार उल्टी दिशा में घुमाएं और फिर उसे पानी में बहा दें। यह तरीका आज भी कई लोग अपनाते हैं।

लाल मिर्च का उपाय

सूखी लाल मिर्च को बच्चे के सिर के चारों तरफ घुमाकर आग में डाल दें। अगर जलने पर तेज गंध न आए, तो इसे नजर का संकेत माना जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 अप्रैल - 2026

दुनिया फिर युद्ध के मुहाने पर?

ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय संकट नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ने लगा है। रोज-रोज के घटनाक्रमों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि समय रहते संयम और कूटनीतिक प्रयास नहीं किए गए, तो यह टकराव वैश्विक अस्थिरता का कारण बन सकता है। ऐसे समय में शांति की पहल ही सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। उल्लेखनीय है कि मध्य-पूर्व लंबे समय से वैश्विक राजनीति का केंद्र रहा है। यहां की किसी भी हलचल का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तेल की कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अमेरिका और इज़राइल की ओर से ईरान पर बढ़ते दबाव और जवाबी प्रतिक्रियाओं ने क्षेत्रीय तनाव को और गंभीर बना दिया है। इस स्थिति में यदि हालात नियंत्रण से बाहर हुए, तो इसका असर कई देशों की अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति सबसे अधिक चिंता का विषय है, क्योंकि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से ही पूरा होता है। यदि संघर्ष बढ़ता है, तो तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ने की आशंका है। आम जनता पर इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों और आवश्यक वस्तुओं की लागत बढ़ने के रूप में दिखाई दे सकता है। दुनिया के कई देश इस संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। लेकिन केवल अपीलों से काम नहीं चलेगा। जरूरत है कि सभी पक्ष संयम दिखाएं और संवाद के रास्ते को प्राथमिकता दें। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता, बल्कि यह नई समस्याओं को जन्म देता है। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक शक्तियां अपने रणनीतिक हितों से ऊपर उठकर मानवता के हितों को प्राथमिकता दें। यदि महाशक्तियां केवल शक्ति प्रदर्शन की राजनीति में उलझी रहेंगी, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह सक्रिय भूमिका निभाते हुए तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करे। भारत जैसे जिम्मेदार लोकतांत्रिक देश की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत हमेशा से शांति, संवाद और सहअस्तित्व की नीति का समर्थक रहा है। इसलिए, भारत को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय होकर इस संकट को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की दिशा में पहल करनी चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। इसलिए, आवश्यक है कि सभी देश मिलकर ऐसी परिस्थितियां बनाएं, जिनसे शांति कायम रहे और दुनिया एक और बड़े संकट से बच सके। आज की सबसे बड़ी जरूरत यही है कि शक्ति की राजनीति के बजाय संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दी जाए। तभी वैश्विक स्थिरता और मानवता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

सुशासन और पैसे के पुजारी

रामस्वरूप रावतसरे

हरिया समाचार पत्र में भ्रष्टाचार के समाचार को पढकर सोच रहा था। क्या हो गया है सरकारी तंत्र को, इनकी इतनी भूख कैसे बढ रही है जो पगार से भी शांत नहीं होती। हरिया अकेला बैठा यही सोच रहा था कि तनसुख आया और धम्म से उसके पास बैठ गया। हरिया ने उसकी ओर देखा और बोला - तनसुख कई दिनों बाद दिखाई दिये हो, कहां चले गये थे!

तनसुख ने अपनी जाकेट को ठीक किया और गर्व के साथ बोला - सुशासन के दो वर्ष की उपलब्धियों के आयोजन में गांव गांव जाकर आया हूॅ। ये यात्रा बहुत ही अच्छी रही।

हरिया ने पूछा -सुशासन के दो वर्ष में जो भी काम हुए है, उनके बारे में जनता को सब पता है, फिर तुम लोग किन उपलब्धियों के बारे में जनता को क्या बता रहे थे!

तनसुख बोला -यही कि भाजपा के शासन में आने के बाद जनता के हित में बहुत कुछ किया है और आगे भी बहुत कुछ करने की योजना है।

हरिया -भाजपा के दो साल के सुशासन में चित्सिलयों, स्कूलों , बिजली, पानी, सड़क, परिवहन सुविधा, कानून व्यवस्था में कितना सुधार हुआ है या यों कहा जाय कि सरकारी विभागों में काम काज की गति बढी या उसी प्रकार कांग्रेस के शासन की चाल से ही चल रही है।

तनसुख - भाजपा ने अपने घोषणा पत्र के 70 प्रतिशत से भी अधिक वादे पूरे कर दिये हैं।

हरिया - जमीन पर किये या कागजों में, आम नागरिक को जिनसे रोज वास्ता पड़ता है, उनकी हालत तो आज भी वैसी ही है, जैसी कांग्रेस के शासन में थी। उस समय इन्हीं जन सुविधाओं को लेकर भाजपा सड़कों पर रहती थी। आज कांग्रेस सड़कों पर नारे लगा रही है। जनता पहले भी सड़क किनारे हाथ बांधे बैठी भाजपा के नारों को सुनती थी। आज कांग्रेस के नारों को सुन रही है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रही, वही भ्रष्टाचार उसके राज में चरम पर है जिसका सब को मालूम हैं लेकिन बोलता कोई नहीं। e

हरिया कुछ देर चुप रह कर फिर बोला -सरकार के किसी विभाग में भ्रष्टाचार हो और उसके मुखिया को मालूम नहीं हो, ऐसा कैसे हो सकता है। विधान सभा क्षैत्र में भ्रष्टाचार हो और विधायक, सांसद को जानकारी नहीं हो, ये हो ही नहीं सकता। तहसील में, थाने में, स्थानीय निकाय विभाग में बिना दिये कागज आगे खिसकता ही नहीं, इस बात का सभी को पता है। इसीलिए तो माननीय अपने मनपसंद के अधिकारी को अपने क्षेत्र में लगाते है ताकि सब कुछ उनके अनुसार ही होता रहे। तनसुख सुन, भ्रष्टाचारी सबसे पहले प्रभावशाली लोगों की कमजोर नस को पकड़ता है। फिर पैसा किसको नहीं चाहिए। जो कांग्रेस शासन में चल रहा था वही आज भाजपा के शासन में भी चल रहा है। जब तक पकड़े नहीं जाते तब तक सभी ईमानदार है। जब कोई अधिकारी या कर्मचारी भ्रष्टाचार में पकड़ा जाता है तब ये संरक्षण देने वाले ऐसे चुप्पी साधते है, जैसे इन्हें किसी प्रकार का पता ही नहीं होता। खैर, तुम बताओं तुम्हारे क्या हाल चाल है!

तनसुख - हरिया थोड़ा बहुत तो सभी के शासन में चलता ही है।

हरिया - थोड़ा बहुत नहीं बहुत कुछ चलता है। कैसे एक कर्मचारी/अधिकारी चार पांच साल की नौकरी में ही गाड़ी बंगले, जमीन क्रय करने की बात करने लग जाता है। सरकार का नियम भी अजीब है। पहले भ्रष्टाचारी जनता को लूटता है। फिर पकड़े जाने पर सरकार उसके दोष को सिद्ध करने के लिए जनता के पैसे को लुटाती है।तनसुख -हरिया तुम किस रामराज्य की बात करते हो, ऐसा तो हमेशा ही चलता आया है। किसी भी पार्टी का शासन हो।

हरिया तुनकर बोला -यही तो मैं कह रहा हूॅ कि कांग्रेस पार्टी के राज में भाजपा जिन मुद्दों को लेकर सड़कों पर नारे लगती थी। उन्हीं मुद्दों को लेकर अब कांग्रेस भाजपा के शासन को जन विरोधी बता कर नारे लगा रही है। क्या इसे ही सुशासन कहा जाता है। या यों मान लिया जाय, जैसा कि आम जनता सोचती है। ''कोई आए लुटना पिटना जनता को ही है।'' ईमानदारी और जनता की सेवा, सत्ता या पद नहीं मिलने तक ही है।

उत्तर भारत के विकास मॉडल की नई परिभाषा

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत के उत्तरी मैदानों में विकास की कहानी अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सड़कों के साथ-साथ फैलते हुए एक नए औद्योगिक भूगोल का निर्माण कर रही है। उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टरों के विकास और प्लॉट आवंटन की शुरुआत इस परिवर्तन का एक निर्णायक संकेत है। यह पहल केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है बल्कि यह उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसमें सड़क, उद्योग, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय संतुलन को एक साथ जोड़कर आर्थिक वृद्धि को तेज़ करने की कोशिश की जा रही है। जिस तरह चीन ने अपने औद्योगिक कॉरिडोर और अमेरिका ने अपने इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम के माध्यम से उत्पादन और व्यापार के नए केंद्र विकसित किए, उसी तरह भारत में भी एक्सप्रेसवे आधारित औद्योगिकरण एक उभरता हुआ मॉडल बनता दिखाई दे रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ से लेकर पूर्वी क्षेत्र प्रयागराज तक फैला है, केवल एक परिवहन मार्ग नहीं बल्कि एक आर्थिक धुरी के रूप में देखा जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टरों की स्थापना से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि नीति निर्माताओं का ध्यान अब "कनेक्टिविटी" से आगे बढ़कर "कनेक्टिविटी-चालित विकास" पर केंद्रित हो चुका है। औद्योगिक क्लस्टर का अर्थ केवल फैक्ट्रियों का समूह नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र होता है जिसमें उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, कौशल विकास, वित्तीय सेवाएं और बाजार तक पहुंच—all एकीकृत रूप में विकसित होते हैं। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह पहल भारत के पारंपरिक विकास मॉडल में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत देती है।

इस रणनीति का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि इसका केंद्र उन क्षेत्रों को बनाया गया है जो ऐतिहासिक रूप से विकास की दौड़ में पीछे रहे हैं। बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे इलाके लंबे समय से आर्थिक अवसरों की कमी, कमजोर औद्योगिक आधार और बड़े पैमाने पर श्रम पलायन जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। यदि इन क्षेत्रों में औद्योगिक क्लस्टर प्रभावी रूप से विकसित होते हैं, तो यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि भारत के भीतर क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस संदर्भ में यह पहल केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक महत्व भी रखती है।

हालांकि, किसी भी बड़े विकास मॉडल की तरह, इस पहल के साथ कई जटिल प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। भूमि अधिग्रहण का मुद्दा हमेशा से भारत में संवेदनशील रहा है और बड़े पैमाने पर औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने के लिए आवश्यक भूमि स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका का मुख्य स्रोत होती है। यदि पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होती, तो यह सामाजिक असंतोष और विरोध का कारण बन सकती है। इसके अलावा, पर्यावरणीय प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से जल, वायु और भूमि प्रदूषण की संभावना बढ़ जाती है जो दीर्घकाल में विकास की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि इस तरह की परियोजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता दी जाए और "ग्रीन इंडसट्रियलाइजेशन" को अपनाया जाए।

निवेश आकर्षित करने की दृष्टि से भी यह पहल एक महत्वपूर्ण परीक्षण साबित होगी। वैश्विक निवेशक अब केवल बुनियादी ढांचे को नहीं, बल्कि नीति स्थिरता, प्रशासनिक पारदर्शिता और कारोबारी सुगमता को भी उतना ही महत्व देते हैं। यदि औद्योगिक क्लस्टरों में भूमि आवंटन, अनुमतियों और संचालन से संबंधित प्रक्रियाएं जटिल और समय लेने वाली रहीं, तो यह निवेशकों के उत्साह को कम कर सकती हैं। इसके विपरीत, यदि सरकार एक प्रभावी "सिंगल विंडो सिस्टम" और डिजिटल गवर्नेंस को सुनिश्चित करती है तो यह क्षेत्र घरेलू और विदेशी दोनों प्रकार के निवेश के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

इस पूरी रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा हुआ है। एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित होने वाले औद्योगिक क्लस्टर उत्पादन और वितरण के बीच की दूरी को कम कर सकते हैं, जिससे लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। भारत लंबे समय से उच्च लॉजिस्टिक्स लागत की समस्या से जूझ रहा है, जो उसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करती है। यदि इस मॉडल के माध्यम से लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होता है, तो यह भारत के निर्यात को भी बढ़ावा दे सकता है और उसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक मजबूत स्थान दिला सकता है।

इसके बावजूद, यह समझना आवश्यक है कि बुनियादी ढांचा विकास अपने आप में आर्थिक समृद्धि की गारंटी नहीं देता। इसके लिए समानांतर रूप से कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसी नीतियों को भी मजबूत करना होगा। यदि स्थानीय श्रमिकों को आवश्यक कौशल नहीं मिलते, तो उद्योगों को बाहरी श्रमिकों पर निर्भर रहना पड़ेगा, जिससे स्थानीय समुदायों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। इसलिए इस पहल की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि यह कितनी प्रभावी रूप से मानव संसाधन विकास के साथ जुड़ती है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो भारत का यह मॉडल कई विकासशील देशों के लिए एक उदाहरण बन सकता है, जो बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी इस तरह के कॉरिडोर आधारित विकास की संभावनाएं देखी जा रही हैं। यदि भारत इस मॉडल को सफलतापूर्वक लागू करता है तो यह न केवल उसकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर उसकी नीति नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाएगा।

अंततः, गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर केवल एक क्षेत्रीय परियोजना नहीं हैं, बल्कि यह भारत के विकास के नए अध्याय की शुरुआत का संकेत हैं। यह एक ऐसा प्रयोग है जो यह तय करेगा कि क्या भारत अपने विशाल जनसंख्या और विविध भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद एक संतुलित, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिक अर्थव्यवस्था बना सकता है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो यह आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक दिशा को परिभाषित कर सकता है; और यदि इसमें चूक होती है, तो यह एक और अधूरी संभावना बनकर रह जाएगा।

पुस्तक संस्कृति का क्षरण: आने वाले संकट की आहट

योगेश कुमार

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं लेकिन यह चिंताजनक है कि पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत निरंतर कम होती जा रही है। लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने, लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस' का औपचारिक शुभारंभ 'यूनेस्को' द्वारा 23 अप्रैल 1995 को किया गया था।

यह चिंता का विषय है कि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हुआ है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जमाने में अब बच्चे हों या बड़े, अधिकांश इन्हीं पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का स्पष्ट मत है कि इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि पुस्तकें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी और प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके। बाल साहित्य और ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ावा देने और साहित्य के प्रति उनमें आजीवन प्रेम उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाए।

जिस समय हमारे आसपास कोई नहीं होता या हम अकेले अथवा उदास हैं, परेशान हैं, ऐसे समय में पुस्तकें ही हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। हमारे दिलोदिमाग में उमड़ते सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर और कोई जरिया नहीं हो सकता।

सभी भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की एक पहल के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली में भव्य पुस्तक मेले 'विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों में किताबें पढ़ने की रूचि विकसित करने के साथ-साथ कलम और मुद्रित दुनिया की ताकत को दोहराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि हर साल इतने भव्य और विशाल पुस्तक मेले के सफल आयोजन के बावजूद विशेषकर हिन्दी भाषी पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत कम हो रही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि साल में एक बार आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले के अलावा भी ऐसे क्या प्रयास किए जाएं, जिससे लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों के प्रति बढ़े और हिन्दी पुस्तकें ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पहुंच सकें? आज के दौर में लोगों की रूचि पुस्तकों में कम होती जा रही है, ऐसे में पुस्तक मेलों के आयोजन के माध्यम से तो लोगों में पुस्तकों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के प्रयास किया जाना जरूरी है ही, साथ ही स्कूलों और स्थानीय पुस्तकालयों में भी अच्छी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों के समग्र विकास के लिए तो उन्हें प्रेरणादायक बाल साहित्य, दिलचस्प नवीनतम साहित्य तथा अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसी पुस्तकों को पढ़ने से उनका मानसिक और सामाजिक विकास तीव्रता से होता है।

किसी भी स्कूल का पुस्तकालय बच्चों में पुस्तकों के प्रति प्रेम विकसित करने और उन्हें दुनिया के बारे में अधिक जानने में भी मदद करता है। यही कारण है कि केवल पाठ्य पुस्तकों को ही बच्चों की समझ को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सभी स्तर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल और स्थानीय पुस्तकालयों में स्थानीय भाषाओं में दिलचस्प और प्रेरणादायक बाल साहित्य तथा पुस्तकें बड़ी संख्या में उपलब्ध कराने की बात कही गई थी लेकिन मौजूदा समय में स्कूलों में ऐसी पुस्तकों की उपलब्धता के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं। कुछ राज्यों में स्कूलों की लाइब्रेरी में पुस्तकों की संख्या संतोषजनक है लेकिन कई राज्यों में बच्चों के पढ़ने के लिए पुस्तकों की कमी के मामलों में लापरवाही व उदासीनता साफ झलकती है। हालांकि नई पुस्तकों की खरीद के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपये का बजट आवंटित होता है लेकिन स्कूलों के पुस्तकालयों में रखरखाव के अभाव में पुस्तकों को दीमक चाट रहे हैं। कमोवेश ऐसा ही हाल देश के लगभग सभी राज्यों में देखने को मिलता है। स्कूलों में बच्चों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता और उनके रखरखाव में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से देखने और इसे लेकर कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि स्कूली स्तर पर ही पुस्तकों के प्रति बच्चों का आकर्षण कम न होने पाए।

पुस्तकों की महत्ता को परिभाषित करते हुए अमेरिकी इतिहासकार व लेखक बारबरा डब्ल्यू तुचमन का कहना था कि पुस्तकें सभ्यता की वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा हैं, विज्ञान अपंग है, विचार और अटकलें स्थिर हैं।

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। पुस्तकें ज्ञान एवं नैतिकता की संदेशवाहक, अखण्ड सम्पत्ति, भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति हेतु एक खिड़की तथा चर्चा हेतु एक औजार का काम करती हैं तथा भौतिक वैभव के रूप में देखी जाती हैं। अच्छी पुस्तकें बच्चों और युवा पीढ़ी को ज्ञानवान, संस्कारित और चरित्रवान बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं।

अब 100 किलो से ज्यादा कचरा खुद निपटाना होगा

पुनीत उपाध्याय

भारत कचरा प्रबंधन के बढ़ते संकट का सामना कर रहा है जो न केवल पर्यावरण, बल्कि जन स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन गया है। दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देशों में से एक होने के नाते भारत हर साल लगभग 62 मिलियन टन कचरा पैदा करता है. इसमें से केवल 75-80 फीसदी ही इकट्ठा हो पाता है और 30 फीसदी से भी कम का ट्रीटमेंट या रीसाइक्लिंग हो पाता है। बाकी बचा हुआ कचरा ओवरफ़्लो होते लैंडफ़िल, खुले कूड़ाघरों और जल निकायों में पहुंच जाता है जिससे गंभीर पर्यावरणीय प्रदूषण और जन स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा होते हैं। चुनौती केवल कचरे की बढ़ती मात्रा को संभालने की नहीं है बल्कि ऐसे टिकाऊ और नए समाधान अपनाने की भी है जो तेज़ी से हो रहे शहरीकरण और बदलते उपभोग के तरीकों के साथ तालमेल बिठा सकें।

अब केंद्रीय सरकारी विभाग, स्थानीय निकाय, निजी कंपनियां, औद्योगिक इकाइयां, होटल, अस्पताल, मॉल और हाउसिंग सोसायटी जो हर रोज 100 किलो से अधिक कचरा पैदा करते हैं, उसके निपटान के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। एक अप्रैल 2026 से लागू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत अब यह प्रावधान किया गया है। इस अहम प्रावधान पर 15 अप्रैल 2026 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की केंद्रीय पीठ में सुनवाई हुई। एनजीटी ने विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है। एनजीटी ने निर्देश दिया कि एक संयुक्त समिति बनाई जाए जो नियमों के प्रभावी पालन की जांच करे और छह हफ्तों में तथ्यात्मक व कार्रवाई रिपोर्ट पेश भी करेगी। इन नए नियमों का उद्देश्य लैंडफिल ;कूड़े के पहाड़ों पर निर्भरता कम करना और कचरे को एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल करना है। भारत में प्रति भारतीय नागरिक औसतन 0.25-0.5 किलोग्राम कचरा प्रतिदिन पैदा करता है जो 2030 तक 165 मिलियन टन तक बढ़ सकता है। इसमें लगभग 45.50 फीसदी गीला, 35 फीसदी सूखा ;प्लास्टिक, कागज, धातु, और शेष खतरनाक या ई-कचरा होता है। भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तीव्र शहरीकरण के कारण एक गंभीर चुनौती है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडबल्यूएम) नियम 2026 को अधिसूचित किया था जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का स्थान लेंगे। ये नियम पर्यावरण ;संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत अधिसूचित किए गए हैं और 1 अप्रैल 2026 से पूरी तरह प्रभावी हो गए। संशोधित नियम चक्रीय अर्थव्यवस्था और विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों को एकीकृत करते हैं जिसमें अपशिष्ट के कुशल पृथक्करण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया है। नियमों का पालन न करने यानि बिना पंजीकरण के संचालन, गलत रिपोर्टिंग, जाली दस्तावेज जमा करना या ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अनुचित तरीके अपनाने पर पर्यावरणीय मुआवजा लगाने का प्रावधान करते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश तैयार करेगा जबकि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदूषण नियंत्रण समितियां पर्यावरणीय मुआवजा वसूल करेंगी। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट ;ठोस अपशिष्ट प्रबंधनद्ध घरों, उद्योगों और वाणिज्यिक क्षेत्रों से उत्पन्न ठोस कचरे को इकट्ठा करनेए परिवहनए उपचार और निपटान की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है।

जब विवाह का कारण प्यार नहीं प्यास बन जाए: 'वॉटर वाइफ' भारत

प्रो. आरके जैन

भारत जल संकट की उस निर्णायक सीमा पर खड़ा है, जहाँ पानी की घटती उपलब्धता आने वाले समय की गंभीर चेतावनी बन चुकी है। नीति आयोग और केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, 2021 में देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1486 घन मीटर थी, जो 2031 तक घटकर 1367 घन मीटर रहने का अनुमान है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक यह आंकड़ा 1140 घन मीटर तक पहुँच सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार गंभीर जल दुर्लभता की स्थिति है। 1700 घन मीटर से कम उपलब्धता को जल तनाव और 1000 घन मीटर से नीचे को जल संकट माना जाता है। लगभग 60 करोड़ लोग पहले ही उच्च से अत्यधिक जल तनाव में जी रहे हैं, और इसका कारण जनसंख्या वृद्धि, भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और असमान वितरण है।

पानी की कमी का सबसे गहरा और मौन बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है। ग्रामीण भारत में जल लाने की जिम्मेदारी लगभग पूरी तरह महिलाओं के हिस्से आती है। महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ठाणे जिले के डेंगनमल जैसे गांवों में 'वॉटर वाइफ' या 'पानी बाई' जैसी कठोर सामाजिक व्यवस्था इसका सबसे तीखा उदाहरण है। यहाँ पानी की कमी इतनी चरम है कि पुरुष अधिक पानी जुटाने के लिए बहुविवाह तक अपनाते हैं, ताकि महिलाओं को पानी ढोने के काम में लगाया जा सके। महिलाएं रोज 5 से 10 किलोमीटर चलकर 15–20 लीटर पानी सिर पर ढोती हैं, जिससे उनकी पीठ, गर्दन और जोड़ों में लगातार दर्द, कमजोरी और कुपोषण सामान्य हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक बन जाती है।जल संकट केवल शरीर को थकाता नहीं, बल्कि लड़कियों के सपनों और शिक्षा की बुनियाद को भी धीरे-धीरे कमजोर करता है। जब पानी का स्रोत घर से दूर होता है, तो कई परिवार मजबूरी में बेटियों को स्कूल भेजने की बजाय पानी लाने के काम में लगा देते हैं। सूखे के समय स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। स्वच्छ जल और शौचालय की कमी मासिक धर्म स्वच्छता को और कठिन बना देती है, जिससे कई किशोरियां पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा और स्थायी बनाती है। साथ ही, दूर-दराज पानी लेने जाना कई बार सुरक्षा जोखिम और हिंसा की आशंका बढ़ा देता है, जिससे उनका आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, शिक्षा और अवसर—चारों सीमित हो जाते हैं।

इस गहरे संकट के बीच सबसे मजबूत उम्मीद की किरण उन्हीं हाथों से उभर रही है, जो सबसे अधिक पीड़ा झेल चुके हैं। जो महिलाएं कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर थीं, आज वही बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में दलित और पिछड़ी समुदायों की महिलाएं 'जल सहेली' और 'पानी की दीदी' बनकर पुराने कुओं, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों को फिर से जीवित कर रही हैं। वे वर्षा जल संचयन, तालाबों की सफाई और स्थानीय जल संरचनाओं के पुनर्निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कई स्थानों पर महिलाएं छोटे जल भंडारण ढांचे बनाकर खेती, पशुपालन और घरेलू जरूरतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अब वे केवल पानी लाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जल प्रबंधन, गुणवत्ता निगरानी और सामुदायिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं, जो बदलाव की एक नई और सशक्त दिशा दिखाता है।

जल जीवन मिशन ने सरकारी स्तर पर ग्रामीण भारत की जल आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय और ठोस बदलाव किया है। 2019 में जहाँ केवल 3.23 करोड़ यानी 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल कनेक्शन पहुँचा था, वहीं मार्च 2026 तक यह संख्या बढ़कर 15.82 करोड़ घरों यानी 81.71 प्रतिशत तक पहुँच गई है। इस अवधि में लगभग 12.58 करोड़ नए घरों तक नल से जल उपलब्ध कराया गया है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं के जीवन पर पड़ा है, क्योंकि जो समय पहले रोज़ पानी ढोने में खर्च होता था, वह अब काफी हद तक बच रहा है। स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी जल आपूर्ति में सुधार हुआ है, जिससे बुनियादी सुविधाएँ मजबूत हुई हैं। फिर भी, देश अभी भी लगभग 85 प्रतिशत भूजल पर निर्भर है और अपशिष्ट जल प्रबंधन की चुनौती गंभीर बनी हुई है।

2026 में सच्चा परिवर्तन तभी संभव होगा जब जल संकट को केवल तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और लैंगिक प्रश्न के रूप में समझा जाए। जल प्रबंधन की नीति और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं को केंद्र में रखना अनिवार्य है। ग्राम स्तर की जल समितियों में उनकी नेतृत्व भूमिका सुनिश्चित करनी होगी, ताकि योजनाएँ जमीनी जरूरतों से जुड़ सकें। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण को बड़े पैमाने पर अपनाना अब समय की मांग है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों को देखते हुए सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए एकीकृत रणनीति विकसित करनी होगी। शिक्षा व्यवस्था में जल संरक्षण को शामिल करना भी आने वाली पीढ़ियों में जागरूकता और जिम्मेदारी विकसित करने के लिए जरूरी है। अंतिम सच्चाई यही है कि भारत का जल संकट केवल पानी की कमी की कहानी नहीं, बल्कि गहरी सामाजिक असमानता और महिलाओं के अदृश्य श्रम का प्रतिबिंब है।

इन लक्षणों से समझें गंदगी से सिकुड़ रही खून की नसें, आ सकता है हार्ट अटैक

भागदौड़ से भरी और अक्सर तनावपूर्ण रहने वाली आज की जिन्दगी में एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (एएससीवीडी) का जोखिम बढ़ा हुआ है। एएससीवीडी की शुरूआत में थोड़े या ना के बराबर लक्षण होते हैं और इसलिए इसे अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। यह बीमारी गुजरते वर्षों के साथ धीरे-धीरे बढ़ती है और इससे दुनिया में लाखों लोगों को बड़ा खतरा है।

आईसीएमआर के हाल के अध्ययनों ने भारत की शहरी आबादी में हाई कोलेस्ट्रॉल के 25-30% और ग्रामीण आबादी में 15-20% मामले होने की बात कही है। ज्यादा आमदनी वाले देशों की तुलना में, भारत के 83% लोगों में बड़ी कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों और मौत की दर काफी ज्यादा है। लेकिन इन अनिश्चितताओं के बीच कुछ अच्छी खबर भी है: कोलेस्ट्रॉल, और खासकर बुरे कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने से बड़ा परिवर्तन आ सकता है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार, प्रभाव और दिल की सेहत पर असर

कोलेस्ट्रॉल के विभिन्न प्रकार होते हैं, जिनमें से एलडीएल (लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को अक्सर 'बुरा कोलेस्ट्रॉल' कहा जाता है। क्योंकि आर्टरी की दीवारों में प्लाक के जमा होने में उसकी भूमिका होती है। जबकि एचडीएल (हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को 'अच्छा' कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है, क्योंकि वह खून में से कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा मात्रा को हटाने में मदद करता है। इस प्रकार वह एएससीवीडी से सुरक्षा देता है। एलडीएल और एचडीएल के बीच असंतुलन होने से एएससीवीडी होने का जोखिम बहुत प्रभावित हो सकता है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के हाई लेवल से एथेरोस्क्लेरोसिस को बढ़ावा मिलता है, जबकि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के लो लेवल होने से शरीर ज्यादा कोलेस्ट्रॉल को निकाल नहीं पाता है और ऐसे में प्लाक जमा होने में तेजी आती है।

दिल की सेहत के लिए कोलेस्ट्रॉल की जांच क्यों जरूरी

एलडीएल लेवल को मैनेज करने के लिये कोलेस्ट्रॉल की जाँच करवाना महत्वपूर्ण है। 2019 में दुनिया में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) के कारण 32% मौतें हुई थीं और आकलन है कि 2030 तक हर साल ऐसी 23.6 मिलियन मौतें हो सकती हैं। ऐसे में कम उम्र से ही कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना महत्वपूर्ण है। इसकी शुरुआत 20 की उम्र से सही रहेगी। इस तरह से लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा समझदार होंगे और बीमारियों की रोकथाम के उपाय भी करेंगे।

अपना टारगेट एलडीएल-सी जानना क्यों जरूरी

अलग-अलग लोगों के लिये जोखिम के कारकों और स्वास्थ्य-लक्ष्यों के आधार पर एलडीएल-सी के आदर्श स्तर में अंतर होता है। लेकिन आमतौर पर यह 100 mg/dL होना चाहिए, जबकि ज्यादा जोखिम वालों के लिये इससे भी कम। एलडीएल-सी पर नजर रखने के लिये खून की नियमित रूप से जाँच हो सकती है। यह मरीज के जोखिम और उपचार के आधार पर हर 3 से 12 महीने में होती है।

अपने लिपिड पर नजर रखना एएससीवीडी को मैनेज करने का आधार होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल्स को मैनेज करने के लिये दिल की सेहत को अच्छा रखने वाला आहार, नियमित व्यायाम और तनाव का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। लेकिन यह समझना भी मायने रखता है कि एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में दवाएं ज्यादा असरदार और तेज होती हैं। यह दवाएं ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं और थक्का बनने से रोकती हैं। एएससीवीडी के जोखिम को कम करने और इलाज के नतीजे बेहतर बनाने में ऐसी दवाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

रोजाना की गड़बड़ आदतें आपको बना सकती हैं ब्लड प्रेशर का मरीज

हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप को हृदय रोगों का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उन्हें हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का जोखिम भी अधिक होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को रक्तचाप को नियंत्रित रखने वाले उपाय करने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारी रोजाना की आदतें और गड़बड़ जीवनशैली के कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है। जिन लोगों की लाइफस्टाइल खराब होती है उन्हें अक्सर ब्लड प्रेशर बढ़े रहने या कम होने की समस्या हो सकती है। आइए ऐसी ही कुछ सामान्य आदतों पर नजर डालते हैं जो उच्च रक्तचाप का कारण बन सकती हैं। सभी लोगों को इन

आदतों को लेकर सावधानी बरतते रहना जरूरी है ताकि आप सेहत को ठीक रख सकें।

आहार में गड़बड़ी पर दें ध्यान

अस्वास्थ्यकर आहार जैसे सोडियम, संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल से भरपूर आहार का सेवन उच्च रक्तचाप के जोखिमों को बढ़ाने वाला माना जाता है। विशेषतौर पर जो लोग अधिक मात्रा में नमक वाली चीजें खाते हैं उन्हें इसका खतरा अधिक होता है। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ, फास्ट फूड और शर्करा युक्त पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन भी रक्तचाप बढ़ा सकता है। यही कारण है कि आहार को लेकर सावधानी बरतना रक्तचाप को कंट्रोल रखने के लिए जरूरी हो जाता है।

ज्यादा देर तक बैठना नुकसानदायक

शारीरिक गतिविधि में कमी, ज्यादा देर तक बैठने की आदत भी संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। इससे न सिर्फ ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही गतिहीन जीवनशैली मोटापा को भी बढ़ा देती है। ये स्थितियां हृदय रोगों का प्रमुख कारण मानी जाती हैं। नियमित व्यायाम करने, पैदल चलने और स्वस्थ वजन बनाए रखने के उपाय करना आपकी सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम से आप ब्लड प्रेशर को आसानी से कंट्रोल रख सकते हैं।

तनाव की समस्या पर दें ध्यान

दीर्घकालिक तनाव रक्तचाप के स्तर को बढ़ा सकती है। अध्ययनकर्ता बताते हैं तनावग्रस्त होने पर, शरीर कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन रिलीज करता है, जो अस्थायी रूप से रक्तचाप को बढ़ा देती हैं। जो लोग अधिक तनाव लेते हैं उनमें क्रोनिक ब्लड प्रेशर के साथ हृदय रोगों का भी खतरा अधिक हो सकता है। तनाव को नियंत्रित करके रक्तचाप को भी कंट्रोल किया जा सकता है, इसके लिए योग, ध्यान जैसे अभ्यास सहायक हैं।

नींद न पूरा करना है समस्याकारक

नींद की खराब आदतें जैसे बहुत कम सोना या स्लीप एपनिया जैसी नींद संबंधी विकारों को सीधे तौर पर उच्च रक्तचाप से जोड़कर देखा जाता है। नींद के दौरान, शरीर स्ट्रेस हार्मोन और रक्तचाप को नियंत्रित करता है इसलिए अपर्याप्त नींद इस प्रक्रिया को बाधित करती है। अच्छी नींद लेना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। रात में कम से कम 7-9 घंटे की नींद लेना जरूर सुनिश्चित करें।

विटामिन डी की कमी से रातभर ठीक से नहीं आती नींद

अच्छी सेहत के लिए नींद बहुत जरूरी होती है। अपनी हेल्थ को अच्छा रखने के लिए रोज कम से कम 7-8 घंटे सोना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों को रातभर ठीक से नींद नहीं आती है। वह बार-बार करवटें बदलते रहते हैं। नींद ना आने की बीमारी को इनसोमनिया कहते हैं। ऐसा कई कारणों से होता है। जैसे कमरे का तापमान, ब्लू लाइट रिस्क, कैफीन इत्यादि। हालांकि आपके शरीर में पोशाक तत्वों की कमी भी नींद ना आने की वजह बन सकती है।

विटामिन डी से प्रभावित होती है नींद

हेल्थ एक्सपर्ट्स की माने तो विटामिन डी की कमी से आपकी नींद सबसे अधिक प्रभावित होती है। जिन लोगों को शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, वह अक्सर रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं। कहा जाता है कि विटामिन डी रिसेप्टर्स मस्तिष्क के कई हिस्सों में रहते हैं। ये आपकी नींद को कंट्रोल करने का काम करते हैं।

आपक नींद कितनी अच्छी क्वालिटी की होगी इसमें ये विटामिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विटामिन डी मेलाटोनिन का उत्पादन करने वाले मार्गों और नींद की क्वालिटी पर गहरा असर डालता है। इसलिए इस विटामिन डी की कमी आपकी नींद को अच्छे खासे तरीके से प्रभावित कर सकती है।

अकेला सूरज नहीं करता विटामिन डी की पूर्ति

विटामिन डी को "सनशाइन विटामिन" भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए कि इसे सूर्य से भी प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन अकेले सूरज से पर्याप्त विटामिन डी संभव नहीं है। ज्यादा सूरज की रोशनी जोखिम भरी भी हो सकती है। फिर आप सिर्फ सुबह-सुबह की रोशनी से ही एक निश्चित मात्रा में ही विटामिन डी ले सकते हैं। ऐसे में आपको अपने शरीर में पर्याप्त विटामिन डी लाने के लिए विटामिन डी से भरपूर फूड्स भी खाने होंगे।

यदि आप रोज पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी का सेवन करते हैं तो ना सिर्फ आपको नींद अच्छी आएगी, बल्कि आप कई बीमारियों से निजात भी पा लेंगे। कुछ समय पहले एक रिसर्च में पाया गया कि पर्याप्त विटामिन डी लेवल और हाई क्वालिटी स्लिप के बीच एक खास लिंक होता है। इस शोध में पता चला कि जिन लोगों ने अपनी डाइट में विटामिन डी सप्लीमेंट ली उन्हें पिट्सबर्ग स्लीप क्वालिटी इंडेक्स (नींद की गुणवत्ता का एक मजबूत, मान्य एक महीने का आकलन) अच्छे स्कोर मिले। इससे यह साबित होता है कि विटामिन डी आपकी अच्छी नींद के लिए कितना फायदेमंद है।

इन चीजों को खाने से मिलता है विटामिन डी

सुबह-सुबह सूरज की रोशनी लेने के अलावा आप कुछ खास फूड आइटसम को खाकर भी विटामिन डी प्राप्त कर सकते हैं। ये फूड सोर्स हैं – कॉड लिवर ऑयल, सैल्म, स्वोर्डफिश, टूना फिश, संतरे का रस, डेयरी और प्लांट मिल्क सार्डिन, अंडे की जर्दी इत्यादि।

अच्छे-खासे लोगों को 'पागल' बना देती है न्यूरॉन की कमी, दिमागी ताकत करनी है दोगुनी तो करें ये काम

दिमागी ताकत बढ़ाने के उपाय

न्यूरॉन नर्वस सिस्टम के बिल्डिंग ब्लॉक हैं, जो पूरे शरीर में सूचना पहुंचाने का काम करते हैं। ये स्पेशल सेल्स आपस में इलेक्ट्रिक और केमिकल सिग्नल के जरिए संचार करती हैं, जिससे आपको सोचने-समझने और काम करने में मदद मिलती है। दिमागी कामकाज को बेहतर बनाए रखने के लिए न्यूरॉन्स बनाए रखना जरूरी है।

एक्सरसाइज है जरूरी

फिजिकल एक्टिविटी न केवल शरीर के लिए बल्कि मस्तिष्क के लिए भी फायदेमंद होती है। व्यायाम से कुछ ऐसे तत्व निकलते हैं जो न्यूरॉन के विकास और उन्हें सुरक्षित रखने में मदद करते हैं।

हेल्दी डाइट

पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार का सेवन न्यूरॉन के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। एंटीऑक्सीडेंट, ओमेगा -3 फैटी एसिड, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर आहार लें। इसमें फल, सब्जियां, मेवे, बीज, फैटी मछली (जैसे स सामन और मैकेरल) और साबुत अनाज शामिल हैं।

पर्याप्त नींद है जरूरी

अच्छी और पर्याप्त नींद लेना मस्तिष्क के स्वास्थ्य और न्यूरॉन के कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। नींद के दौरान, मस्तिष्क याददाश्त को मजबूत करता है और दिन भर

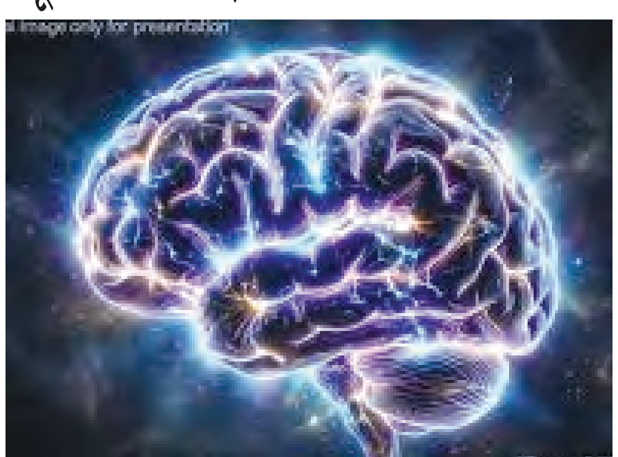

में जमा हुए विषाक्त पदार्थों को साफ करता है।

तनाव से बचें

दिमाग पर लगातार तनाव का बुरा असर पड़ सकता है और याददाश्त कमजोर होने लग सकती है। तनाव कम करने वाली गतिविधियाँ अपनाएं, जैसे माइंडफुलनेस मेडिटेशन, गहरी सांस लेना, योग या प्रकृति में समय बिताना।

लोगों से मिलें, बात करें

मजबूत सामाजिक संबंध बनाए रखना और सार्थक सामाजिक संपर्क मस्तिष्क के स्वास्थ्य और न्यूरॉन के कार्य को सपोर्ट करते हैं। इससे डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज़ होते हैं, जो मूड को ठीक करते हैं।

धूम्रपान और शराब से बचें

दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों से दूर रहें। धूम्रपान, शराब का अधिक सेवन और जहरी धातुओं तथा कीटनाशकों के संपर्क में आने बचें।

लौकी के जूस से दिल की बीमारियों के साथ दूर रहेंगी ये दिक्कतें

कई लोग महीनों कोशिश में लगे रहते हैं, लेकिन अपना वजन कम नहीं कर पाते हैं। तो ऐसे में अपनी डाइट में लौकी का जूस शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। रोज एक गिलास लौकी का जूस पीने से न केवल वजन कम हो सकता है, बल्कि कई बीमारियों से भी बचा सकता है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार लौकी के जूस में उच्च मात्रा में फाइबर होता है और साथ ही कई पॉवरफुल यौगिक भी होते हैं, जो कई बीमारियों को होने के रोकते हैं। यह जूस आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। लौकी का जूस शरीर को हाइड्रेट रखता है, और शरीर में पानी की कमी भी नहीं होती है।

वजन घटाने में मदद करता है

सुबह खाली पेट एक ग्लिस कच्ची लौकी का जूस आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है, जिससे आपके तेजी से कैलोरी बर्न कर पाते हैं। लौकी के जूस में लो कैलोरी के साथ हाई फाइबर होता है, जिससे आपका पेट लंबे तक भर भरा हुआ महसूस होता है और आप ओवर ओवर ईटिंग से बच पाते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

लौकी का जूस दिल की सेहत के लिए अच्छा होता है। इस जूस में कई पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मददगार हैं। खाली पेट इस जूस को पीने से दिल की बीमारी और अटैक का खतरा कम होता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

लौकी में पोटेशियम की उच्च मात्रा होती है और यह गुण रक्तचाप को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पोटेशियम एक नेचुरल वैसोडाइलेटर के रूप में कार्य करता है, रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने से भी बचाता है।

पाचन तंत्र के लिए है फायदेमंद

जैसा कि लौके के जूस में फाइबर की मात्रा हाई होती है, तो यह पाचन में भी सुधार करता है, और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है। यह पेट को ठंडक भी प्रदान करने के साथ पेट की जलन और गैसट्रिक प्रॉब्लम को भी दूर करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर नियंत्रण में रखता है

डायबिटीज के मरीजों के लिए भी लौकी के जूस का सेवन लाभकारी है। इसमें मौजूद क्लोरोजेनिक एसिड इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है। यह जूस रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में फायदेमंद हो सकता है।

धूप से बालों को कैसे बचाएं? ध्यान रखें ये बातें वरना होगी मुश्किल

भीषण गर्मी का असर सिर्फ शरीर पर ही नहीं, बल्कि बालों और स्कैल्प की सेहत पर भी साफ दिखाई देने लगता है। तेज धूप, पसीना, धूल और प्रदूषण मिलकर बालों को कमजोर, रूखा और बेजान बना देते हैं। इस मौसम में अक्सर लोगों को बाल झड़ने, डैंड्रफ और खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अगर समय रहते बालों की सही देखभाल न की जाए तो यह समस्या और बढ़ सकती है। गर्मियों में स्कैल्प ज्यादा ऑयली हो जाता है, जिससे बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है।

इसलिए, जरूरी है कि इस मौसम में बालों की साफ-सफाई, सही तेल और घरेलू उपायों पर ध्यान दिया जाए। थोड़ी सी सावधानी अपनाकर आप अपने बालों को गर्मी के नुकसान से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ व मजबूत बनाए रख सकते हैं।

नियमित सफाई जरूरी

गर्मी के मौसम में पसीना, धूल और प्रदूषण बालों की जड़ों में जम जाते हैं, जिससे स्कैल्प गंदा और चिपचिपा हो जाता है। अगर समय पर सफाई न की जाए तो डैंड्रफ, खुजली और बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है। हफ्ते में 2–3 बार हल्के शैम्पू से बाल धोने से स्कैल्प साफ रहता है और बालों की सेहत बेहतर बनी रहती है।

हल्का तेल लगाएं

नारियल या बादाम तेल से हल्की मालिश करने से बालों की जड़ों को पोषण मिलता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे बाल मजबूत और चमकदार बनते हैं। हालांकि, गर्मियों में ज्यादा तेल लगाने से स्कैल्प चिपचिपा हो सकता है और धूल ज्यादा चिपक सकती है, इसलिए संतुलित मात्रा में ही तेल लगाना चाहिए।

धूप से बालों को कैसे बचाएं?

धूप से बचाव करें

तेज धूप बालों की प्राकृतिक नमी को कम कर देती है, जिससे बाल रूखे, बेजान और कमजोर हो जाते हैं। लंबे समय तक धूप में रहने से हेयर डैमेज भी बढ़ सकता है। इसलिए बाहर निकलते समय स्कार्फ, टोपी या छाता का इस्तेमाल करना बालों को सुरक्षित रखता है।

सही खानपान अपनाएं

बालों की सेहत अंदर से मजबूत आहार पर निर्भर करती है। प्रोटीन, विटामिन-बी, आयरन और मिनरल्स से भरपूर भोजन बालों की ग्रोथ में मदद करता है। हरी सब्जियां, फल और ड्राई फ्रूट्स बालों को जड़ से मजबूत बनाते हैं और हेयर फॉल कम करते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें

ज्यादा हेयर कलर, स्ट्रेटनिंग और हीट स्टाइलिंग बालों को कमजोर बना सकते हैं। गर्मियों में बाल पहले ही डैमेज के प्रति संवेदनशील होते हैं, ऐसे में केमिकल प्रोडक्ट्स का अधिक उपयोग नुकसान बढ़ा सकता है। प्राकृतिक और हल्के हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित रहता है।

सीढ़ी चढ़ते-चढ़ते हांफने लगते हैं? कैसा आहार बढ़ाएगा आपकी ऊर्जा

अगर सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते आपको जल्दी हांफन महसूस होती है, तो यह आपके शरीर के लिए एक चेतावनी हो सकती है। अक्सर यह समस्या कमजोरी, कम हृदय क्षमता या पोषण की कमी की वजह से होती है।

ऐसे में सही डाइट अपनाकर आप न केवल ऊर्जा बढ़ा सकते हैं, बल्कि हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता भी सुधार सकते हैं। कुछ विशेष खाद्य पदार्थ आपके शरीर को प्राकृतिक तरीके से ताकत और सहनशीलता प्रदान करते हैं।

इस खबर में हम आपको बताएंगे कि कौन-कौन से ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप सीढ़ियां चढ़ते समय हांफने जैसी समस्या से बच सकते हैं।

दूध और डेयरी उत्पाद

दूध, दही और पनीर जैसी चीजें प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होती हैं।

ये हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और मांसपेशियों की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, जिससे थकान कम महसूस होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, मेथी, सरसों और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन और विटामिन की अच्छी मात्रा

होती है।

यह ब्लड हेल्थ और ऊर्जा स्तर बनाए रखने में मदद करता है।

फल

केला, सेब, संतरा और अन्य मौसमी फल शरीर को तुरंत ऊर्जा और ताजगी प्रदान करते हैं।

फल विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं, जो थकान कम करने में सहायक हैं।

नट्स और बीज

अखरोट, बादाम, सूरजमुखी के बीज जैसे नट्स हृदय स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए अच्छे हैं।

इन्हें रोजाना खाने से मांसपेशियों और शरीर की ताकत बढ़ती है।

अंडे और प्रोटीन स्रोत

अंडे, दालें और चिकन जैसे प्रोटीन स्रोत मांसपेशियों की मजबूती और सहनशीलता बढ़ाते हैं।

नियमित सेवन से सीढ़ियां चढ़ते समय थकान कम महसूस होती है।

अनाज

ओट्स, ब्राउन राइस लंबे समय तक शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

यह खाने में हल्का होते हुए भी ऊर्जा स्तर बनाए रखते हैं।

हाइड्रेशन

पर्याप्त पानी पीना और हाइड्रेटिंग जूस लेना शरीर को तरोताजा रखता है।

हाइड्रेशन की कमी से ऊर्जा तेजी से घटती है और हांफन बढ़ सकता है।

हरियाणवी खुबसूरत एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही का निधन मासूम शर्मा समेत कई कलाकारों संग किये थे 50 से ज्यादा गाने

हरियाणा से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। बता दे की हरियाणवी एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही सिर्फ (30) का निधन हो गया। मंगलवार की देर रात यूपी के गाजियाबाद स्थित घर पर उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह चक्कर खाकर जमीन पर गिरीं, जिसमें उनके सिर पर गहरी चोट लगी।

जानकारी के लिए बता दे की परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आज बुधवार सुबह गाजियाबाद में उनका अंतिम संस्कार किया गया। हरियाणा से प्रोडयूशर जीतू और कलाकार विकास उनके घर पहुंचे थे।

जानकारी के लिए बता दे की दिव्यांका 50 से ज्यादा हरियाणवी गानों में काम कर चुकी थीं। उन्होंने मासूम शर्मा, अमित सैनी रोहतकिया, केडी के साथ भी काम किया। उनके इंस्टाग्राम पर 1.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनके निधन पर हरियाणवी इंडस्ट्री से जुड़े कलाकारों ने शोक व्यक्त किया है।

अधिक जानकारी के लिए बता दे की दिव्यांका सिरोही का जन्म 19 नवंबर 1996 को बुलंदशहर में हुआ था। परिवार गाजियाबाद में रह रहा है। उन्होंने मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी से B.Com की। इसके बाद सिक्किम से MBA की। फिर गुरुग्राम से B.Ed की। दिव्यांका के दो भाई- हिमांशु, दीपांशु और बहन जसमीत हैं। पिता गजेंद्र ट्रांसपोर्टर हैं और मां अनीता हाउस वाइफ हैं।

सिरसा के जेसीडी में लाइव शो में सिंगर मासूम शर्मा के साथ भी एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही ने मंच साझा किया था। जैसे ही दिव्यांका मंच पर पहुंची, तो शो वहां मौजूद की दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था। मासूम शर्मा ने खुद दिव्यांका का नाम लेकर दर्शकों से पहचान करवाई थी। इस दौरान दिव्यांका काफी देर तक मंच पर रही। एक इंटरव्यू में दिव्यांका ने बताया था कि मुझे बचपन से ही एक्टिंग और डांस का शौक था। मैंने दिवाली के पास नीले रंग के सूट में टिक-टॉक पर पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा के गाने 'मेरी मम्मी नूं पसंद नि तू' गाने पर वीडियो बनाई थी, जो मेरे एक्सप्रेशन की वजह से वायरल हो गई। उस वीडियो पर करीब 20 मिलियन व्यूज आए थे। इसके बाद टिक-टॉक पर मेरे फॉलोअर्स 5 मिलियन हो गए थे।

तमन्ना से ब्रेकअप के बाद मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे विजय वर्मा, क्वालिटी टाइम बिताते आए नजर

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने लगभग दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण सामने नहीं आया। अब ब्रेकअप के काफी समय बाद विजय वर्मा को एक मिस्ट्री गर्ल के साथ स्पॉट किया गया है। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर फिर से चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

रेस्टोरेंट के बाहर दिखे एक्टर

हाल ही में विजय को मुंबई में आलिया कुरैशी के साथ एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया, जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रेस्टोरेंट के बाहर दोनों को साथ में देखकर फैंस और सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह के कयास लगाने लगे हैं।

फैंस ने दी बधाई

वीडियो सामने आते ही यूजर्स सवाल पूछ रहे हैं कि क्या ये विजय वर्मा की गर्लफ्रेंड हैं। कई यूजर्स तो विजय को बधाई तक देने लगे। हालांकि, अभी तक विजय वर्मा या आलिया कुरैशी की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

कौन हैं आलिया कुरैशी?

आलिया कुरैशी एक्ट्रेस, सिंगर, सॉन्गराइटर और प्रोड्यूसर भी हैं। वे शाहरुख खान के साथ 'जवान' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा आलिया ने कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स भी किए हैं। 'नादानियां' और 'बंदिश बैंडिट' जैसे प्रोजेक्ट्स में एक्ट्रेस नजर आ चुकी हैं।

विजय वर्मा की 'मटका किंग'

विजय वर्मा अभी अमेजन प्राइम वीडियो पर 'मटका किंग' सीरीज में नजर आ रहे हैं। उनके साथ सीरीज में कृतिका कामरा, साई तम्हांकर, गुलशन ग्रोवर, सिद्धार्थ जाधव और भूपेंद्र जादवत समेत कई जाने-माने कलाकार सीरीज में अहम भूमिका में हैं। यह 1960 के दशक की मुंबई पर बनी पीरियड क्राइम ड्रामा है। कहानी एक कपास व्यापारी की है, जो मटका जुआ के जरिए बड़ा साम्राज्य बनाता है।

धुरंधर फैंस के लिए गुड न्यूज फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म द मेकिंग ऑफ धुरंधर की प्लानिंग में आदित्य धर

धुरंधर और धुरंधर 2 की कामयाबी के बाद अब डायरेक्टर आदित्य धर फैंस के लिए तीसरी कहानी लाने का बड़ा फैसला लिया है। ये फिल्म इसी साल के अंत तक रिलीज की जाएगी,

बार धुरंधर को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि ये कोई फिल्म नहीं होगी, बल्कि धुरंधर बनने की कहानी होगी।

मेकिंग ऑफ धुरंधर में फिल्ममेकिंग, शूटिंग के साथ-साथ फिल्म के कलाकारों के इंटरव्यू भी शामिल किए जाएंगे। फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर अक्सर अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्ममेकिंग के विजुअल्स शेयर करते रहते हैं, हालांकि हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अब फैंस बड़े पर्दे पर देख सकेंगे कि फिल्म के सभी किरदार कैसे बनाए गए और कैसे फिल्म के सभी भव्य शॉट शूट किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर और धुरंधर 2 से जुड़ा क्रेज देखते हुए मेकर्स ने इसकी मेकिंग की जिसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाने की भी तैयारी है। बता दें कि फिल्म का ओटीटी पार्टनर नेटफ्लिक्स है।

धुरंधर 2, 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म का क्लैश पहले केजीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक से होना था, हालांकि रिलीज से पहले ही टॉक्सिक की रिलीज टेड टाल दी गई।

अब टॉक्सिक जून में रिलीज होगी। इसके अलावा भी क्लैश से बचने के लिए कई फिल्में टाल दी गईं। धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1758 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ये भारत की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।

सलमान खान एक्शन थ्रिलर फिल्म में पहली बार नयनतारा के साथ दिखेंगे, मुंबई में शूटिंग शुरू

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और साउथ एक्ट्रेस नयनतारा की नई फिल्म की शूटिंग मुंबई में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। यह पहली बार है जब ये दोनों बड़े सितारे एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। सलमान इस बार साउथ के फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करे रहे हैं। इस फिल्म को अस्थायी नाम SVC63 दिया गया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। वामशी बड़े स्केल पर फिल्में बनाने के साथ-साथ उनमें मजबूत इमोशनल कहानी पिरोने के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म के जरिए वे सलमान और नयनतारा की अपनी-अपनी

खूबियों को एक बड़े विजन के साथ जोड़ने की कोशिश करेंगे। फिल्म में हाई-लेवल एक्शन के साथ-साथ किरदारों के बीच की इमोशनल जर्नी भी दिखाई जाएगी। सूत्रों की मानें तो फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे, जो दर्शकों को एक नया अनुभव देंगे। फिल्म की विजुअल क्वालिटी और कहानी को नेशनल लेवल की ऑडियंस के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

SVC63 बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री के कलाकार शामिल होंगे। बताया गया है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा।

इस मेगा प्रोजेक्ट को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। वे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के बड़े प्रोड्यूसर हैं और 60 से ज्यादा फिल्में बना चुके हैं। उन्हें 'महार्षि' और 'शतमानम भवति' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू की जोड़ी पहले 5 फिल्मों में साथ काम कर चुकी है और इनका ट्रैक रिकॉर्ड बॉक्स ऑफिस पर मजबूत रहा है।

रणवीर सिंह ने डॉन 3 का साइनिंग अमाउंट लौटाया : क्रिएटिव डिफरेंस से शुरू हुआ था विवाद

लंबे विवाद के बाद अब रणवीर सिंह ने डॉन 3 को आधिकारिक टलती गई और फिर रणवीर सिंह धुरंधर और धुरंधर 2 में व्यस्त हो

तौर पर छोड़ दिया है। मेकर्स से विवाद बढ़ने के बाद अब एक्टर 10 करोड़ रुपए का साइनिंग अमाउंट भी लौटा चुके हैं। देखना होगा कि अब फरहान अख्तर उन्हें रिप्लेस करते हैं या फिल्म को टालते हैं। हाल ही में आई फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह ने साइनिंग अमाउंट लौटाने के साथ-साथ अपनी अगली फिल्म में फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट को प्रॉफिट में हिस्सेदारी देने का भी आश्वासन दिया है। लेकिन प्रॉफिट पर्सेंट क्या होंगे, ये तय नहीं है। फिलहाल एक्सेल एंटरटेनमेंट और रणवीर सिंह की तरफ से इन दावों की पुष्टि नहीं की गई है।

क्यों हुआ रणवीर और मेकर्स के बीच विवाद

फरहान अख्तर ने तीन साल पहले फिल्म डॉन 3, रणवीर सिंह के साथ शुरू की थी। पहले कियारा आडवाणी फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन मेटरनिटी ब्रेक के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी थी। प्री-प्रोडक्शन के चलते फिल्म गए। इस साल की शुरुआत में खबर आई कि अनुचित मांगों के चलते एक्सेल एंटरटेनमेंट ने रणवीर सिंह को फिल्म से निकाल दिया है। ये मामला फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड तक भी गया था। आमिर खान ने खुद बीच-बचाव कर मामला खत्म करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी।

दूसरी तरफ दावा किया गया कि प्रोडक्शन ने नहीं बल्कि रणवीर ने खुद फिल्म छोड़ दी है। इसका कारण क्रिएटिव डिफरेंस बताया गया था। अगर ये दावा सच निकला कि रणवीर ने साइनिंग अमाउंट लौटाकर अगली फिल्म में प्रॉफिट देने का आश्वासन दिया है, तो ये भी साफ होगा कि फिल्म एक्टर ने ही छोड़ी है।

शाहरुख खान की हो सकती है डॉन फ्रैंचाइजी में वापसी

शाहरुख खान, फरहान अख्तर की फिल्म में वापसी कर सकते हैं। उनकी लगातार शाहरुख से बात जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान चाहते हैं कि डॉन 3 का निर्देशन साउथ डायरेक्टर

टीवी एक्टर विपुल रॉय के घर हुई लाखों की चोरी आरोप- नौकरानी ने चुराई सोने-चांदी के गहने और नकद

टीवी के पॉपुलर शो एफआईआर में नजर आ चुक एक्टर विपुल रॉय के घर चोरी की घटना सामने आई है। एक्टर ने 21 अप्रैल को नदीजकी पुलिस स्टेशन में अपनी नौकरानी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एक्टर द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार, ये घटना 6 अप्रैल की है। एक्टर विपुल रॉय पत्नी और बेटी के साथ मुंबई के खार वेस्ट में स्थित एसवी रोड की कलानिकेतन सोसाइटी में रहते हैं। उनका फ्लैट 10वीं मंजिल पर है, जिसका नंबर 1001 है। वो फुल टाइम नौकर रखने के बजाए ऑनलाइन सर्विस एप से काम पड़ने पर हाउसहेल्प बुलाते रहते हैं। उन्होंने 6 अप्रैल को भी अर्बन कंपनी से दीपाली संय खारवा नाम की एक हाउसहेल्प को बुलाया था, जिसकी उम्र करीब 35 साल

थी। उसे सफाई का काम दिया गया था।

वो पहले भी कई मौकों पर एक्टर के घर की सफाई करने के लिए आ चुकी थी और उसे घर के हर सामान की सही जगह, घर वालों का रूटीन और कमरों की जानकारी थी।

पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, 6 अप्रैल को सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर दीपाली बेडरूम में पोछा लगाया था। जैसे ही एक्टर कमरे में आने वाले थे, उसने टोक दिया कि पोछे से फर्श काफी गीला है, तो गंदे पैर वो कमरे में न लगाएं। कुछ ही देर बाद उसने कमरा अंदर से बंद कर लिया।

करीब 15 मिनट बाद वो बाहर आई और कुछ देर बाद काम खत्म कर निकल गए। उसी रात जब विपुल रॉय ने अलमारी खोली तो देखा कि उनकी पत्नी के गहने, कैश और फॉरेन करेंसी के सारे नोट गायब हैं।

एक्टर ने बताया है कि उनकी अलमारी में 30 अमेरिकी डॉलर, 7 हजार यूएई दिरहम, 14500 थाई बात और 6 लाख रुपए कैश थे। इसके अलावा उनकी अलमारी में एक चांदी का कंगन और दो गोल्ड रिंग थीं। चोरी हुए सामान की कुल कीमत 7 लाख 10 लाख रुपए थी। शिकायत में उन्होंने अर्बन कंपनी से आई नौकरानी दीपाली पर आरोप लगाए हैं।

घटना के ठीक बाद वो विदेश चले गए थे, जिसके चलते अब उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई है।

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद ऑनलाइन डीटेल्स निकालने के अलावा कंपनी से भी संपर्क किया है। बता दें कि एक्टर विपुल रॉय को टीवी शो एफआईआर से फेम मिला था। उन्होंने शो में भोला पंडित का रोल निभाया था। इसके अलावा वो चेहरा, डॉक्टर मधुमति ऑन ड्यूटी जैसे शोज में भी नजर आ चुके हैं।

5 करोड़ 38 हजार व्यूज के साथ समय रैना ने बनाया रिकॉर्ड 'स्टिल अलाइव' बना सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्टैंड अप

कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना ने करीब एक साल बाद 'स्टिल अलाइव' से वापसी की है। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी कामियाबी भी हासिल कर ली। रैना के शो ने कई मिलियन व्यूज हासिल कर लिए हैं।

सबसे ज्यादा देखा जाने वाला कॉमेडी शो

समय रैना के शो 'स्टिल अलाइव' को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जिसके साथ यह सबसे ज्यादा देखा जाने वाला लंबा स्टैंडअप कॉमेडी शो बन गया है। यह कॉमेडी स्पेशल 7 अप्रैल, 2026 को रिलीज हुआ था जिसे 53.8 मिलियन व्यूज मिले। जिसके साथ ही अपने व्यूज के हिसाब से दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला फुल-लेंथ स्टैंड-अप कॉमेडी बन गया है। 'स्टिल अलाइव' ने अपने पहले 24 घंटों में ही 22 मिलियन से अधिक व्यूज बटोर लिए थे।

दर्शकों का किया शुक्रिया

समय रैना ने अपने शो में 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर हुए विवाद उसके बाद के एक साल के संघर्ष को शेयर किया। उन्होंने कहा, 'स्टिल अलाइव मेरी अब तक की सबसे ईमानदार रचना है। इसके हर व्यूज का श्रेय उन लोगों को जाता है जो लगातार मेरा साथ देते रहे।'

क्या थी 'इंडियाज गॉट लेटेंट' की कॉन्ट्रोवर्सी?

बीते साल समय रैना का विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' डार्क कॉमेडी और आपत्तिजनक व अश्लील चुटकुलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। इसी शो के एक एपिसोड में रणवीर अल्लाहबादिया ने माता-पिता को लेकर एक बेहद अपमानजनकर टिप्पणी कर दी थी। जिसपर सोशल मीडिया समेत कई संगठनों ने काफी हंगामा किया था। समय रैना और रणवीर दोनों को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। साथ ही पुलिस एफआईआर हुईं। समय रैना को अपने शो के सारे एपिसोड डिलीट करने पडे.। उन्होंने इसे लेकर माफी भी मांगी।

शादी की 55वीं सालगिरह पर राकेश रोशन ने पत्नी पिंकी पर लुटाया प्यार

बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने आज अपनी पिंकी को शादी की सालगिरह पर शुभकामनाएं दी हैं। इस खास अवसर पर उन्होंने पत्नी पिंकी रोशन के लिए सोशल मीडिया पर एक खास नोट भी लिखा है।

राकेश रोशन ने पत्नी के शेयर की खास तस्वीरें

आज अपनी शादी की 55वीं सालगिरह पर राकेश रोशन ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो खास तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में राकेश अपनी पत्नी पिंकी के साथ एफिल टावर को निहारते नजर आ रहे हैं। इस पहली तस्वीर में दोनों के चेहरे नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में राकेश और पिंकी किसी खास जगह पर एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं।

राखी सावंत की अतरंगी हरकतों से नहीं बच पाईं अमीषा पटेल वायरल वीडियो देखकर फैंस की भी छूट गई हंसी

राखी सावंत अक्सर ही पैपराजी के सामने अटपटी और अतरंगी हरकतें करने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वह एयरपोर्ट पर अमीषा पटेल से टकरा गईं। इस मुलाकात में राखी सावंत ने अमीषा पटेल के साथ मस्ती-मजाक करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। दोनों का वायरल वीडियो देखकर फैंस भी खूब लोट-पोट हुए, वीडियो के कमेंट सेक्शन में यूजर्स ने फनी इमोजी पोस्ट किए हैं।

राखी सावंत ने अमीषा को गोद में उठा लिया

अमीषा पटेल ने पहले पीछे से आकर राखी की आंखों पर हाथ रखा। राखी उन्हें पहचानने की कोशिश करने लगीं। जब राखी ने अमीषा को देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। राखी ने पहले तो अमीषा को गले लगाया। इसके बाद उन्हें गोद में उठाने की कोशिश की। इस पर अमीषा का हंस-हंसकर बुरा हाल हो गया।

फैंस ने भी वायरल वीडियो पर दिए रिएक्शन

राखी सावंत और अमीषा पटेल के फनी वीडियो को देखकर फैंस की हंसी छूट गई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने राखी सावंत को ड्रामा क्वीन कहा, वहीं कुछ लोगों ने अमीषा पर खूब प्यार लुटाया। राखी और अमीषा का फनी अंदाज कई फैंस को खूब पसंद आया है।

अमीषा पटेल और राखी सावंत का करियर फ्रंट?

अमीषा पटेल के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'गदर 2' और 'तौबा तेरा जलवा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। वहीं राखी सावंत हाल ही में बिग बॉस मराठी के सीजन 6 में नजर आईं।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले

कहा– बस्तर में डायमंड बहुत, सही पॉलिश की जरूरत, 50 सीटर बस में 100 स्टूडेंट लाए गए

जगदलपुर/दंतेवाड़ा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे, जहां सिहाड़ी बीज से बनी माला से उनका स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बच्चों से मुलाकात की।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, बस्तर में 50 स्कूल मैदानों को विकसित किया जाएगा, जहां बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी। 'मैदान कप' प्रतियोगिता के जरिए हजारों बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। इस पहल को मांदेशी और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का सहयोग मिल रहा है।

करीब 5 हजार से ज्यादा बच्चों को इस अभियान से सीधा लाभ मिलेगा। कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स और वॉलीबॉल जैसे खेलों के जरिए बस्तर के युवाओं को नई पहचान देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि बस्तर में डायमंड बहुत है बस सही तरीके से पॉलिश की जरूरत है।

वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे। यहां भीषण गर्मी में बच्चों को

अलग-अलग गांव से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। टीचर ने बताया कि एक बस में 100 से ज्यादा बच्चों को बैठाकर लाया गया। जबकि बस 50 सीटर है।

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें।

यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे।

मेरे पिता ने एडवाइस दी कि क्रिकेट कितने साल चलेगा, मैंने कहा 10 से 15 साल, मेरे पिता ने कहा था उसके बाद क्या? आप अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें।

कार्यक्रम के लिए बच्चों को बसों में ठूंसकर लाया गया, इसे मामले में दंतेवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर ने कहा कि, स्कूली बच्चों को सचिन तेंदुलकर के कार्यक्रम में लाया गया है। जब उनसे पूछा गया कि इतनी गर्मी में ठूंसकर क्यों ला रहे? तो उन्होंने कहा कि मैं एक वीसी में हूं बाद में बात करता हूं।

जानकारी के मुताबिक, सचिन का टोटल 3 जगह कार्यक्रम तय था, लेकिन गीदम ऑडिटोरियम में शिक्षकों-बच्चों से मुलाकात और पनेड़ा क्रिकेट ग्राउंड का उद्घाटन दौरा रद्द हो गया है।

सचिन तेंदुलकर के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आने वाले थे, लेकिन किसी कारण से उनका दौरा कैंसिल हो गया है। बता दें कि मांदेशी फाउंडेशन और जिला प्रशासन का यह संयुक्त कार्यक्रम है। मास्टर-ब्लास्टर के दौरे को लेकर सुरक्षा के लिहाज से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

16 लाख की अफीम जब्त, तस्कर गिरफ्तार

घर की घेराबंदी कर ली सघन तलाशी, 3 किलो 264 ग्राम गीली अफीम बरामद

चतरा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अवैध अफीम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 लाख रुपये की अफीम जब्त की है। पुलिस ने कुन्दा थाना क्षेत्र से एक तस्कर को उसके घर से गिरफ्तार किया। एसपी अनिमेश नैथानी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुन्दा थाना क्षेत्र के टिटही भरगांव निवासी नन्दकिशोर गंझू ने अपने घर में अफीम का बड़ा जखीरा छिपा रखा है। वह इसे बड़े बाजारों में बेचने की फिराक में था। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी अनिमेश नैथानी ने तत्काल सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहब के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया। पुलिस टीम ने टिटही भरगांव में नन्दकिशोर गंझू के घर की घेराबंदी की और सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर के भीतर छिपाकर रखी गई 3 किलो 264 ग्राम गीली अफीम बरामद की गई।

हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने ड्राइवर को उतार खुद चलाई जेसीबी

लोग बोले– यह तो हैवी ड्राइवर निकले

ऊना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वो जेसीबी चलाते हुए नजर आ रहे हैं। उनके साथ कुछ और लोग भी सवार है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जेसीबी को पहले एक ड्राइवर चला रहा था।

डिप्टी सीएम उसे उतरने के लिए कहते हैं और खुद ड्राइविंग सीट पर बैठ जाते हैं। इस दौरान वो जेसीबी चलाते है। डिप्टी सीएम को जेसीबी चलाते वहां मौजूद हैरान रहे जाते है और तालियां बजाना शुरू कर देते हैं। वीडियो में वो जेसीबी में कुछ और लोगों के बैठाकर भी उसे चलाते हुए दिखाई देते हैं।

डिप्टी सीएम ने खुद शेयर किया वीडियो

दअसल मुकेश अग्निहोत्री ने हरोली विधानसभा क्षेत्र के बीटन गांव में तालाब के निर्माण कार्य के भूमि पूजन करने पहुंचे थे। इसी

दौरान वो सूखे तालाब में उतरे और जेसीबी का स्टेयरिंग थामा। इसके बाद डिप्टी सीएम प्रदेश के पहले ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक और ट्रैफिक पार्क का लोकार्पण करने पहुंचे हैं। उन्होंने इसका वीडियो शेयर करते हुए अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि आज बीटन गांव में 2 करोड़ की लागत से बनने वाले तालाब के भूमि पूजन के दौरान।

फेसबुक पोस्ट पर लोगों ने किए कमेंट

डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री की इस फेसबुक पोस्ट को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो पर काफी लोगों ने कमेंट भी किए हैं। कुछ लोगों ने डिप्टी सीएम के कामों की तारीफ की है। वहीं एक यूजर ने उनके जेसीबी चलाने पर लिखा यह तो हैवी ड्राइवर निकले। डिप्टी सीएम के इस वीडियो को एक हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है। वहीं 57 लोगों ने इसपर कमेंट तो 22 ने इसे शेयर भी किया है।

जिंदा पैंगोलिन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

50 करोड़ बता रहे थे रेट, सौदेबाजी के दौरान फंसे, वन विभाग ने झोपड़ी से किया बरामद

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर में जिंदा पैंगोलिन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार हुए हैं। वन विभाग की टीम ने दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पैंगोलिन को तस्करों से रेस्क्यू भी कर लिया गया है। आरोपी शिकार करने के बाद उसे बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान सौदेबाजी के दौरान वन विभाग को सूचना मिल गई। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया कि वन विभाग को सूचना मिली की दो व्यक्ति पैंगोलिन बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। मार्केट में इसका सौदा कर रहे हैं।

इस सूचना पर वन विभाग की टीम को घेराबंदी के लिए मौके पर भेजा गया। आरोपियों की लोकेशन भाठागांव के पास रावण भाटा मैदान के पास जानकारी मिली। टीम के कुछ सदस्य आरोपियों के पास अपनी पहचान छिपाकर बातचीत के लिए गए। इस बातचीत के दौरान आरोपियों ने पैंगोलिन की कीमत करीब 50 करोड रुपए बताई। जब उनसे पैंगोलिन दिखाने के लिए कहा गया तो वह पास में ही एक कॉलोनी के पीछे झोपड़ी के भीतर ले गए। जहां वह पैंगोलिन को छिपाकर रखे थे।

पैंगोलिन जिंदा हालत में था। वन विभाग की टीम ने फौरन आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी प्यारेलाल गोपचे और गोखन हलदार बालाघाट और कांकेर जिले के रहने वाले है। वन विभाग के अधिकारियों की मुताबिक आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने किस तरह पैंगोलिन का शिकार किया। इसके पहले भी ये कितने पैंगोलिन पकड़ चुके है। यह सब जानकारी जुटाई जा रही है।

227 किलो का बम डिफ्यूज

जमशेदपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बहरागोड़ा प्रखंड के पानीपड़ा-नागुड़साई क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी किनारे मिला 227 किलोग्राम वजनी बम आज डिफ्यूज किया गया। भारतीय सेना की बम निरोधक टीम ने कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच इस हाई रिस्क ऑपरेशन को अंजाम दिया। अंतिम मंजूरी नहीं मिलने के कारण अभियान को टाल दिया गया था। आज इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जिससे बाद से पूरे इलाके ने राहत की सांस ली।

ऑपरेशन के दौरान नदी तट और आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया गया था। आम लोगों की आवाजाही पर सख्त रोक लगाई गई थी। सेना की 51 इंजीनियर रेजिमेंट की बम निरोधक टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पश्चिम बंगाल में बनेगी बीजेपी की सरकार

सीएम विष्णुदेव साय का दावा, कहा– वहां लोगों में टीएमसी के खिलाफ गुस्सा

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी के शासन से त्रस्त है। बदलाव की ओर जनता देख रही है, मुझे लगता है कि भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी।

सीएम साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। मैंने स्वयं बंगाल जाकर चार विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन रैलियों में हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और लोगों में टीएमसी तथा ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ गहरा गुस्सा है।

सीएम साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल पर तंज कसते हुए

सीएम साय ने कहा कि 15 साल के टीएमसी शासन में कुछ भी नहीं हुआ। अब जनता परिवर्तन चाहती है।

सदन में निंदा प्रस्ताव लाएगी सरकार

महिलाओं के आरक्षण पर उन्होंने कहा कि देश की माताओं-बहनों के साथ विपक्षी दलों ने बहुत बड़ा अन्याय किया है। पीएम मोदी 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाना चाहते थे। लेकिन, विपक्षी दलों ने महिलाओं के हक को नहीं मिलने दिया। उन्होंने घोषणा की कि विधानसभा में इस मुद्दे पर निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन की शुरुआत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक 24 घंटे चलने वाली 'सीएम हेल्पलाइन' शुरू करने की घोषणा की। यह हेल्पलाइन सप्ताह के सातों दिन काम करेगी। टोल-फ्री नंबर के माध्यम से कोई भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा। सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। यदि कोई अधिकारी तय समय-सीमा में शिकायत का निपटारा नहीं करता, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

10 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य

सीएम ने 'लखपति दीदी' का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाकर आत्मनिर्भर बना रही है। प्रदेश में 8 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अब नया लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदी बनाने का रखा गया है। यह पहल न केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को गति दे रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मृतक के परिजनों को 24 घंटे में मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने का आदेश

बिहार सरकार का फरमान

पटना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य की ग्राम पंचायतों में मौजूद मोक्षधाम और कब्रिस्तान में अंत्येष्टि होने पर मृतक के परिजनों को 24 घंटे में मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया जाए। यह निर्देश पंचायती राज विभाग के निदेशक नवीन कुमार सिंह ने विभागीय स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान पदाधिकारी को दी। इस बैठक में सभी जिलों के उप-विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी तथा जिला परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। निदेशक ने इस दिशा में बेहतर कार्य करने वाले जिलों की प्रशंसा की और अन्य जिलों के पदाधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कहा।

'भवन जल्द क्रियाशील होंगे'

राज्यभर में निर्मित पंचायत

सरकार भवनों को जल्द क्रियाशील करने के लिए भी निदेशक ने पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों की तरफ से बनाए जाने वाले पंचायत सरकार भवनों का स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन से प्राक्कलन की स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र निर्माण कार्य पूरा करने के लिए भी कहा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत राज्य की ग्राम पंचायतों में कुल 10 लाख 77 हजार 158 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। निदेशक ने महीने के अंत तक शत-प्रतिशत अधिष्ठापन का लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया है। काम में लापरवाही करने वाली एजेंसियों से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए उनपर अनुबंध के अनुसार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों से कहा कि अधिष्ठापित सोलर स्ट्रीट लाइट्स क्रियाशील रहे, इसका ध्यान रखा जाए। इसके अलावा स्वीकृत 2000 ग्राम पंचायतों में सारी प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र आधार सेवा केंद्र का संचालन सुनिश्चित करने कहा। बैठक में विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी ललित राही सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी और कर्मी भी उपस्थित रहें।

ध्यान रहे कि मृत्यु प्रमाण पत्र बिहार में भूमि बंटवारा, उत्तराधिकार, बैंक खाता बंद करने और राशन कार्ड एवं पेंशन जैसे सरकारी रिकॉर्ड को अपडेट करने सहित कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए जरूरी होता है। हाल ही में सरकार ने स्थानीय अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर ये प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है ताकि प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सके। विशेष रूप से भूमि सर्वे अभियानों के दौरान इसकी जरूरत पड़ सकती है।

खांसी के सिरप समेत 7 दवाइयां मिली अमानक

बेचने पर रोक लगाई गई, पेट के कीड़े मारने की दवा भी शामिल

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने 7 अलग-अलग कंपनियों की दवाइयां जांच में अमानक मानी हैं। इसमें बैक्टीरियल इन्फेक्शन को खत्म करने वाली सीरप, खांसी का सीरप, गठिया रोग आदि में उपयोग आने वाली दवाइयां शामिल हैं।

डिपार्टमेंट के ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया- इन दवाईयों के सैंपल 1 से 15 अप्रैल के बीच अलग-अलग जगहों से लिए गए है। इन सभी के सैंपल की जांच रिपोर्ट आई है। इसमें 7 दवाईयों के सैंपल अमानक मिले है। उन्होंने बताया- इनमें दो दवाइयां तो ऐसी हैं, जो बैक्टिरियल इंफेक्शन को खत्म करने के उपयोग में ली जाती है। वहीं, एक एंटीबायोटिक्स, एक खांसी की सीरप समेत अन्य दवाइयां हैं।

पार्षद के भाई के साथ मारपीट

रायगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में भाजपा पार्षद के भाई के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के विरोध में बुधवार को महापौर, सभापति और भाजपा पार्षद कोतवाली थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग करते हुए वहीं बैठकर विरोध करने लगे।

मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 31 की भाजपा पार्षद त्रिनिषा चौहान मंगलवार रात अपने परिवार के साथ देवांगन धर्मशाला में एक शादी में गई थीं।

वापस लौटते समय मेन रोड पर कुछ युवकों ने धुमाल (डीजे) की गाड़ी सड़क पर खड़ी कर रखी थी। पार्षद के भाई ने गाड़ी हटाने को कहा, तो इसी बात पर विवाद हो गया और 5-7 लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी। इससे वह घायल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही महापौर, सभापति और भाजपा पार्षद बुधवार को कोतवाली थाने पहुंच गए और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे।

वे थाने के सामने बैठकर विरोध करने लगे। काफी देर तक कोई पुलिस अधिकारी उनसे बात करने नहीं आया, तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी।

बाद में पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

भाजपा पार्षद त्रिनिषा चौहान ने बताया कि वे शादी कार्यक्रम से लौट रहीं थीं। रास्ते में धुमाल की गाड़ी सड़क के बीच में खड़ी थी, जिसे हटाने के लिए कहा गया। इसी बात पर युवकों ने विवाद शुरू कर दिया और मारपीट करने लगे।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने छड़ और बांस से हमला किया, जिससे उनके भाई के सिर, चेहरे और जबड़े में चोटें आईं है। इसके साथ ही जातिगत गाली-गलौज भी की गई। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं तो शहरवासी कैसे सुरक्षित रहेंगे

महापौर जीवर्धन चौहान ने बताया कि वार्ड नंबर 31 की पार्षद अपने परिवार के साथ शादी कार्यक्रम से घर लौट रही थीं, तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

उन्होंने कहा कि पार्षद के भाई पर जानलेवा हमला किया गया है। महापौर ने बताया कि वे पुलिस को यह बात बताने आए हैं कि जब जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित रहेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अधिकारी अभी तक मौके पर नहीं पहुंचे हैं और जब तक कार्रवाई नहीं होती, उनका विरोध जारी रहेगा।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि रात में पुलिस को सूचना मिली थी कि शादी से लौटते समय महिला पार्षद और उनके परिवार के साथ कुछ लोगों का झगड़ा हो गया है।

मां से दोस्ती में आड़े आ रहा था शिवराज

आरोपी ने गला रेतकर नीले ड्रम में भरा, ससुराल से हुआ गिरफ्तार

सतना, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में सतना जिले की बैंक कॉलोनी में 11 वर्षीय मासूम शिवराज उर्फ बादल की नृशंस हत्या की गुत्थी कोलगवां पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा ली है। कत्ल के बाद लाश को नीले ड्रम में छिपाकर फरार हुए आरोपी मथुरा प्रसाद को पुलिस ने उसके ससुराल (अमिलिया-कोल्हुआडीह) से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने चौकाने वाले खुलासे किए है। पुलिस कस्टडी में आरोपी मथुरा प्रसाद ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वह बैंक कॉलोनी में प्रेस की दुकान चलाता था। इसी दौरान उसकी मृतक की मां आशा रजक से जान-पहचान हो गई। मथुरा का अक्सर घर आना-जाना था। मासूम शिवराज और उसकी बड़ी बहन सेजल को वह खटकता था। दोनों बच्चे इसका विरोध करते थे और नासिक में रहने वाले अपने पिता रमेश रजक को इसकी शिकायत कर देते थे। इसी बात को लेकर पिता रमेश और आरोपी मथुरा के बीच पहले भी तीखा विवाद हुआ था। सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी इसी रंजिश को मन में पाले हुए आशा के घर पहुंचा। घर में मासूम शिवराज अकेला था। आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि वह अपनी मां से मिलने-जुलने की शिकायत पिता से न करे। लेकिन निडर बालक ने उसे फटकार लगाई और घर से दूर रहने की सख्त हिदायत दी। बस यही बात आरोपी को नागवार गुजरी। गुस्से में अंधे होकर मथुरा ने पहले बालक का गला दबाया और फिर पास ही रखी लोहे की हसिया से उसका गला रेत दिया।

सतना पुलिस की पूछताछ में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी केवल शिवराज ही नहीं, बल्कि उसकी बड़ी बहन सेजल को भी जान से मारने की नीयत से आया था, क्योंकि वह भी मथुरा के दखल का विरोध करती थी। गनीमत रही कि वारदात के समय सेजल घर पर मौजूद नहीं थी। वारदात के बाद आरोपी ने शव को नीले ड्रम में ठूसा, घर को बाहर से ताला लगाया और फरार हो गया।

ड्राईफ्रूट कारोबारी की पत्नी की हत्या

मृतका का भाई बोला– उसे मारकर फंदे पर लटकाया, ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज

डीडवाना-कुचामन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। डीडवाना कुचामन जिले में ड्राईफ्रूट कारोबारी की पत्नी की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पीहर पक्ष का आरोप है कि ससुराल वालों ने हत्या कर महिला का शव फंदे से लटका दिया।

घटना जिले के नावां कस्बे में मंगलवार की शाम को हुई। कुचामन सीओ मुकेश चौधरी ने बताया कि हमें सूचना मिली कि एक विवाहिता निकिता(24) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। शुरुआत में सुसाइड का मामला लग रहा था। लेकिन मृतका के भाई नवीन की रिपोर्ट पर आज पति, जेठ- जेठानी और सास-ससुर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भाई नवीन ने बताया कि

निकिता की शादी 3 साल पहले लूणवा निवासी महावीर मीणा के साथ हुई थी। पति ड्राई-फ्रूट शहर से लाकर गांव में सप्लाई करने का बिजनेस करते हैं।

हालांकि हमें कुछ समय बाद ही पता चला कि पति सट्टेबाजी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। इसी बात को लेकर घर में कई बार विवाद भी हुआ था। ससुराल वाले निकिता को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे।

भाई का कहना है कि मंगलवार की शाम को ससुराल से मुझे फोन आया। कहा कि निकिता ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया है। उसकी हालत नाजुक है, उसे इलाज के लिए जयपुर लेकर जा रहे हैं। लेकिन जयपुर में हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत होने की सूचना मिली।

भाई का आरोप है कि निकिता के शरीर पर चोट के निशान हैं। यह सुनियोजित हत्या है। ससुराल पक्ष के लोग घटना के बाद से ही स्थिति को घुमाने का प्रयास कर रहे हैं। महिला के एक साल की बेटी है।

दोस्त की बारात बनी आखिरी रात, हादसे में गई जान

चतरा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा में दोस्त की बारात में डांस कर रहे शख्स की हाइवा की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना सिमरिया में मंगलवार की देर रात हुई। दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए वो हजारीबाग से चतरा पहुंचा था। मृतक की पहचान हजारीबाग के खपरियावा निवासी 40 वर्षीय अजय कुमार साव के रूप में गई। इधर, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने हजारीबाग-सिमरिया रोड जाम कर दिया।

यह घटना सिमरिया के बनासाड़ी गांव में हुई। अजय कुमार साव अपने दोस्त की बारात में डांस कर रहे थे। इसी दौरान कोयला लदे एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि अजय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद शादी वाले घर में मातम छा गया। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों और बारातियों ने मुआवजे की मांग पर रात करीब एक बजे सिमरिया-हजारीबाग मुख्य पथ को जाम कर दिया।

सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इधर, ग्रामीणों ने उस हाइवा को भी पकड़ लिया, जिससे यह हादसा हुआ। ड्राइवर भागने में कामयाब रहा।

मृतक अजय कुमार साव पेशे से मजदूर थे और अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। वह अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं।

सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ बंद

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का हाल क्या?

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार तीन दिन की तेजी के बाद आज गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सूचकांक- सेंसेक्स 756.84 अंक गिरकर 78,516.49 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 831.03 अंक तक गिरा था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 24,378.10 पर बंद हुआ। जानकारों के मुताबिक विदेशी फंडों की निकासी और पश्चिम एशिया में अस्थिरता के कारण निवेशकों में डर का माहौल देखा गया।

एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा 10.85 फीसदी की गिरावट आई। मार्च तिमाही के नतीजों से निवेशकों को खुशी नहीं मिली। कंपनी का शुद्ध लाभ 4,488 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक भी प्रमुख नुकसान में रहे। बुधवार को लाभ

यानी हरे निशान पर रहने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, इटरनल और ट्रेंट प्रमुख रहे।

बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया भी कमजोर हुआ। कारोबार खत्म होने के समय रुपया 39 पैसे गिरकर 93.83 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने बताया कि घरेलू इक्विटी बाजारों में तीव्र बिकवाली भी हुई। विदेशी पूंजी निकासी के कारण भी भारतीय मुद्रा कमजोर हुई। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 93.87 के निचले स्तर तक भी पहुंचा। 23 मार्च को पहली बार रुपया 94 के स्तर तक भी पहुंचा था। मंगलवार को रुपया 28 पैसे गिरकर 93.44 पर बंद हुआ था। सोमवार को भी रुपया 25 पैसे फिसला था।

मीराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिका-ईरान वार्ता पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल रुपये की गिरावट के प्रमुख कारण रहे। विश्लेषकों के मुताबिक बुधवार को होर्मुज में दो जहाजों पर हमले से चिंता और गहराने लगी है।

अनुज चौधरी ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसे निकाल रहे हैं। दबाव के बीच रुपये में नकारात्मक रुझान बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, अमेरिकी डॉलर के नरम होने से रुपये में तेज गिरावट रुक सकती है। बुधवार को वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.29 फीसदी बढ़कर 99.75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर के मुताबिक पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार पर गहरा असर दिख रहा है। गौरतलब है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण ऊर्जा बाजार में कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को कमजोरी का मुख्य कारण बताया। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से जुड़े संशयों के बीच अस्थिरता गहराने की आशंका है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार 21 अप्रैल 2026 को 1,918.99 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक तेजी के साथ बंद हुए। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुआ। यूरोप के बाजार मिश्रित रुख के साथ कारोबार कर रहे थे।

60 साल पुराने गन्ना कानून में बदलाव की तैयारी

इथेनॉल व डिजिटल नियम जोड़े गए; सरकार ने 20 मई तक मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग को लेकर बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। सरकार 1966 के पुराने शुगरकेन कंट्रोल ऑर्डर को हटाकर एक नया और आधुनिक कानून लाने की तैयारी में है। इस नए ड्राफ्ट में चीनी उत्पादन के साथ-साथ इथेनॉल उत्पादन, डिजिटल रिपोर्टिंग और फैक्ट्री की मंजूरी से जुड़े नियम भी शामिल किए गए हैं। इस पर 20 मई तक जनता से सुझाव मांगे गए हैं। नए नियमों में पुराने कानून की कुछ मुख्य बातें बरकरार रखी गई हैं, जैसे गन्ने का उचित मूल्य, गन्ना आपूर्ति की व्यवस्था, 14 दिन के भीतर किसानों को भुगतान और देरी होने पर 15% सालाना ब्याज।

लेकिन सबसे बड़ा बदलाव इथेनॉल को लेकर किया गया है। अब चीनी फैक्ट्रियों की परिभाषा में इथेनॉल उत्पादन को भी शामिल किया जाएगा। यानी गन्ने के रस, सिरप, चीनी और शीरे (मोलासेस) से इथेनॉल बनाने

वाली इकाइयों को भी इस कानून के तहत माना जाएगा। नए नियम में यह भी तय किया गया है कि 600 लीटर इथेनॉल को 1 टन चीनी के बराबर माना जाएगा। इससे उत्पादन का हिसाब आसान होगा। इसके अलावा जो फैक्ट्रियां सिर्फ इथेनॉल बनाती हैं और गन्ना खुद नहीं पीसतीं, उन्हें बैंक गारंटी की सख्त शर्तों से छूट दी गई है। यह कदम इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

नए ड्राफ्ट में क्या-क्या नए नियम?

बता दें कि नए ड्राफ्ट में पहली बार फैक्ट्री खोलने, मंजूरी लेने, न्यूनतम दूरी तय करने और प्रोजेक्ट पूरा करने की समय सीमा जैसे नियम जोड़े गए हैं। ऐसे में अगर कोई फैक्ट्री 7 साल तक बंद रहती है तो उसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। सरकार ने डिजिटल रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग सिस्टम भी शुरू करने का प्रस्ताव रखा है, जिससे हर फैक्ट्री को एक कोड दिया जाएगा और ऑनलाइन मॉनिटरिंग होगी।

उद्योग से जुड़े संगठनों ने क्या कहा?

इसके साथ ही अब चीनी उद्योग के उप-उत्पाद जैसे इथेनॉल, बिजली और जैविक खाद के मूल्य को भी नए तरीके से जोड़ा जाएगा। मामले में उद्योग से जुड़े संगठनों ने कहा है कि 1966 का कानून पुराना हो चुका है और इथेनॉल जैसी नई तकनीक को इसमें शामिल करना जरूरी था। हालांकि कुछ संगठनों ने खांडसारी इकाइयों पर बढ़ी सख्ती पर चिंता भी जताई है। भारत दुनिया में ब्राजील के बाद चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

सोना 105 गिरकर 1.52 लाख पर आया

चांदी 836 सस्ती, 2.49 लाख पर आई

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 22 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 105 रुपए गिरकर 1,52,250 रुपए पर आ गया है। इससे पहले 21 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,355 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं एक किलो चांदी 836 रुपए गिरकर 2,49,677 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2,50,513 रुपए प्रति किलो थी।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य	मेष	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मेष.....	05-29 बजे
वृष....	07-14 बजे
मिथुन..	09-15 बजे
कर्क...	11-27 बजे
सिंह---	13-39 बजे
कन्या--	15-46 बजे
तुला---	17-51 बजे
वृश्चिक..	20-01 बजे
धनु.....	22-15 बजे
मकर...	00-21 बजे
कुंभ...	02-12 बजे
मीन....	03-50 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय **05-58**
सूर्यास्त. **18 -30**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष गुरुवार **23 April 2026**
तिथि - सप्तमी **20-49** रात्री तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - पुनर्वसु **20-57** रात्री तक उप पुष्य
योग - सुकर्मा **06-07** तक उप धृति
करण - गर **09-45** तक उप वणिज

विशेषः श्री गंगा सप्तमी गंगोत्पति गुरु पुष्य योग रात से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-49 से
15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघड़िया		
शुभ	**06-03 - 07-31**	शुभ
रोग	**07-31 - 09-05**	अशुभ
उत्पात	**09-05 - 10-40**	अशुभ
चंचल	**10-40 - 12-15**	शुभ
लाभ	**12-15 - 13-49**	शुभ
अमृत	**13-49 - 15-24**	शुभ
काल	**15-24 - 16-58**	अशुभ
शुभ	**16-58 - 18-28**	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	**18-28 - 19-58**	शुभ
चंचल	**19-58 - 21-24**	शुभ
रोग	**20-24 - 22-49**	अशुभ
काल	**22-49 - 00-14**	अशुभ
लाभ	**00-14 - 01-40**	शुभ
उत्पात	**01-40 - 03-05**	अशुभ
शुभ.	**03-05 - 04-30**	शुभ
अमृत	**04-30 - 06-03**	शुभ

चीन में चांदी की मांग में काफी उछाल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। चांदी की कीमत में पिछले साल काफी तेजी आई थी। इसके बावजूद चांदी की डिमांड लगातार बढ़ रही है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश चीन में चांदी की डिमांड में ऐतिहासिक तेजी देखी जा रही है। देश में मार्च में चांदी का आयात पिछले महीने के मुकाबले 78 फीसदी बढ़कर 836 टन पहुंच गया। यह मार्च महीने के पिछले 10 साल के एवरेज से 173 फीसदी अधिक है। इस साल चीन में चांदी का आयात 1,626 टन के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आखिर चीन में क्यों बढ़ रही है चांदी की डिमांड?

चांदी की डिमांड में तेजी की सबसे बड़ी वजह रिटेल इनवेस्टर्स यानी आम लोग हैं। सोना महंगा होने के कारण चीन के लोग सस्ते विकल्प के रूप में चांदी खरीद रहे हैं। साथ ही सोलर मैन्युफैक्चरर्स ने भी एक्सपोर्ट टैक्स छूट को खत्म होने से पहले मार्च में जमकर चांदी का आयात किया। यह छूट 1 अप्रैल को खत्म हो चुकी है। चांदी की कुल सालाना सप्लाई का करीब 20 फीसदी सोलर इंडस्ट्री को जाता है।

इस बीच सिल्वर मार्केट लगातार छठे साल डेफिसिट की तरफ बढ़ रहा है। 2026 में ग्लोबल सिल्वर डेफिसिट पिछले साल के मुकाबले 15 फीसदी बढ़कर 46 मिलियन औंस पहुंचने का अनुमान है। 2021 से अब तक चीन का ग्लोबल स्टॉक 762 मिलियन औंस कम हो चुका है। इससे फिजिकल सिल्वर मार्केट में शॉर्टेज का खतरा है। इंडस्ट्रियल सिल्वर फैब्रिकेशन में इस साल 3 फीसदी गिरावट की आशंका है। अमेरिका में कॉइन और बार की डिमांड बढ़ी है लेकिन सप्लाई में 2 फीसदी गिरावट का अनुमान है।

चीन और चांदी

चीन में चांदी की डिमांड में काफी तेजी आई है

मार्च में चांदी का आयात 78 फीसदी बढ़ गया

सोने के विकल्प के रूप में लोग चांदी खरीद रहे

साथ ही सोलर इंडस्ट्री में भी इसका व्यापक यूज है

सोने की आयात

चीन में चांदी के साथ-साथ सोने का आयात भी मार्च में बढ़ा है। इस दौरान चीन ने 162 टन सोने का आयात किया जो मार्च 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। देश में लगातार तीसरे महीने सोने के आयात में तेजी आई है। इस साल चीन 365 टन सोने का आयात कर चुका है। इतना ही नहीं चीन के सेंट्रल बैंक ने भी मार्च में 5 टन सोना खरीदा। यह फरवरी, 2025 के बाद सबसे ज्यादा मंथली इम्पोर्ट है। चीन के सेंट्रल बैंक ने लगातार 17वें महीने सोने की खरीद की है। इसके साथ

जेएएल अधिग्रहण मामला: अडानी की बोली के खिलाफ वेदांता की चुनौती, एनसीएलएटी ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्ज में डूबी कंपनी जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज कंपनी अडानी और वेदांता के बीच कानूनी जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने बुधवार को वेदांता ग्रुप की याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। पिछले दिनों वेदांता ने अडानी एंटरप्राइजेज की बोली को चुने जाने के फैसले को चुनौती दी थी।

चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो सदस्यीय पीठ ने इस मामले में मैराथन सुनवाई पूरी की। सुनवाई के दौरान वेदांता, रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी), लेनदारों की समिति (सीओसी) और अडानी एंटरप्राइजेज के वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। ट्रिब्यूनल ने अब दोनों पक्षों को अगले दो दिनों के भीतर अपने लिखित तर्क प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

वेदांता ने क्या-क्या कहा?

वेदांता की ओर से पेश अधिवक्ता ने जेपी एसोसिएट्स के लेनदारों की ओर से अपनाए गए मूल्यांकन मानकों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि वेदांता ने जेएएल के लिए 17,926 करोड़ की भारी-भरकम बोली लगाई थी। वहीं, अडानी एंटरप्राइजेज ने 14,535 करोड़ की बोली लगाई। वेदांता का आरोप है कि अधिक मूल्य की पेशकश के बावजूद उनकी बोली को खारिज कर अडानी की कम मूल्य वाली बोली को चुनना तर्कसंगत नहीं है।

दूसरी ओर, लेनदारों की समिति (सीओसी) ने अपना बचाव किया। सीओसी ने कहा कि पूरी प्रक्रिया दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के नियमों के दायरे में रहकर की गई है। उनका कहना है कि किसी भी बोलीदाता के पास केवल उच्चतम मूल्य के आधार पर जीत का गारंटीशुदा अधिकार नहीं होता।

लेनदारों ने तर्क दिया कि किसी भी रिवाइवल प्लान का मूल्यांकन कई कारकों पर किया जाता है। इसमें तत्काल मिलने वाला कैश , योजना की व्यावहारिकता, भविष्य की कार्यक्षमता और निष्पादन की क्षमता देखी जाती है, न कि केवल बड़ी रकम। गौरतलब है कि वोटिंग प्रक्रिया में अडानी एंटरप्राइजेज को 89 प्रतिशत लेनदारों का समर्थन मिला था, जबकि डालमिया सीमेंट और वेदांता क्रमश, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे।

जून 2024 में 57,185 करोड़ के भारी कर्ज के कारण दिवालिया प्रक्रिया में शामिल हुई जेपी एसोसिएट्स के पास देश की बेशकीमती संपत्तियां मौजूद हैं। अगर रियल एस्टेट की बात की जाए तो ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में विशटाउन का हिस्सा और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी जेपी एसोसिएट्स की ही है।

इसके इतर होटल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में भी कंपनी की मजबूत पकड़ है। दिल्ली-एनसीआर, आगरा और मसूरी जैसे पर्यटन स्थलों पर स्थित 5 आलीशान होटल भी कंपनी के नाम है। वहीं, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट प्लांट और लीज पर ली गई चूना पत्थर की खदानें भी जेपी एसोसिएट्स के अधीन है। जेपी पावर वेंचर्स और यमुना एक्सप्रेसवे टोलिंग जैसी महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों में हिस्सेदारी भी है। अब सबकी निगाहें एनसीएलएटी के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जो यह तय करेगा कि जेपी एसोसिएट्स का भविष्य अडानी के हाथों में सुरक्षित है या वेदांता की दलीलों में दम है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपका करियर अधिक आत्मनिरीक्षण वाला लग सकता है, क्योंकि आप शांत ध्यान और सोच-समझकर योजना बनाने की ओर आकर्षित होंगे। नए नज़रिए की चिंगारी की बदौलत आपके विचारों में नवीनता प्रवाहित होती है। चुनौतियाँ आ सकती हैं, जो आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका तर्क और अनुशासन निरंतर प्रगति में सहायक होते हैं, जिससे आपको अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होता है। आपकी रचनात्मकता आपके काम में निखार लाती है और आपके विचारों को विशिष्ट बनाती है। आप दूसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति महसूस कर सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप भावनात्मक अंतर्दृष्टि और साहसिक कार्रवाई के साथ अपने काम को आगे बढ़ाएंगे। आपकी कर्तव्य भावना मजबूत है, जो चुनौतियों के आने पर भी आपको प्रतिबद्ध रहने में मदद करती है। गहरी भावनाएँ आपकी कल्पना को प्रेरित कर सकती हैं, लेकिन यथार्थवादी बने रहना महत्वपूर्ण है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
मेष राशि में सूर्य के प्रभाव में आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ती है, जो आपको करियर और पढ़ाई दोनों में जिम्मेदारी संभालने के लिए सशक्त बनाती है। सिंह राशि में चंद्रमा आपकी आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ाता है, जिससे समूह में आपकी उपस्थिति महसूस होती है। बृहस्पति का व्यापक प्रभाव आशाजनक अवसर लाता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन आपके कार्य जीवन में सौम्य लेकिन शक्तिशाली ऊर्जा प्रदान करता है, जो आपको दूसरों से जुड़ने और सार्थक समर्थन प्रदान करने में मदद करता है। आपके प्रयासों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा। हालाँकि, ज़मीन पर बने रहें, क्योंकि उच्च ऊर्जा रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपको महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए आत्म-जागरूकता की आवश्यकता है। आपको ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपको अपने सामान्य तरीकों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती हैं। नए विचार प्रगति की ओर ले जा सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर

खरीफ फसलों और खाद की सप्लाई पर मंडराया संकट

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने भारत को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि खरीफ की फसल की बुवाई से पहले भारत में खाद्य महंगाई का खतरा बढ़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव ने खाद की सप्लाई को प्रभावित किया है।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खाद पर 18.6 अरब डॉलर की सब्सिडी दी है। इसके बावजूद खाद की उपलब्धता कम होने का डर है। भारत अपनी जरूरत की लगभग 35 प्रतिशत खाद खाड़ी देशों से मंगवाता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट आने से यह सप्लाई रुक गई है।

मैक्सिमो टोरेरो ने बताया कि अगर यह संकट जारी रहा, तो भारत को आयात के लिए ज्यादा पैसे देने होंगे। इससे गेहूं, चावल और सब्जियों की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। भारत के घरेलू खाद कारखाने भी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं। गैस की कमी की वजह से ये कारखाने केवल 60 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। पंजाब में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के प्लांट शुरू तो हुए हैं, लेकिन उनके सामने कई मुश्किलें हैं।

भारत में मई से खरीफ फसलों की बुवाई शुरू होती है। साल 2026 में मानसून के सामान्य से कम रहने की 60 प्रतिशत संभावना है। अगर खाद के व्यापार में रुकावट 60 दिनों से ज्यादा रहती है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। खाद महंगी होने से किसान इसका इस्तेमाल कम करेंगे, जिससे पैदावार घट जाएगी। इसका सबसे ज्यादा असर चावल, मक्का और गेहूं जैसी फसलों पर पड़ेगा।

वैश्विक स्तर पर खाद की कीमतें पहले ही 50 से 80 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 30 प्रतिशत खाद और 25 प्रतिशत तेल का व्यापार होता है। वहां तनाव की वजह से जहाजों का बीमा बहुत महंगा हो गया है। टैंकरों की आवाजाही 90 से 95 प्रतिशत तक गिर गई है।

एफएओ के अनुसार, इस संकट से दुनिया भर के किसानों की आय पांच प्रतिशत तक कम हो सकती है। ईंधन महंगा होने से सिंचाई और ढुलाई का खर्च भी बढ़ेगा। अगर यह स्थिति लंबे समय तक रही, तो दुनिया की आर्थिक विकास दर 1.7 प्रतिशत तक गिर सकती है। इससे महंगाई बढ़ेगी और विकास की रफ्तार धीमी हो जाएगी। भारत के साथ-साथ बांग्लादेश, श्रीलंका और केन्या जैसे देशों पर भी इसका गहरा

फोर्ब्स लिस्ट- इलॉन मस्क सबसे अमीर लेकिन दान में पीछे

गेट्स और बफेट दान न करते तो दूसरे और तीसरे सबसे अमीर होते

न्यूयॉर्क, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने दुनिया के अमीरों की सूची एक नए नजरिये से जारी की है। अरबपतियों की संपत्ति की दोबारा गणना करते हुए उसमें उनके द्वारा किए गए दान को भी जोड़ा गया है। इसमें जानने की कोशिश की गई है कि दुनिया के सबसे उदार अरबपतियों ने कभी दान न किया होता, तो आज उनकी संपत्ति और रैंकिंग कैसी होती? इसका जवाब पाने के लिए फोर्ब्स ने 'ट्रू नेट वर्थ' रैंकिंग तैयार की। इसमें माना गया कि अरबपतियों ने जो शेयर दान किए, वे उनके पास ही रहते और नकद दान भी बाजार की दरों के हिसाब से निवेश होता। इलॉन मस्क फोर्ब्स की दोनों लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी संपत्ति का बेहद छोटा हिस्सा, करीब 0.06% ही वास्तविक दान किया है। बिल गेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट के करीब 73.1 करोड़ शेयर दान किए हैं। अगर उन्होंने ये शेयर अपने पास रखे होते, तो उनकी संपत्ति करीब 4 गुना ज्यादा होती और वे 19वें के बजाय दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति होते। इसी तरह, वॉरेन बफेट भी 9वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच जाते। 2006 से उनके द्वारा दान किए गए शेयरों की कीमत करीब 700% बढ़ी है। मैकिंजी स्कॉट 58 स्थान चढ़कर 26वें नंबर पर पहुंच जातीं। उनके पूर्व पति जेफ बेजोस, टॉप 5 से बाहर हो जाते।

पहलगाम हमले के बाद डिफेंस सेक्टर में तेजी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को एक साल हो गया है। इस हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार मिसाइल और ड्रोन हमले कर आतंकी ठिकानों और सैन्य ढांचे को निशाना बनाया। इसके बाद देश के डिफेंस सेक्टर में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। निवेशकों का रुझान बढ़ा, डिफेंस कंपनियों के शेयरों में उछाल आया और कई शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया।

पहलगाम हमले के बाद से निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में 37% की जबरदस्त तेजी आई है। एक इंडेक्स में शामिल 18 कंपनियों का कुल मार्केट कैप 2.9 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 11.92 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। सरकार ने भी इस दौरान रक्षा खरीद में तेजी लाते हुए वित्त वर्ष 2026 में अब तक 9.3 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में चार गुना अधिक है।

ट्रंप का फैसला तय करेगा 3000 करोड़ के उद्योग का भविष्य

युद्ध के चलते हजारों परिवारों पर संकट

उदयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध के कारण राजस्थान की तीन हजार करोड़ की क्वाट्र्ज इंडस्ट्री कठिन दौर में है। उत्पादन 40 फीसदी तक घट गया। इस संकट के बीच एक बड़ा संकट और आने वाला है, जिसका फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में है।

अमेरिका घरेलू निर्माताओं के समूह क्वाट्र्ज मैन्यूफैक्चरिंग एलायंस ऑफ अमेरिका ने क्वाट्र्ज इंडस्ट्री पर सेफगॉर्ड ड्यूटी लगाने की मांग की है। इसकी फाइल ट्रंप के पास भेजी जानी है। अगर यह ड्यूटी लागू हो जाती है तो इस इंडस्ट्री पर 50 से 60 फीसदी टैरिफ लगेगा।

इसको लेकर भारतीय क्वाट्र्ज उद्योग महासंघ अपना पक्ष रख चुका है। भारतीय निर्यातकों का

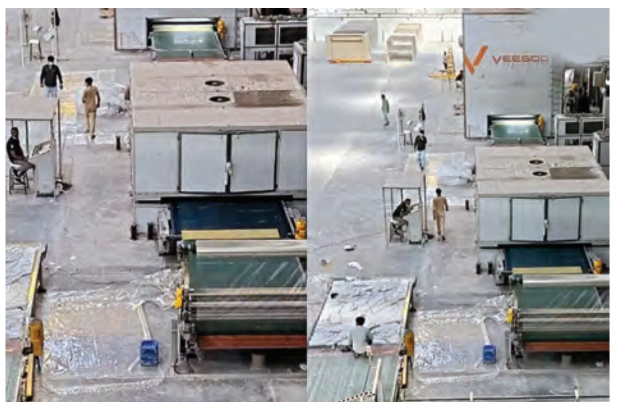

मानना है कि ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी के चलते यह ड्यूटी लागू होना लगभग तय है। कुल उत्पादन का 80 फीसदी से ज्यादा उत्पाद अमेरिका भेजे जाते हैं।

क्वाट्र्ज को स्फटिक या बिल्लौर भी कहते हैं। यह सख्त होता है, जो कांच को खरोंच सकता है। इसका उपयोग घड़ियों में समय को सटीक रखने के लिए किया जाता है। रेडियो, कंप्यूटर और मोबाइल फोन के सर्किट में भी इसका उपयोग होता है।

एक्सपर्ट्स बोलेः ट्रंप टैरिफ से इंडस्ट्री पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

टैरिफ के हटने के बाद अभी 10 फीसदी टैरिफ, 3.67 फीसदी एंटी डंपिंग ड्यूटी दे रहे हैं। लेकिन अगर अमेरिका फिर से 50 प्रतिशत टैरिफ लगा देगा तो स्थिति सिर्फ इंडस्ट्री को बंद करने पर आ सकती है।

क्वाट्र्ज इंडस्ट्री राजस्थान में 8 हजार और मेवाड़ में 3 हजार लोगों को रोजगार दे रही है। माइनिंग, प्लांट, ट्रांसपोर्टेशन आदि को मिलाकर मेवाड़ में 4 से 5 हजार लोग इस उद्योग से आजीविका चलाते हैं। आठ महीने पहले अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ लगाने के कारण इसकी कमर पहले ही टूट चुकी है।

वैश्विक संकट के कारण रेजिन केमिकल के दाम दोगुने हो गए, जो पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री से आता है। शिपिंग चार्ज 1.21 लाख से बढ़कर 2.79 लाख प्रति कंटेनर हो गया, जिससे उत्पादन लागत तीन गुना हो गई। अमेरिका की निर्भरता कम करने के लिए पिछले सालों में दूसरे देशों के बाजार खोजे गए, लेकिन फायदा नहीं हुआ।

एनआईए के हाथों में रिफाइनरी की जांच

सीएम भजनलाल शर्मा ने भी 3 घंटे तक की निगरानी

बालोतरा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में सोमवार को हुई भीषण आगजनी ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दुखद घटना के चलते जहां सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल उठा है। वहीं राजनीति का पारा भी चढ़ा हुआ है। यह घटना इसलिए अधिक संवेदनशील हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस रिफाइनरी का उद्घाटन करने वाले थे। दौरे से महज 20 घंटे पहले हुई इस संदिग्ध घटना को केंद्र सरकार ने 'सुरक्षा में बड़ी चूक' माना है और अब इस पूरे प्रकरण की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को सौंप दी गई है।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर रिफाइनरी परिसर में पिछले कई दिनों से हाई-अलर्ट था। प्रोटोकॉल के अनुसार, किसी भी वीवीआईपी दौरे से पहले एसपीजी

और स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां हर एक इंच की गहनता से जांच करती हैं। इसके बावजूद, जिस विशिष्ट यूनिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना था, वहीं आग भड़कना सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कई सवाल खड़े कर रही है। यही वजह है कि इस पूरे मामले की जांच अब एनआईए को सौंपी गई है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सोमवार को अचानक रिफाइनरी से धुएं का गुबार उठा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। गनीमत रही कि दमकल की दर्जनों गाड़ियों ने समय रहते इस पर काबू पा लिया, लेकिन इसने प्रधानमंत्री की सुरक्षा और रिफाइनरी के तकनीकी प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली से एक विशेष फैक्ट फाइंडिंग टीम को तुरंत पचपदरा रवाना किया है। इधर, ये भी बताया जा रहा है कि यदि साजिश या लापरवाही के संकेत मिलते हैं तो राज्य सरकार विशेष जांच दल का गठन कर सकती है। एनआईए की टीम रिफाइनरी के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ लॉग बुक्स और ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

पचपदरा रिफाइनरी में अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी आज 21 अप्रैल को मौके पर पहुंचे। ग्रहां हालात का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि सीएम ने यहां तकरीबन तीन घंटे तक मौके पर रहकर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उनके साथ मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, डीजीपी राजीव शर्मा, मंत्री जोगाराम पटेल सहित एचपीसीएल और रिफाइनरी के अधिकारी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट जयपुर में बार संघ चुनाव रद्द

अनियमितता के बाद चुनाव समित ने लिया फैसला

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में बुधवार को आयोजित राजस्थान बार संघ चुनाव के दौरान जयपुर स्थित उच्च न्यायालय के मतदान केंद्र पर सामने आई अनियमितताओं के चलते चुनाव समिति ने बड़ा फैसला लेते हुए यहां का मतदान रद्द कर दिया। इस निर्णय के बाद वकीलों और संबंधित पक्षों में निराशा और असंतोष का माहौल देखा गया।

राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर में बनाए गए मतदान केंद्र पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई प्रकार की अव्यवस्थाएं सामने आईं। आरोप लगे कि मतदान केंद्र के भीतर अनुशासनहीनता का माहौल रहा और कुछ उम्मीदवारों द्वारा खुले तौर पर मतदाताओं से समर्थन मांगने जैसी गतिविधियां भी हुईं। इन घटनाओं ने चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

समिति नें क्यों चुनाव किया रद्द?

स्थिति को देखते हुए बार काउंसिल चुनाव समिति ने केवल जयपुर उच्च न्यायालय में हुए मतदान को निरस्त करने का निर्णय लिया। समिति का मानना है कि इस तरह की परिस्थितियों में निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं था, इसलिए मतदान रद्द करना ही उचित कदम है।

पूर्व न्यायाधीश ने जताई नाराजगी

इस घटनाक्रम पर पूर्व न्यायाधीश वी.एस. दवे ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और चुनाव रद्द किए जाने पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे ₹प्रक्रिया की बड़ी नाकामी₹ बताया। न्यायमूर्ति दवे ने कहा कि, हम जैसे कई वरिष्ठ लोग लंबे समय तक लाइन में खड़े होकर मतदान करने पहुंचे, लेकिन बाद में पता चला कि चुनाव ही रद्द कर दिए गए। यह बेहद निराशाजनक है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं वकीलों के लोकतांत्रिक अधिकारों और चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इस प्रकार बार-बार चुनाव रद्द होते रहे, तो लोगों का पूरे तंत्र से भरोसा उठ जाएगा।

दोबारा कब होगा मतदान?

उधर, चुनाव रद्द होने के बाद अब यह सवाल उठने लगा है कि जयपुर उच्च न्यायालय में दोबारा मतदान कब कराया जाएगा और इसके लिए क्या नई व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी। वकीलों का कहना है कि अगली बार चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, अनुशासित और व्यवस्थित बनाने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

निष्पक्ष चुनाव की मांग

इस घटनाक्रम ने न केवल बार काउंसिल चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया है, बल्कि चुनाव प्रबंधन और निगरानी तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर बहस छेड़ दी है। एडवोकेट सुषमा पारीक ने भी निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पुनः चुनाव कराने की मांग उठाई है।

गेहूं खरीद व्यवस्था पर ओम बिरला सख्त

लक्ष्य पूरा होने तक बंद नहीं होंगे खरीद केंद्र

कोटा/बूंदीन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा-बूंदी क्षेत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी पर गेहूं खरीद की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सीएडी सभागार में भारतीय खाद्य निगम एफसीआई, राजफैड, तिलमसंघ, एनसीसीएफ और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में गेहूं खरीद की मौजूदा स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।\

स्पीकर ओम बिरला ने मंडियों एवं सभी खरीद केंद्रों में गेहूं खरीद का लक्ष्य बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एफसीआई सहित सभी खरीद एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि एमएसपी पर बेचने के लिए गेहूं लेकर मंडी एवं खरीद केंद्र पर आए किसान को खाली हाथ नहीं लौटना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने में किसानों को किसी प्रकार की

समस्या नहीं आनी चाहिए।

खरीद बढ़ने की संभावना, उठाव और अनलोडिंग तेज करने के निर्देश

ओम बिरला ने कहा कि आगामी दिनों में गेहूं की खरीद दुगुनी होने की संभावना है, इसलिए गेहूं के उठाव एवं गोदामों में अनलोडिंग की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एफसीआई के गोदामों के बाहर गाड़ियां दो दिन से अधिक खड़ी नहीं रहें। इसके लिए गोदामों में लेबर बढ़ाने को कहा गया।

रेलवे रेक समन्वय से परिवहन व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

उन्होंने राजफैड एवं तिलमसंघ को निर्देश दिए कि एक रेक की क्षमता के गेहूं की खरीद पूरी होने पर एफसीआई अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर क्रय केंद्रों से गेहूं रेलवे यार्ड तक पहुंचाया जाए, ताकि वहां से रेक की व्यवस्था की जा सके। बैठक में लॉजिस्टिक व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

बारदाने की कमी नहीं होने देने के निर्देश

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बारदाने के अभाव में किसानों के गेहूं की तुलाई नहीं रुकनी चाहिए। कोटा-बूंदी में बारदाने की कोई कमी नहीं हो, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी कर बारदाना खरीद के लिए वर्क ऑर्डर जारी करने को कहा।

अधिकारियों से फोन पर भी की चर्चा

इस संबंध में ओम बिरला ने शासन सचिव सहकारिता डॉ. समित शर्मा एवं खाद्य सचिव अम्बरीश कुमार से फोन पर बात कर निर्देश दिए कि बारदाना की समस्या का समाधान कर गेहूं की खरीद बढ़ाई जाए। साथ ही एफसीआई अधिकारियों को कहा गया कि राजफैड सहित अन्य एजेंसियों को यदि खराब बारदाना उपलब्ध कराया गया है तो उसे वापस लिया जाए।

लक्ष्य पूरा होने तक खुले रहेंगे खरीद केंद्र

ओम बिरला ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी खरीद केंद्र का लक्ष्य पूरा भी हो जाए, तब भी उसे तब तक खुला रखा जाए जब तक पूरे जिले में गेहूं खरीद का लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता। इस निर्देश को किसानों की सुविधा से जोड़कर देखा जा रहा है।

फर्जी डिग्री पर बड़ा एक्शन

18 पीटीआई बर्खास्त

बांसवाड़ा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पेपर लीक, डमी केंडिडेंट और फर्जी दस्तावेजों से सरकारी नौकरी हथियाने के मामले में 2025 में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की ओर से शुरू हुई जांच के बाद शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा 2022 में बड़ी कार्रवाई हुई। एसओजी की जांच के बाद शिक्षा विभाग ने बांसवाड़ा जिले में एक साथ 18 शारीरिक शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया है। शिक्षा विभाग की ओर से जांच अभी जारी है तथा और भी नाम सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि एसओजी की ओर से की गई जांच के बाद अगस्त 2025 से इन अभ्यर्थियों के नियमितीकरण एवं स्थायीकरण के आदेशों पर रोक लगा दी थी। जुलाई 2025 में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा 2022 में बीपीएड डिग्रियों के एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया था। इसमें बताया था कि चयनित 203 में से 202 अभ्यर्थियों ने शिकोहाबाद की जेएस विश्वविद्यालय से बीपीएड की कथित फर्जी अंकतालिकाएं लगाकर नियुक्ति पाई।

बीजेपी नेता पर हमला, लाठी-सरियों से तोड़े हाथ-पैर

कार से मारी टक्कर, अलवर में 6 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अलवर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में बीजेपी के पूर्व पार्षद और नगरपालिका वार्ड-1 के नेता कपिल मीना (33) पुत्र राजेंद्र मीना के साथ 20 अप्रेल को एक संगीन मारपीट की घटना सामने आई, जिसमें उनके हाथ-पैर तोड़ दिए गए और उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

जमीन देखने के बहाने से बुलाया

घटना के संबंध में कपिल के चाचा महेंद्र मीना ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि उनके परिचित कृष्ण बलाई की नवल सिंह गढ़ी में जमीन है, जिसे वे बेचना चाहते थे। सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक फोन आया कि किसी पार्टी को

जमीन दिखाना है।

कपिल मीना ने तुरंत जमीन के मालिक कृष्ण बलाई को फोन किया और उन्हें बुलाकर बाइक पर नारायणपुर रोड की ओर निकल पड़े, ताकि जमीन का निरीक्षण कराया जा सके।

रास्ते में ईंट भट्टे से पहले नाले के ऊपर अचानक एक कार ने कपिल की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद कार सवार लोगों ने लाठियों और सरियों से उन पर हमला करना शुरू कर दिया और उनके हाथ और पैर तोड़ दिए। हमलावरों ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे वहां मौजूद लोग दहशत में आ गए।

पुलिस रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी आरोपी एक ही कार में सवार थे और उनके चेहरे ढंके हुए थे, जिससे उनकी पहचान करना कठिन हो गया । इस घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया और छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई ।

आज होगा दूसरा ऑपरेशन

कपिल मीना को गंभीर चोटों के कारण शाहपुरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका पहला ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है और दूसरा ऑपरेशन बुधवार को किया जाना है । घटना ने न केवल राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा की है बल्कि स्थानीय जनता में भी सुरक्षा के प्रति चिंता बढ़ा दी है । प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं । पुलिस द्वारा आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार जांच जारी है ।

'पचपदरा रिफाइनरी में हो सकती है तोड़फोड़'

अशोक गहलोत के बयान से राजस्थान की राजनीति में भूचाल

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा रिफाइनरी में आग लगने की घटना को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस हादसे को सामान्य घटना मानने से साफ इनकार करते हुए कहा कि नई रिफाइनरी में इस प्रकार की आग लगना सामान्य नहीं है और इसके पीछे तोड़फोड़ या साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

गहलोत ने कहा कि उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों से चर्चा की, जिनका मानना है कि पुरानी रिफाइनरी में आग लगना आम बात हो सकती है, लेकिन नई रिफाइनरी में ऐसी घटना गंभीर लापरवाही या अन्य कारणों की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि यह या तो सुरक्षा में चूक का परिणाम हो सकता है या फिर जल्दबाजी में काम पूरा करने के दबाव का असर।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से पहले घटना पर सवाल

उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हवाला देते हुए कहा कि जब देश का प्रधानमंत्री किसी स्थान पर जाने वाले हों और उससे पहले इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाए, तो इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। गहलोत ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां पहले से वहां तैनात रहती हैं, ऐसे में यह घटना और भी गंभीर हो जाती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से पूरे मामले की गहराई से और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि वास्तविक कारण सामने आ सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सेफ्टी को प्राथमिकता देना सबसे जरूरी होता है, लेकिन यहां इस सिद्धांत की अनदेखी हुई प्रतीत होती है।

इस दौरान गहलोत ने किसानों के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और कर्ज माफी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि उनकी सरकार की तर्ज पर किसानों का कर्ज माफ किया जाए।

गहलोत ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा है और भ्रष्टाचार अब गांव-गांव तक पहुंच चुका है। हर स्तर पर सिस्टम प्रभावित हो चुका है।

महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। गहलोत ने कहा कि सरकार महिला आयोग की अध्यक्ष तक नियुक्त नहीं कर पाई है और शिक्षक भर्ती में 50% आरक्षण की घोषणा के बावजूद अभी तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है।

ट्रक ने स्कूल बस को 50 फीट तक घसीटा, एक छात्र की मौत, 20 घायल

बाड़मेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के बायतु थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक रूह कंपा देने वाला सड़क हादसा हुआ। नेशनल हाइवे-25 पर बच्चों से भरी एक निजी स्कूल बस को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। बता दें कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक बस को करीब 50 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इस दर्दनाक हादसे में एक 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं। सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल की बस बुधवार सुबह करीब 8 बजे अलग-अलग गांवों से बच्चों को लेकर बायतु स्थित स्कूल की ओर जा रही थी। बस में करीब 36 से 50 बच्चे सवार थे। जैसे ही बस बायतु पेट्रोल पंप के पास पहुंची, पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के तुरंत बाद हाइवे पर बच्चों की चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसे के कारण कई मासूम बच्चे सीटों के बीच और बस के मलबे में बुरी तरह फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जेसीबी मशीन मंगवाई गई। जेसीबी की सहायता से बस के लोहे को काटकर और सीटों को अलग कर अंदर फंसे बच्चों को बाहर निकाला गया। बायतु थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि हादसे में घायल हुए 20 बच्चों में से 9 की हालत गंभीर थी, जिन्हें बालोतरा के नाहटा अस्पताल रेफर किया गया।

स्कूटी में 70 करोड़ की हेरोइन, नीलगाय से टकराई, सड़क पर गिरा तस्कर तो खुला भेद

बीकानेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर के पूगल थाना इलाके में एक सड़क हादसा अचानक बड़े ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश कर गया। नीलगाय से टकराकर घायल हुए स्कूटी सवार की डिग्गी से करीब 14 किलो हेरोइन बरामद होने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए। शुरुआती जांच में इस खेप का लिंक सीमा पार से ड्रोन के जरिए गिराए गए मादक पदार्थ से जोड़ा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 70 करोड़ रुपए आंकी गई है।

खाजूवाला-पूगल सड़क मार्ग पर आर्मी टावर फांटे के पास हुए हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। खाजूवाला वृत्ताधिकारी अमरजीत चावला के अनुसार,

पूगल थानाधिकारी समरवीर सिंह टीम के साथ पहुंचे, तो क्षतिग्रस्त स्कूटी की तलाशी में डिग्गी से 3 पैकेट मिले, जिनमें करीब 14 किलो हेरोइन बरामद हुई।

हादसे में पाली निवासी खेताराम गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसके सिर में गंभीर चोट आने के कारण ऑपरेशन किया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस को उसके होश में आने का इंतजार है, ताकि तस्करी के नेटवर्क का खुलासा हो सके। पूगल में मिली हेरोइन को लेकर शुरुआती जांच में सीमा पार से ड्रोन के जरिए गिराए जाने की आशंका है।

करोड़ों की खेप, पुराने पैकेट होने के संकेत

बरामद हेरोइन अंतरराष्ट्रीय बाजार में 70 करोड़ रुपए की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पैकेट पुराने हैं और हेरोइन पाउडर की बजाय ठोस 'गठळ' के रूप में है, जिससे इसके लंबे समय से छिपाकर रखे जाने की आशंका भी जताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पूगल में मिली हेरोइन को लेकर शुरुआती जांच में सीमा पार से ड्रोन के जरिए गिराए जाने की आशंका है। इसी एंगल पर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां गहन जांच कर रही हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी हेरोइन कहां से लाया और किसे सप्लाई करने जा रहा था। साथ ही इस तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

झोपड़ी में लगी आग से 7 पशु जिंदा जले

गैस सिलेंडर फटा, एक युवक घायल

दौसा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र के डीडवाना गांव की देवन्या ढाणी में एक कच्चे घर में भीषण आग लग गई। इस हादसे में सात बकरियां जिंदा जल गईं। आग के दौरान गैस सिलेंडर फटने से एक युवक झुलस गया। आसपास के लोगों ने ट्यूबवेल चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया। देवन्या ढाणी निवासी हरदयाल महावर और दिनेश महावर के कमरे के पास बने छप्परपोश में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि छप्परपोश के अंदर बंधी सात बकरियां जिंदा जल गईं। पास में रखा एक गैस सिलेंडर भी आग की चपेट में आने से फट गया। बकरियों को बचाने के प्रयास में युवक दिनेश महावर झुलस गया। स्थानीय लोगों ने ट्यूबवेल चलाकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलने पर दमकल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मी एहसान भाई, खालीक खान और गौरव पारीक ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में छप्परपोश में रखा अनाज, पशुओं का चारा और अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया, जिससे पीड़ित को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पशु चिकित्सक ने मृत बकरियों का पोस्टमार्टम किया। मौके पर पहुंचे पटवारी ने मौका रिपोर्ट तैयार कर पीड़ित को सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

हर फाइल के पीछे इंसान को याद रखें अधिकारी : डिप्टी सीएम

असली परीक्षा मैदान में विवेक और निर्णय क्षमता की होगी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु ने नवचयनित ग्रुप-1 अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सार्वजनिक सेवा में हर फाइल के पीछे छिपे आम नागरिक को कभी न भूलें। उन्होंने कहा कि यह केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बदलने की क्षमता रखता है।

मार्री चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान (एमसीआरएचआरडी संस्थान) में छह सप्ताह का ग्रुप-1 फाउंडेशन कोर्स (बैच-II) पूरा करने वाले 214 अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रशासन में नैतिक मूल्यों और मानवीय दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि हर निर्णय किसी किसान की उम्मीद, छात्र के सपने और मरीज के जीवन से जुड़ा होता है, इसलिए अधिकारियों को कानून के दायरे में रहकर मानवीय सोच के साथ निर्णय लेने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि फाइलों और समीक्षाओं के बीच आम जनता की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिकारी अपनी बुद्धिमत्ता साबित कर चुके हैं, लेकिन असली परीक्षा मैदान में उनके विवेक और निर्णय क्षमता की होगी। ईमानदारी, बुद्धिमत्ता से अधिक महत्वपूर्ण है।, उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दबाव या प्रलोभन के आगे न झुकने और नैतिकता के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार पर जनता का भरोसा तभी बढ़ता है जब अधिकारी निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कार्य करते हैं। आधुनिक प्रशासन का जिक्र करते हुए उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग को प्रोत्साहित किया, लेकिन स्पष्ट किया कि तकनीक कभी भी मानवीय संवेदनाओं का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने इंदिरा महिला शक्ति जैसी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में युवा अधिकारियों की भूमिका अहम बताई। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि समय पर पेंशन देना या छोटी समस्या का समाधान करना भी सुशासन की नींव को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य केवल सचिवालय में नहीं, बल्कि गांवों और मंडलों में लिए गए फैसलों से तय होता है। उन्होंने अधिकारियों से हर निर्णय लेते समय यह विचार करने को कहा कि क्या वह न्यायसंगत और ईमानदार है। आपकी पहचान आपकी ईमानदारी से बनेगी।, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल सत्ता का उपयोग व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य नागरिकों में विश्वास और सम्मान पैदा करना है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है, जिसे दान नहीं बल्कि मानव संसाधन में निवेश माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर एमसीआरएचआरडी की महानिदेशक शांति कुमारी, कोर्स निदेशक अरुण कुमार, उपमुख्यमंत्री के सचिव कृष्ण भास्कर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनहित में हड़ताल समाप्त करें , मंत्री की आरटीसी कर्मचारियों से अपील

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को आरटीसी कर्मचारियों और उनके परिवारों से संगठन के संरक्षण और जनहित को ध्यान में रखते हुए हड़ताल समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हड़ताल किसी समस्या का समाधान नहीं है और सरकार पहले ही मुद्दों के समाधान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की चार सदस्यीय समिति का गठन कर चुकी है। इस समिति को चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं और यह किसी भी तरह की देरी की रणनीति नहीं है। मंत्री ने बताया कि कर्मचारियों द्वारा उठाए गए 32 मुद्दों में से 29 पर सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और उन्हें तुरंत सुलझाया जा सकता है। शेष दो मुद्दे आरटीसी का विलय और यूनियनों की मान्यता-तकनीकी प्रकृति के हैं, जिन पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ चर्चा की जाएगी।

एमओयू पर प्रगति की सीएम ने की समीक्षा

निवेश परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावोस और 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' के दौरान विभिन्न कंपनियों के साथ हुए एमओयू और उनकी प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने अब तक ग्राउंड पर उतरी परियोजनाओं तथा लंबित प्रस्तावों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को फ्यूचर सिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कंपनियों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटित की जाने वाली भूमि की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एमओयू करने वाली कंपनियों के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण कार्यों को यथाशीघ्र पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाए। उन्होंने डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए आवश्यक जल की आपूर्ति हेतु एसटीपी के माध्यम से शुद्ध किए गए पानी के उपयोग की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेश समझौते करने वाली कंपनियों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाए और प्रतिष्ठित ब्रांड वाली कंपनियों को पहली प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि एमओयू करने वाली कंपनियां जल्द से जल्द अपनी गतिविधियां शुरू करें, इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने निवेश परियोजनाओं को तेजी से लागू करने पर विशेष जोर दिया।

मेघालय में आंगनवाड़ी और बाल विकास के नवाचारों का अध्ययन करने पहुंचीं सीतक्का

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसरी अनसूया सीतक्का ने बुधवार को मेघालय का आधिकारिक दौरा कर वहां की आंगनवाड़ी सेवाओं और नवोन्मेषी बाल विकास कार्यक्रमों का अध्ययन किया। अपने दौरे के दौरान मंत्री के साथ सचिव अनिता रामचंद्रन, निदेशक शुति ओझा और संयुक्त निदेशक मोती सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने कई आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा कर उनकी कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। सीतक्का ने कहा कि मेघालय में आंगनवाड़ी केंद्र अब केवल पोषण वितरण तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को एकीकृत करते हुए समग्र बाल विकास के केंद्र बन चुके हैं। उन्होंने खेल-आधारित शिक्षण पद्धतियों और रचनात्मक वातावरण की सराहना की, जिससे बच्चों में सीखने के प्रति रुचि बढ़ रही है। मंत्री ने विशेष रूप से मेघालय अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट मिशन की प्रशंसा की, जो 0 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को समन्वित रूप से लागू करता है। इसके अलावा '1000 डेज़ प्रोग्राम' को भी उन्होंने उल्लेखनीय बताया, जो गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक मां और शिशु की समग्र देखभाल सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि जीवन के पहले तीन वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इस अवधि में मस्तिष्क का 75 प्रतिशत से अधिक विकास होता है। इस संदर्भ में माता-पिता के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की भी उन्होंने सराहना की। सीतक्का ने कहा कि केंद्र सरकार के सुझावों के अनुरूप तेलंगाना में भी मेघालय के इस सफल मॉडल की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को अपनाने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मेघालय की आंगनवाड़ी व्यवस्था पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल है।

बकरीद को लेकर समन्वय बैठक शांतिपूर्ण आयोजन के निर्देश

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी बकरीद पर्व के शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जुबली हिल्स ज़ोन में माधुरा नगर कम्युनिटी हॉल में उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीसीपी ए. रमणा रेड्डी ने की, जबकि अतिरिक्त डीसीपी के. श्रीकांत ने संबोधित किया। बैठक में जीएचएमसी के उप आयुक्त ए. सुरेश, एसीपी एसआर नगर राघवेंद्र, एसीपी बंजारा हिल्स वेंकट रेड्डी, पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक राचकोंडा रेड्डी, पशु चिकित्सक डॉ. दीपांकर, जमील, एडीई सनतनगर वंशी कृष्णा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। करीब 200 हितधारकों, जिनमें पशु परिवहनकर्ता, कुरैशी समुदाय के सदस्य और मांस विक्रेता शामिल थे, ने भाग लिया। बैठक में विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए डीसीपी ने पुलिस, जीएचएमसी और पशु चिकित्सा विभाग के बीच तालमेल से कार्य करने के निर्देश दिए। चेकपोस्ट पर तीन शिफ्ट में निगरानी रखने, पशुओं के परिवहन की कड़ी जांच करने और सभी कानूनी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अवैध पशु परिवहन, बिक्री या वध पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। सभी पशु परिवहनकर्ताओं के लिए वैध पशु चिकित्सा प्रमाणपत्र और अधिकृत परिवहन रसीद अनिवार्य बताई गई। जीएचएमसी अधिकारियों को स्वच्छता और कचरा निपटान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जबकि पुलिस ने यातायात प्रबंधन की तैयारियों पर जानकारी दी। बैठक में सभी समुदायों से आपसी सहयोग बनाए रखने, शांति और सौहार्द कायम रखने तथा पशु कल्याण नियमों का पालन करने की अपील की गई। अंत में सभी विभागों और समुदाय प्रतिनिधियों ने बकरीद को शांतिपूर्ण और कानूनसम्मत तरीके से मनाने का संकल्प लिया।

गिग वर्कर्स के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनिज मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने बुधवार को ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए गिग वर्कर्स के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि के चेक सौंपे। यह सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के माध्यम से प्रदान की गई। मंत्री ने लोकुर्थी नरेश, जी. श्याम सुंदर और अहमद बिन अब्दुल खादर के परिजनों को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चेक प्रदान किए। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सोच से प्रेरित होकर तेलंगाना सरकार ने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए विधानसभा में गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट पारित किया है। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा और संरक्षण की सख्त जरूरत है और सरकार हर कठिन समय में उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि चाहे गिग वर्कर्स हों या हमाली, सभी श्रमिक सरकार से सहयोग और सुरक्षा के हकदार हैं। मंत्री ने गिग वर्कर्स यूनियन की भूमिका की भी सराहना की, जिनके सतत प्रयासों से यह पहल संभव हो सकी। कार्यक्रम में श्रम विभाग के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर, अतिरिक्त आयुक्त ई. गंगाधर, गिग वर्कर्स यूनियन नेता सलाउद्दीन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने दोहराया कि सरकार गिग वर्कर्स और कमजोर वर्गों की उपेक्षा नहीं करेगी और उनके अधिकारों व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

घोष आयोग पर हाईकोर्ट की रोक के बाद भाजपा का 'कुप्रबंधन' का आरोप

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)।तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा न्यायमूर्ति पी.सी. घोष आयोग से जुड़े मामलों पर रोक लगाए जाने के बाद कांग्रेस सरकार पर प्रक्रियागत त्रुटियों और लापरवाही का आरोप लगाया है। भाजपा नेता ने कहा कि न्यायमूर्ति पी.सी. घोष आयोग का गठन कालेश्वरम परियोजना के तहत मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों के निर्माण एवं रखरखाव में हुई कथित अनियमितताओं की जांच के लिए किया गया था।

पंगागुट्टा एक्स रोड पर अखिल भारतीय माथुर समाज संस्कृत संयोजक मंत्री परिषद सपना गुप्ता और जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल ने महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में रावणा गुप्ता, भाग्यश्री, वैष्णवी हिप्ता, प्राची, भावना, सीमा, मंजू, पायल, सीमा आदि भी शामिल हुई।

मल्काजगिरी में ट्रैफिक उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई, 1786 गलत दिशा के मामले दर्ज

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी ट्रैफिक ज़ोन-1 में बुधवार को गलत दिशा में वाहन चलाने, खतरनाक ड्राइविंग और अनधिकृत सायरन के दुरुपयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 1786 गलत दिशा (रॉन्ग साइड) के मामले और 4 अनधिकृत सायरन के मामले दर्ज करते हुए कुल 22,01,800 रुपये का जुर्माना लगाया। अभियान के तहत प्रमुख चौराहों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी गई। अनधिकृत सायरन का उपयोग करने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान देते हुए सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों में बार-बार पकड़े जाने वाले चालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। के. राहुल रेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक-1, मलकाजगिरी ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गलत दिशा में वाहन चलाना बेहद खतरनाक है और इससे गंभीर सड़क हादसे हो सकते हैं। साथ ही, अनधिकृत सायरन के दुरुपयोग को भी गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क अनुशासन बनाए रखने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।

दुदौड़ स्थित देवड़ा परिवारोफ़्र के श्री आईमाताजी बडेर के 12 वें वार्षिकोत्सव पर भजन प्रस्तुत करते हुए श्री राघव लावेरा जी महाराज। अवसर पर पुजा-अर्चनाकर, पधारे सम्मानित अतिथि सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद के सलाहकार जसवन्त देवड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, परबत सोलंकी का सम्मान कर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए देवड़ा परिवार के सीरवी समाज बन्धु।

एसआर नगर में 65 साल पुरानी पानी की टंकी ध्वस्त

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर में स्थित 65 साल पुरानी एक ओवरहेड पानी की टंकी को बुधवार को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई टंकी की कमजोर हो चुकी संरचना और भारी बारिश व तेज हवाओं के दौरान इसके गिरने के खतरे को देखते हुए की गई। यह विध्वंस हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी द्वारा जेएनटीयू-हैदराबाद के इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर किया गया। विशेषज्ञों ने निरीक्षण के बाद टंकी को असुरक्षित घोषित किया था। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने बताया कि यह टंकी पिछले 15 वर्षों से उपयोग में नहीं थी और जर्जर हालत में पहुंच चुकी थी। इसी कारण इसे गिराने का निर्णय लिया गया और सुरक्षित तरीके से ध्वस्तीकरण के लिए हाइड्रा की मदद ली गई।

करीब 10 लाख लीटर क्षमता वाली यह टंकी कभी एसआर नगर के हजारों घरों को पानी की आपूर्ति करती थी। लगभग 80 मीटर ऊंचाई पर बनी यह संरचना समय के साथ कमजोर हो गई थी। सुबह 6 बजे से घनी आबादी वाले इलाके में ध्वस्तीकरण का कार्य शुरू किया गया। इसमें लोहे की रस्सियों और दो बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रक्रिया सावधानी से पूरी की गई और सुबह 10 बजे तक टंकी को गिरा दिया गया।

तेलंगाना में 18-23 मई तक भव्य युवा खेल महोत्सव

रोजगार मेलों के साथ युवाओं पर फोकस

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजा पालन — प्रगति प्रणालिका' के तहत राज्य में 18 से 23 मई तक भव्य युवा खेल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने मंत्री आवास परिसर में युवा खेल महोत्सव का पोस्टर जारी करते हुए बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को खेल, कौशल और नेतृत्व गतिविधियों से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि 'प्रजा पालन' पहल के तहत शासन को सीधे जनता तक पहुंचाया जा रहा है, जिसमें मंत्री और अधिकारी जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान कर रहे हैं। मंत्रियों ने बताया कि 1 से 12 मई तक जिला मुख्यालयों में रोजगार मेले आयोजित होंगे, जबकि 18 से 23 मई तक विभिन्न युवा कार्यक्रम होंगे, जिनमें मैराथन, करियर एवं कौशल विकास दिवस, युवा नेतृत्व सम्मेलन, खेल दिवस, यूथ फॉर क्लीन तेलंगाना अभियान और रोजगार साधना कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन आयोजनों में अधिकतम युवाओं और खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। जिला कलेक्टरों को भी सभी जिलों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। इस अवसर पर खेल प्राधिकरण की प्रबंध निदेशक डॉ. ए. सोनिबाला देवी ने बताया कि हाल ही में आयोजित सीएम कप 2025 के दूसरे संस्करण में लगभग 5.64 लाख खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों में 16 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को शामिल करने की तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दाताश्री का जन्म जयंती कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित श्री बालाजी राजस्थानी भवन में समस्त राजपुरोहित समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओ के सानिध्य में ब्रह्मर्षि श्रीश्री 1008 खेतारामजी महाराज के दो दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम पर पूजा-अर्चना, हवन, जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजको ने बताया कि हर वष की भांति श्री खेतारामजी महाराज के जन्मोत्सव पर दो दिवसीय जयंती कार्यक्रम पूजा-अर्चना कर आयोजित किया गया।

मंगलवार 21 अप्रैल रात्रि 8.15 बजे दाताश्री की तस्वीर पर माल्यापर्णकर, ज्योत प्रज्वलितकर, आरती के पश्चात जागरण आयोजित किया गया। जिसमें अर्जुनसिंह राजपुरोहित भीमली एवं विशाल श्रीमाली ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओ ने देर रात तक लाभ लिया। बुधवार 22 अप्रैल श्री खेतारामजी महाराज का लाइटिंग व फूलों से दरबार सजाकर प्रात: 7.15 बजे हवन-यज्ञ, गौपूजन, महाआरती के पश्चात 10.30 बजे भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसका समाज बन्धुआ ने सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समस्त राजपुरोहित समाज बन्धुओफ़्र का विशेष सहयोग रहा।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, सुरेश कुमार अग्रवाल सीए अशोक लाखोटिया अजय कुमार अग्रवाल भोज रेड्डी रामनिवास शर्मा पीएसआर मूर्ति राहुल सिंघल राहुल देशपांडे संधा माया अग्रवाल दीपा अग्रवाल आदि।

कालेश्वरम परियोजना पर हाईकोर्ट के फैसले का बीआरएस नेताओं ने किया स्वागत

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई नेताओं ने कालेश्वरम परियोजना पर न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट पर कार्रवाई पर रोक लगाने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। नेताओं ने कहा कि इस निर्णय से न्यायपालिका और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों में विश्वास और मजबूत हुआ है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मेडिगड्डा बांध की मरम्मत में देरी के लिए किसानों से माफी मांगने और काम में तेजी लाने की मांग की। पूर्व मंत्री और विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि अदालत के निर्देश और प्रक्रियात्मक खामियों पर की गई टिप्पणी से साफ है कि रिपोर्ट के निष्कर्षों में कानूनी वैधता की कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना दिए आरोप लगाए गए, जो गंभीर त्रुटि है, और सरकार ने आयोग का इस्तेमाल बीआरएस नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया।

राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र ने कहा कि इस फैसले से उचित प्रक्रिया के उल्लंघन का खुलासा हुआ है और रिपोर्ट निराधार साबित हुई है। उन्होंने राजनीतिक दबाव के लिए आयोगों के उपयोग को आपत्तिजनक बताया और कहा कि कालेश्वरम परियोजना को लेकर की जा रही बयानबाजी का उद्देश्य पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और बीआरएस नेतृत्व की छवि खराब करना है। पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने इस फैसले को कांग्रेस सरकार के लिए बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा कि इससे परियोजना को विफल करने के प्रयास उजागर हुए हैं।

साथ ही उन्होंने मरम्मत कार्यों में देरी पर चिंता जताते हुए किसानों के लिए जल्द सिंचाई सुविधा बहाल करने की मांग की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अभिषेक ने कोहली की बराबरी की

184 पारी में टी-20 में 9 शतक लगाए

खेल डेस्क, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 31वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हरा दिया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में अभिषेक शर्मा ने 9वां टी-20 शतक लगाकर विराट कोहली की बराबरी कर ली।

अभिषेक ने फील्डिंग में भी कमाल दिखाया। उन्होंने केएल राहुल और नीतीश राणा के कैच पकड़कर मैच का रुख पलट दिया। हेनरिक क्लासन ने 100 आईपीएल सिक्स पूरे किए।

अभिषेक ने 184 पारी में 9 टी-20 शतक लगाए

अभिषेक शर्मा के टी-20 में 9 शतक पूरे हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि 184 पारियों में हासिल की, जो भारतीयों में सबसे तेज है। कोहली को यहां तक पहुंचने में 403 पारियां लगी थीं।

टी-20 में ओवरऑल सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 22 शतक लगाए हैं। बाबर आजम (12) और डेविड वॉर्नर (10) उनके बाद हैं।

अभिषेक ने 5वीं बार एक पारी में 10+ सिक्स लगाए

अभिषेक शर्मा ने टी-20 में पांचवीं बार एक पारी में 10 या उससे ज्यादा छक्के लगाए। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 18 बार ऐसा किया है। एविन लुईस और श्रेयस अय्यर ने 4-4 बार यह कारनामा किया है।

IPL में यह दूसरी बार है जब अभिषेक ने एक पारी में 10 छक्के लगाए और वे गेल के बाद ऐसा कई बार करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 350 छक्के भी पूरे कर लिए।

अभिषेक ने केएल राहुल को पीछे छोड़ा

अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में नाबाद 135 रन बनाकर केएल राहुल (132*) को पीछे छोड़ दिया है। वे आईपीएल के हाईएस्ट इंडविजुअल स्कोरर की लिस्ट में दूसरी बार शामिल हो गए। इससे पहले पिछले साल उन्होंने 141 रन की पारी खेली थी।

टी-20 में 130+ स्कोर के मामले में अभिषेक 4 बार के साथ टॉप पर पहुंच गए हैं, जबकि आरोन फिंच और क्रिस गेल ने 3-3 बार यह कारनामा किया है।

क्लासन आईपीएल में 100 सिक्स लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज

हेनरिक क्लासन आईपीएल में 100 छक्के लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि 52 पारियों में हासिल की। उनसे आगे क्रिस गेल (37 पारियां) और आंद्रे रसेल (47 पारियां) हैं। गेंदों के हिसाब से क्लासन 1072 गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचे और सातवें स्थान पर हैं।

मुंबई-चेन्नई मुकाबले में दिख सकते हैं धोनी

वानखेड़े में विकेटकीपिंग और बैटिंग की प्रैक्टिस

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल2026 में गुरुवार रात वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच में एमएस धोनी और विल जैक्स एक्शन में नजर आ सकते हैं।

धोनी वानखेड़े में अभ्यास करते दिखे, वहीं विल जैक्स मुंबई के कैंप से जुड़ चुके हैं। चेन्नई फिलहाल पॉइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर है और उसे जीत की सख्त जरूरत है।

सीजन से पहले एमएस धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे थे। वानखेड़े में उन्होंने आधे घंटे विकेटकीपिंग और 30 मिनट बल्लेबाजी की। इस दौरान 44 साल के धोनी बिना परेशानी बड़े शॉट्स लगाते नजर आए। अगर वे कल खेलते हैं, तो चेन्नई की बैटिंग को मजबूती मिलेगी। टीम ने 6 में से 2 मैच जीते हैं।

एमआई में विल जैक्स की एंट्री

विल जैक्स की मुंबई इंडियंस में एंट्री: वर्ल्ड कप में जीते थे 4 प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड के खिलाड़ी विल जैक्स भारत पहुंच गए हैं। वे निजी कारणों से शुरुआती 6 मैचों से बाहर थे। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 4 बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जैक्स ने मुंबई के नेट सेशन में अभ्यास किया। उन्होंने करीब एक घंटे बल्लेबाजी की और ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी की। उनके आने से मुंबई का मिडिल ऑर्डर और स्पिन विभाग मजबूत होंगे। वे मिचेल सैंटनर या अल्लाह गजनफर की जगह प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं।

सीएसके के कैंप में आए पेसर स्पेंसर जॉनसनः खलील अहमद की जगह ले सकते हैं

चेन्नई के लिए राहत की खबर है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन टीम से जुड़ गए हैं। उन्हें चोटिल नाथन एलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया है। जॉनसन ने वानखेड़े में टीम के साथ ट्रेनिंग की। संभावना है कि वे खलील अहमद की जगह खेलेंगे, जो पिछले हफ्ते चोट से बाहर हो गए थे। यह सीजन चेन्नई के लिए चोटों के लिहाज से खराब रहा है। पिछले मैच में आयुष म्हात्रे भी हैमस्ट्रिंग इंजरी से पूरे सीजन से बाहर हो गए।

मुंबई की फॉर्म लौटीः गुजरात को 99 रन से हराकर आ रही है टीम

मुंबई इंडियंस ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया है।

इस जीत से टीम का मनोबल ऊंचा है। विल जैक्स के आने से फिनिशिंग डिपार्टमेंट मजबूत होगा। दूसरी तरफ, चेन्नई को प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए यह मैच जीतना होगा। धोनी की मौजूदगी टीम का स्कोर बढ़ाने के साथ कप्तानी में भी मदद करेगी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ मुश्किल में घिरे

दिल्ली हाई कोर्ट ने अवमानना का दोषी ठहराया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को उचित समझे जाने वाले उपाय करके अवमानना को सुधारने की स्वतंत्रता दी।

अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया। उन्होंने अपनी इस याचिका पर हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों को याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे कि वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन चार जुलाई 2025 और 27 जुलाई 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया। इसमें पाया गया कि कथित तौर पर बाद की किसी भी घटना से अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिंक प्रदान करने के अपने दायित्व से छूट नहीं मिलती, जबकि उन्होंने निर्देश में संशोधन की मांग भी नहीं की थी।

अदालत ने माना कि हॉकी इंडिया और सिंह ने वर्तमान कार्यवाही के दौरान जिस तरह से व्यवहार किया, वह अदालत की अवमानना का स्पष्ट मामला है। अदालत ने अपने फैसले में कहा, अवमानना को दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

गौतम गंभीर और बीसीसीआई आए सामने-सामने!

बोर्ड के फैसले से नाखुश हैं हेड कोच?

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में इन दिनों आईपीएल 2026 का रोमांच चल रहा है. इसके बाद टीम इंडिया एक के बाद एक सीरीज खेलने उतरेगी. भारतीय टीम के खिलाड़ियों का शेड्यूल आगे आने वाले महीनों में काफी बिजी नजर आ रहा है. इसी के चलते रिपोर्ट भी सामने आई थी कि बोर्ड इसके लिए 2 टीम इंडिया बनाने पर भी विचार कर रहा है. टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से सामने आ रही जानकारी के अनुसार इसको लेकर टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर बीसीसीआई से नाखुश हैं.

बोर्ड से खुश नहीं हैं गौतम गंभीर?

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार हेड कोच गौतम गंभीर टीम इंडिया के बिजी शेड्यूल से काफी नाराज हैं. उनके साथ कप्तान गिल भी चाहते हैं कि इस तरह का बिजी शेड्यूल नहीं बनाया जाए. आईपीएल के खत्म होने के तुरंत बाद टीम इंडिया की सीरीज शुरू हो जाएंगी.

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच

आईपीएल 2026 खत्म होने के तुरंत बाद टीम इंडिया को अफगानिस्तान के साथ टेस्ट मैच खेलना है. 31 मई को आईपीएल खत्म होगा तो वहीं 6 मई को ये टेस्ट मैच होना है. ऐसे में जिस खिलाड़ी की टीम फाइनल में खेलेगी उसके लिए रिकवरी के लिए काफी समय होगा.

खिलाड़ियों को दिया जाएगा आराम

इस बिजी शेड्यूल को देखते हुए बी सी सी आ ई कुछ नए खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में उतारने का प्लान बना रहा है. इस लिस्ट में गुरनूर बरार, मानव सुथार, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ियों का नाम सामने आ रहा है.

नहीं मिल रहा रेड बॉल प्रैक्टिस का समय

टीम इंडिया वनडे और टी20 में तो शानदार प्रदर्शन कर रही है लेकिन टेस्ट में हालत काफी खराब है.

हाल ही में टीम को घर में सीरीज खेलते हुए हार का सामना करना पड़ा है. टेस्ट कप्तान गिल ने भी माना था की टीम के खिलाड़ियों के रेड बॉल प्रैक्टिस के लिए 15 दिन पहले से कैंप लगाया जाना चाहिए.

एक के बाद एक सीरीज

आईपीएल के तुरंत बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच और इसके बाद 3 वनडे मैचों की सीरीज भी होनी है.

इसके बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड के दौरे पर भी टीम को वनडे और टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है. कोच गंभीर बड़ी सीरीज के लिए अपने खिलाड़ियों को तरोताजा रखना चाहते हैं.

इंडिया की 2 टीम बनाने वाले आइडिया पर भड़क उठे आर आश्विन

चेन्नई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के बाद टीम इंडिया का बिजी शेड्यूल शुरू हो जाएगा. इसके लिए बीसीसीआई तैयारी में जुटा हुआ है. बीते दिनों एक रिपोर्ट सामने आई थी कि मैनेजमेंट 2 टीम इंडिया बनाने पर विचार कर रहा है ताकि एक ही समय पर टीम इंडिया 2 टीमों के साथ अलग-अलग टूर्नामेंट में खेल सके. सितंबर-अक्टूबर के महीने में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का टाइम ओवरलैप कर रहा है. दूसरी टीम कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिलने की बात सामने आ रही है. टीम इंडिया के दिग्गज आर अश्विन इस आईडिया पर भड़क उठे हैं और उन्होंने अपने चैनल पर इसको लेकर कई बड़ी बातें कही हैं.

फ्री में नहीं मिलनी चाहिए किसी को कैप

टीम इंडिया में युवा खिलाड़ियों की एंट्री को आर अश्विन ने पूरी तरह से गलत बताया. उन्होंने कहा, “अगर ऐसा होता है तो टीम इंडिया की कैप की क्या वैल्यू रह जाएगी. आपको प्राउड फील होना चाहिए उसे पहनते हुए क्योंकि आप पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. वो लोग आपको देख रहे हैं. आप अपना डेब्यू अपने फैंस के सामने करना चाहते हैं और सभी फॉर्मेट में खेलना चाहते हैं. आजकल ये बहुत हो रहा है कि खिलाड़ी टीम इंडिया में डेब्यू तो कर ले रहे हैं और लोग बाद में उनके बारे में भूल जाते हैं.”

इंडिया ए को मजबूत करना चाहिए

आश्विन ने बताया कि 2 टीम इंडिया बनाने की बजाय बीसीसीआई को इंडिया ए की ताकत को और बढ़ाना चाहिए. वो कहते हैं, “इंडिया कैप की वैल्यू होनी चाहिए. अगर आप उनको बड़े मंच पर मौका देना चाहते हैं तो इंडिया ए के साथ टूर पर भेजे. आप उनको इतनी आसानी से इंडिया की कैप नहीं दे सकते हैं. इंडिया ए के मैचों का टेलीकास्ट शुरू कीजिए ताकी लोग उन मैचों को देख सकें और मजा ले सके. लेकिन आप इस तरह से टीम इंडिया की कैप को फ्री में नहीं बांट सकते, उसकी वैल्यू होनी चाहिए.”

मोहम्मद सिराज का खोया सामान

अब मुश्किल से निकलने के लिए लोगों से मांगी राय

बेंगलुरु, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच सामान खो गया है. इसकी जानकारी साझा करते हुए उन्होंने लोगों से एक राय भी मांगी है.

मोहम्मद सिराज ने एक बड़ी जानकारी साझा की है. उन्होंने अपने सामान की गुमशुदगी की खबर दी है. सिराज का सामान कहां खोया ये तो उन्होंने नहीं बताया मगर उन्होंने लोगों से उसके बाद खड़ी हुई समस्या का हल जरूर मांगा.

आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच मोहम्मद सिराज ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनका सामान खो गया है. अब जो सामान खोया है जाहिर है उसकी जरूरतें भी होंगी. और यही मश्किल सिराज के सामने हैं. सिराज ने उन सामानों को फिर से खरीदने के लिए लोगों से उसके स्टोर के बारे में राय मांगी है.

मोहम्मद सिराज ने बेंगलुरु के ब्रिगेड रोड के पास के स्टोर के बारे में लोगों से जानना चाहा, जहां वो अभी रुके हुए हैं.

आईपीएल 2026 में मोहम्मद सिराज गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा हैं, जिसका अगला मैच 24 अप्रैल को आरसीबी से चिन्नास्वामी स्टेडियम पर है. यही वजह है कि सिराज बेंगलुरु में हैं.

पुलिसवाले का बेटा, जो फुटबॉल खेलकर बना करोड़पति

अब क्रिकेट में लगाया पैसा, द हंड्रेडकी टीम में खरीदी हिस्सेदारी

लंदन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे तेज-तर्रार खेल में से एक फुटबॉल के एक सुपरस्टार ने क्रिकेट में पैसा लगाया है. हम बात कर रहे हैं इंग्लैंड की टीम और स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड के स्टार मिलफील्डर जूड बेलिंघम की, जिन्हें लेकर खबर है कि उन्होंने अपने देश में ही खेली जाने वाली क्रिकेट लीग द हंड्रेडकी टीम बर्मिंघम फीनिक्स में हिस्सेदारी खरीदी है. जूड बेलिंघम का क्रिकेट से जुड़ाव अचानक ही नहीं है. बल्कि इसमें उनके इस खेल से जुड़े इतिहास का भी बड़ा महत्व है.

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि जूड बेलिंघम ने द हंड्रेड की टीम बर्मिंघम फीनिक्स में कितनी हिस्सेदारी खरीदी है. बर्मिंघम फीनिक्स में बेलिंघम की हिस्सेदारी 1.2 प्रतिशत होगी, जिसे उन्होंने 10 लाख पाउंड यानी करीब 12 करोड़ रुपये खर्च कर खरीदा है. बर्मिंघम फीनिक्स में पहले से ही अमेरिकी निवेश फर्म नाइटहेड कैपिटल की 49% हिस्सेदारी है, जबकि वारविकशायर के पास अब 50.4% हिस्सेदारी हो गई है.

जूड बेलिंघम ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर उन्हें दूसरे खेल के खिलाड़ी के साथ एक दिन के लिए अपना रोल बदलने का मौका मिले, तो वो बेन स्टोक्स को चुनेंगे. जूड बेलिंघम के इस बयान से उनके क्रिकेट के प्रति लगाव का अंदाजा लगाया जा सकता है. बेलिंघम ने जूनियर लेवल पर बर्मिंघम स्थित हैगली क्रिकेट क्लब की ओर से काफी क्रिकेट भी खेला है.

बर्मिंघम सिटी एकेडमी की तरफ से अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत करने वाले जूड बेलिंघम ने सिर्फ 16 साल की उम्र में इंग्लैंड की सीनियर टीम में डेब्यू करते हुए इतिहास रचा था. वो 2023 से रियाल मैड्रिड से जुड़े हैं. उससे पहले वो बोरुसिया डॉर्टमुंड का हिस्सा थे.

फुटबॉल की दुनिया के बड़े सितारे के तौर पर उभरे जूड बेलिंघम की मौजूदा नेटवर्थ करीब 470 करोड़ रुपये है. इसमें ज्यादातर कमाई उनकी फुटबॉल से हुई है. जूड बेलिंघम एक पुलिसवाले के बेटे हैं. उनके पिता इंग्लैंड की पुलिस में सर्जेन्ट रहे हैं.

अशोक ने 150 की रफ्तार से आईपीएल में गेंद फेंकी

रामपुरा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में अपनी 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बल्लेबाजों के पसीने छुड़ाने वाले अशोक शर्मा इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। लेकिन, राजस्थान की राजधानी जयपुर से महज 35 किलोमीटर दूर स्थित उनके गांव रामपुरा पहुंचने का रास्ता आज भी बेहद उबड़-खाबड़ है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से उतरने के बाद गांव तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है।

तेज गेंदबाजी का शौक दोनों भाइयों को बचपन से था। अक्षय बताते हैं कि उन्हें अपनी रफ्तार से बल्लेबाजों को डराने में मजा आता था। इस जुनून के पीछे उनके चाचा रामदयाल शर्मा की प्रेरणा है, जो अपने समय में गांव के खूंखार तेज गेंदबाज माने जाते थे और एमएस धोनी की तरह लंबे बाल रखते थे।

गुजरात टाइटंस ने 90 लाख में खरीदा पिछले साल गुजरात टाइटंस ने अशोक को 90 लाख रुपए में खरीदा और इस साल उन्होंने अपना डेब्यू किया। परिवार उन्हें पहली बार लाइव खेलते देखने के लिए 450 किलोमीटर दूर चंडीगढ़ गया। इसके बाद अहमदाबाद में अगले मैच के लिए अशोक ने परिवार को बुलाया, तो उन्होंने फ्लाइट की जगह जयपुर से 10 घंटे की ट्रेन यात्रा चुनी। जब अशोक के पिता नाथूलाल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी फ्लाइट में सफर किया है, तो उन्होंने धीरे से सिर हिलाते हुए कहा, 'नहीं।'

“भारतीय रेसलिंग पटरी पर लौट रही है”

गीता फोगाट को एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियन गेम्स से पहले भारतीय कुश्ती को लेकर एक अहम संकेत सामने आया है। हालिया विवादों और विरोध-प्रदर्शनों के बाद अब खेल के पटरी पर लौटने की बात खुद गीता फोगाट ने स्वीकारी है। बीते आंदोलन के केंद्र में रहे फोगाट परिवार की ओर से आया यह बयान इसलिए भी खास है क्योंकि यह न सिर्फ मौजूदा हालात में बदलाव की ओर इशारा करता है, बल्कि आगामी एशियाई खेलों में भारतीय पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर उम्मीद भी जगाता है।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक कार्यक्रम में 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट से यह पूछने पर कि चार महीने बाद एशियन गेम्स हैं। हमारे खिलाड़ी अभी एशियन चैंपियनशिप खेलने के लिए गए थे। वहां पर हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। हमारे पहलवानों ने सिर्फ एक रजत पदक और बाकी कांस्य पदक जीते। इस प्रदर्शन को देखते हुए एशियाई खेलों में क्या संभावना दिखती है, जबकि ज्यादातर खिलाड़ी युवा हैं?

इसके जवाब में 2012 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली गीता फोगाट ने कहा, “आपने बिल्कुल सही कहा है कि सारे युवा खिलाड़ी टीम में हैं और सभी के सभी बहुत ही अच्छा कर रहे हैं। दो-तीन खिलाड़ियों को छोड़कर बाकी के पास इतना अनुभव (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का) नहीं है, लेकिन यह शुरुआत है। जिस तरह से उन्होंने एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में परफॉर्मेंस दी है, जिस तरह से मेडल जीते हैं, उसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनकी तैयारियों में कोई कमी नहीं है। हां, एशियन गेम्स शुरू होने में अभी तीन-चार महीने बाकी हैं तो उसके लिए हमें और जोर-शोर से मेहनत करनी पड़ेगी। हमें अपनी स्ट्रेंथ पर और ज्यादा काम करना पड़ेगा।”

भारतीय कुश्ती में आप जिस तरह उतार चढ़ाव देख रही हैं। अंतिम पंघाल को शिकस्त मिली। उन्हें मीनाक्षी ने हराया। अभी जो खेल का स्तर है उसे देखते हुए क्या लग रहा है कि एशियन गेम्स में भारतीय पहलवान स्वर्ण या अन्य पदक जीत पाएंगे। इस पर गीता फोगाट ने कहा, “देखिए बिल्कुल जीत पाएंगे और हमें यही उम्मीद है। मैं वही तो कह रही हूं। एशियन चैंपियनशिप में जिस तरह से हमारा प्रदर्शन रहा, जिस तरह से खिलाड़ियों ने पदक जीते, तो एशियन गेम्स... हालांकि, कॉम्पिटिशन (प्रतिस्पर्धा) थोड़ा ज्यादा रहेगा। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले देश तो वही आएंगे, लेकिन प्लेयर्स बदल सकते हैं।

टी20आई सीरीज के लिए हुआ बांग्लादेश टीम का ऐलान

न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 खिलाड़ियों को मिला मौका

ढाका, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पूरे क्रिकेट जगत का फोकस इस समय आईपीएल 2026 पर है. इसी वजह से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बेहद कम हो रहा है. हालांकि, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच सीमित ओवरों की सीरीज चल रही है. उनके बीच 27 अप्रैल से टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज की शुरुआत होने वाली है. इसके लिए अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी 15 सदस्यीय स्क्वाड का आधिकारिक रूप से ऐलान कर दिया है. बीसीबी ने शुरुआती दो मैचों के लिए ही टीम की घोषणा की है. आखिरी मुकाबले के लिए बाद में टीम आएगी. न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती दो टी20 मैचों के लिए बांग्लादेश के स्क्वाड में मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा शामिल नहीं हैं. उन्हें आराम देने का फैसला किया गया है. घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले रिपोन मोंडोल और अब्दुल गफ्फार सकलैन की टीम में एंट्री हुई है. बांग्लादेश के स्क्वाड में ज्यादा बदलाव नहीं है. हालांकि, जाकेर अली और माहिदुल इस्लाम को जगह नहीं मिल पाई है.

पहले दो टी20आई मैचों के लिए बांग्लादेश का स्क्वाडः लिटन दास (कप्तान), सैफ हसन, परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन, शमीम हुसैन, तौहीद हृदोय, नुरुल हसन, महेदी हसन, नसुम अहमद, रिशाद हुसैन, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, रिपोन मोंडोल, मोहम्मद सैफुद्दीन, अब्दुल गफ्फार सकलैन. बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज 27 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली है. इससे पहले वो वनडे श्रृंखला में आमने-सामने आ रहे हैं. दोनों के बीच एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच मीरपुर में 17 अप्रैल को खेला गया. इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रन बनाए. जवाब में बांग्लादेश की टीम 48.3 ओवरों में 221 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. कीवी टीम ने 26 रन से मैच अपने नाम किया.

आरटीसी हड़ताल से शहर की रफ्तार थमी, लाखों यात्री परेशान

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में चल रही आरटीसी हड़ताल के कारण जनजीवन लगभग ठप्प हो गया है। शहर के अधिकांश डिपो में बसें खड़ी हैं, जिससे करीब 20 लाख यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय छात्र, नौकरीपेशा लोग और मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। दिलसुखनगर और लकड़ी-का-पुल जैसे इलाकों में लोग पैदल चलते या ऑटो चालकों से अधिक किराए पर सफर करने को मजबूर दिखे।

उप्पल डिपो में अधिकांश बसें बंद रहीं और कई सेवाएं रद्द कर दी गईं। महात्मा गांधी बस स्टेशन पर भी बसों की कमी से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। हालांकि कुछ डिपो से सीमित संख्या में बसें और इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बसों की कमी के कारण लोग मेट्रो का सहारा ले रहे हैं, जहां भारी भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

सरकार और कर्मचारियों के बीच बातचीत फिलहाल बेनतीजा रही है, लेकिन दोबारा बातचीत की उम्मीद है। इस बीच सरकार ने अस्थायी ड्राइवर और कंडक्टर रखने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, ताकि सेवाओं को आंशिक रूप से बहाल किया जा सके। कुल मिलाकर हड़ताल ने शहर के यातायात को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

पुराने शहर में भी असर, बसों की कमी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी की हड़ताल का असर हैदराबाद के पुराने शहर में भी साफ दिखा। चंद्रयानगुट्टा, चारमीनार, अफजलगंज, आरामगढ़ और हाई कोर्ट जैसे प्रमुख बस स्टॉप पर लोग घंटों फंसे रहे। सीमित बस सेवाओं के कारण यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। बसें न चलने का फायदा उठाकर ऑटो और निजी वाहन चालकों ने यात्रियों से ज्यादा किराया वसूला। कई जगहों पर लोगों को मजबूरी में महंगा किराया देकर सफर करना पड़ा।

बस स्टेशनों पर अफरा-तफरी

सिकंदराबाद के जुबली बस स्टेशन और अन्य स्टेशनों पर यात्री घंटों बसों का इंतजार करते रहे, लेकिन बसें नहीं आईं। कई लोग हड़ताल से अनजान थे, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। सरकार द्वारा चलाई जा रही एसईटीडब्ल्यूआईएन और कुछ अन्य बस सेवाएं पूरी तरह भरी हुई थीं। मेट्रो स्टेशनों पर भी भारी भीड़ देखी गई, जहां लोगों को लंबी कतारों में लगना पड़ा। कुमराम भीम आसिफाबाद जैसे जिलों में हालात और खराब रहे। गांवों के लोग निजी वाहनों पर निर्भर हो गए, जहां उनसे दोगुना किराया वसूला गया।

खम्मम में 600 से ज्यादा बसें खड़ी

खम्मम जिले में हड़ताल के चलते 600 से अधिक बसें डिपो में खड़ी रहीं। करीब 2000 कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर काम बंद कर दिया और प्रदर्शन किया। करीमनगर के हुजूराबाद डिपो में पुलिस ने बसें चलाने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों के विरोध के कारण तनाव की स्थिति बन गई। कुछ जगहों पर पुलिस सुरक्षा में बसें चलाई गईं।

प्रबंधन की अपील, सख्ती की चेतावनी

आरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों से हड़ताल में शामिल न होने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि हड़ताल को अवैध मानते हुए इसमें शामिल कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा सकती है। सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच बातचीत जारी है। इस बीच, अस्थायी ड्राइवर और कंडक्टर रखकर सीमित सेवाएं बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

यात्रियों के लिए मुश्किल भरा समय

कुल मिलाकर, हड़ताल के कारण तेलंगाना में सार्वजनिक परिवहन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे लाखों यात्रियों को रोजमर्रा के कामों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आरटीसी हड़ताल के बीच मेट्रो सेवाएं बढ़ीं, यात्रियों को राहत

पूरे दिन ज्यादा ट्रेनें चलेंगी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी हड़ताल से यात्रियों को हो रही परेशानी को कम करने के लिए हैदराबाद मेट्रो रेल ने ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। अब पूरे दिन अधिकतम 56 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिससे लोगों को राहत मिल सके। मियापुर-एलबी नगर कॉरिडोर पर ट्रेनों के बीच अंतराल घटाकर करीब 4 मिनट 20 सेकंड कर दिया गया है, जबकि नागोल-रायदुर्ग कॉरिडोर पर यह अंतराल लगभग 3 मिनट 40 सेकंड रखा गया है। इससे यात्रियों को कम इंतजार करना पड़ेगा।

आमतौर पर इतनी अधिक ट्रेनें सिर्फ व्यस्त समय में चलती हैं, लेकिन हड़ताल को देखते हुए अब यह सुविधा पूरे दिन दी जा रही है। इससे मेट्रो स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को संभालने में मदद मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, जरूरत पड़ने पर रात 11 बजे के बाद अंतिम मेट्रो सेवा को आगे बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि देर रात यात्रियों को भी सुविधा मिल सके।

कुल मिलाकर, मेट्रो सेवाओं में बढ़ोतरी से हड़ताल के दौरान शहरवासियों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस सरकार ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पंगु बना दिया : राव

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर पर निष्क्रियता का आरोप

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बुधवार को जारी आरटीसी संकट को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि फ्रीबी पॉलिटिक्स ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पंगु बना दिया है और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने एक बयान में कहा कि करीब 15,000 बसें सड़कों से बाहर हैं, जिससे लाखों लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है। सरकार द्वारा बकाया भुगतान न करने और कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी के कारण यह हड़ताल हुई है। इसका सबसे अधिक असर आम जनता पर पड़ा है, जिसकी आजीविका आरटीसी सेवाओं पर निर्भर है। भाजपा ने आरटीसी कर्मचारियों के आंदोलन को न्यायसंगत और लंबे समय से लंबित बताते हुए पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। रामचंदर राव ने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर पर निष्क्रियता का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर आरटीसी विलय और पीआरसी लागू करने जैसे वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह संकट कांग्रेस सरकार की गलत प्राथमिकताओं का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के बजाय बेतहाशा फ्रीबी योजनाओं में लगी हुई है, जिससे राज्य परिवहन निगम आर्थिक संकट में फंस गया है। इसी कारण कर्मचारियों की वैध मांगों और लंबित बकाया का भुगतान नहीं हो पा रहा है और उन्हें हड़ताल पर जाना पड़ा। भाजपा नेता ने कहा कि 2023 के चुनावों में कांग्रेस ने आरटीसी के सरकारी विलय, कर्मचारियों के सम्मान और सुरक्षा का वादा किया था, लेकिन अब तक इनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। पीआरसी गठन, उसके लाभों का क्रियान्वयन, रिक्त पदों की भर्ती, बस बेड़े का विस्तार और आरटीसी की वित्तीय मजबूती जैसे मुद्दे अभी भी लंबित हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फ्री बस योजना के तहत सैकड़ों करोड़ रुपये के बकाये जारी न करने से आरटीसी को आर्थिक संकट की ओर धकेला जा रहा है।

उत्पीड़न से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या, इलाके में तनाव

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर इलाके में 43 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान डी मधुसूदन के रूप में हुई है, जो लक्ष्मी प्रिया कॉलोनी के निवासी और कॉलोनी कल्याण संघ के अध्यक्ष थे। मंगलवार रात मधुसूदन अपने कमरे में सोने गए थे, लेकिन बुधवार सुबह बाहर नहीं आए। चिंता होने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि वह छत के पंखे से लटके हुए थे। कमरे से एक कथित सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मधुसूदन ने कुछ स्थानीय लोगों और पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने शव को एक आरोपी के घर के सामने रखकर कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और कहा है कि सभी पहलुओं की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में आज बजेगी आखिरी घंटी

50 दिन की गर्मी की छुट्टियां शुरू

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्कूलों में गुरुवार को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 का आखिरी दिन है। 24 अप्रैल से छात्र लगभग 50 दिनों की गर्मियों की छुट्टियों पर चले जाएंगे। नए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए स्कूल 12 जून को फिर से खुलेंगे। स्कूलों में समेटिव असेसमेंट (एसए)-II की परीक्षाएं 18 अप्रैल को समाप्त हो चुकी हैं। गुरुवार को छात्रों के परिणाम घोषित किए जाएंगे और इसी दिन अभिभावक-शिक्षक बैठक भी आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कार्य-कार्य (वर्क-आउट) आधार पर तैनात शिक्षकों को फिलहाल कार्यमुक्त न किया जाए। इस संबंध में 23 अप्रैल को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कुल मिलाकर, परीक्षा समाप्त होने के साथ ही छात्रों को लंबे अवकाश का मौका मिलेगा, जबकि स्कूल 12 जून से दोबारा शुरू होंगे।

यूपीईएस बना 'एआई-फर्स्ट' विश्वविद्यालय, शिक्षा में नई पहल

छात्रों को मिलेगी एआई आधारित पढ़ाई और बेहतर करियर अवसर

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूपीईएस देहरादून ने हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में खुद को 'एआई-फर्स्ट' विश्वविद्यालय में बदलने की घोषणा की। विश्वविद्यालय ने अपने 'भविष्य के विश्वविद्यालय' के विजन को साझा करते हुए बताया कि अब शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उद्योग सहयोग और करियर आधारित सीखने पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। यूपीईएस ने ओपनएआई के सहयोग से पूरे कैंपस में चैटजीपीटी एडु को लागू किया है। इससे करीब 19,100 छात्रों और 1,500 शिक्षकों को उन्नत एआई टूल्स की मुफ्त और नियंत्रित पहुंच मिलेगी।

विश्वविद्यालय के अनुसार, एआई और नई तकनीकों के बढ़ते प्रभाव के कारण अब छात्रों की शिक्षा से अपेक्षाएं बदल रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम और सीखने के तरीकों में बदलाव किया जा रहा है। यूपीईएस के प्रो वाइस-चांसलर डॉ. जयशंकर वारियर ने कहा कि भविष्य की शिक्षा के लिए सिर्फ नया सिलेबस ही नहीं, बल्कि छात्रों के सीखने और उद्योग से जुड़ने के तरीके में भी बदलाव जरूरी है। कुल मिलाकर, यह पहल छात्रों को तकनीक के साथ बेहतर तरीके से जोड़कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

पुलिस से नाराज व्यक्ति हाई टेंशन टावर पर चढ़ा

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मोतीनगर इलाके में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति अपनी शिकायत दर्ज न होने से नाराज होकर हाई टेंशन बिजली के टावर पर चढ़ गया। जानकारी के अनुसार, मोतीनगर निवासी सोलोमन राजू नामक व्यक्ति स्थानीय पुलिस स्टेशन गया था, जहां उसने अपनी शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उसकी बात नहीं सुनी और उसे वापस भेज दिया।

इससे आक्रोशित होकर बुधवार सुबह वह पेट्रोल की बोतल लेकर पास के एक हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके को घेर लिया गया। एहतियात के तौर पर आसपास लोगों की भीड़ को दूर किया गया। स्थानीय नेताओं को भी मौके पर बुलाया गया, जो पुलिस के साथ मिलकर व्यक्ति को शांत कराने और सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन पुलिस उसे समझाने में जुटी है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

हाई कोर्ट के फैसले पर हरीश राव का बयान, कहा- सच की हुई जीत

कांग्रेस पर साधा निशाना, मरम्मत कार्य तेज करने की मांग

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपसभापति और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि उच्च न्यायालय के हालिया फैसले से यह साबित हो गया है कि आखिरकार सच की ही जीत होती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए प्रतिशोध की राजनीति खत्म करने और मेडिगड्डा बांध की मरम्मत तेजी से पूरी करने की मांग की। हरीश राव ने कहा कि अदालत ने न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की जांच प्रक्रिया में खामियां पाई हैं और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन की बात कही है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने आयोग की प्रतिकूल टिप्पणियों को

अमान्य कर दिया है और रिपोर्ट के आधार पर किसी भी कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

इसे कांग्रेस के लिए बड़ा झटका बताते हुए उन्होंने कहा कि इस फैसले से राजनीतिक साजिश उजागर हुई है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के कालेश्वरम परियोजना को लेकर दिए गए बयानों को भी खारिज किया। हरीश राव ने सरकार से किसानों के हित में लंबित मरम्मत कार्य जल्द पूरा करने की अपील की और कहा कि कालेश्वरम परियोजना तेलंगाना की जीवनरेखा है। पूर्व कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने भी हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और सरकार से मेडिगड्डा बांध की मरम्मत को प्राथमिकता देने की मांग की।

अब पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में दाखिला डीओएसटी से होगा

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष से राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश तेलंगाना डिग्री ऑनलाइन सर्विसेज (डीओएसटी) के माध्यम से किया जाएगा। पहले इन कोर्सों में दाखिला कॉमन पोस्टग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (सीपीजीईटी) के जरिए होता था। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद ने बताया कि एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी केमिस्ट्री (फार्मास्युटिकल), एमए एप्लाइड इकोनॉमिक्स और एमबीए जैसे कोर्सों में अब डीओएसटी के माध्यम से ही प्रवेश दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में कुल 370 सीटें उपलब्ध हैं। ये कोर्स काकतीय विश्वविद्यालय, पालमुरु विश्वविद्यालय, तेलंगाना विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और तेलंगाना जनजातीय कल्याण आवासीय डिग्री कॉलेज (पुरुष व महिला) सहित कई संस्थानों में संचालित किए जा रहे हैं।

डीओएसटी के संयोजक और टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी बालाकिस्ता रेड्डी ने कहा कि इंटरमीडिएट या समकक्ष योग्यता पूरी करने वाले छात्र इन पांच वर्षीय कोर्सों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि यह कोर्स एक ही क्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों डिग्री पूरी करने का अवसर देता है। परिषद ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे डीओएसटी पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी और दिशानिर्देशों को ध्यान से देखें और उसी के अनुसार आवेदन करें।

श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आवास सुविधा सुनिश्चित की जाए: ईओ

टीटीडी प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में व्यवस्थाओं की समीक्षा की

तिरुपति, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी एम. रविचंद्र ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि तिरुमला और तिरुपति आने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आवास सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु एक समग्र योजना तैयार की जाए। उन्होंने बुधवार को तिरुपति स्थित टीटीडी प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान आवास सुविधाएं बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं और विशेष रूप से तिरुपति क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए विस्तार की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने तिरुमला में माडा सड़कों, मंदिर परिसर और अन्य प्रमुख स्थानों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए। ईओ ने अधिकारियों को श्रद्धालुओं से फीडबैक एकत्र करने और उसके आधार पर सेवाओं में सुधार करने को कहा। उन्होंने टीटीडी के सभी मंदिरों में क्यूआर कोड आधारित फीडबैक प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने घी और कच्चे माल के भंडारण की क्षमता बढ़ाने के लिए नए गोदाम बनाने की योजना तैयार करने तथा लंबित ठोस अपशिष्ट को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। साथ ही, पीएसी-1 और अस्थाना मंडपम के आधुनिकीकरण के लिए भी कदम उठाने को कहा।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने श्रीवारी सेवा प्रणाली को और सुदृढ़ करने तथा अन्य मंदिरों तक इसका विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञों जैसे पेशेवरों की सेवाओं के उपयोग के लिए भी योजना बनाने का सुझाव दिया। बैठक में कल्याण मंडपम, एसवीबीसी, एसवीआईएमएस, एफएमएस सेवाएं, आवास व्यवस्था, एसएसडी, एसईडी और श्रीवाणी टिकट जारी करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में टीटीडी के अतिरिक्त ईओ सी.एच. वेंकय्या चौधरी, संयुक्त कार्यकारी अधिकारी वी. वीरब्रह्मम, डॉ. ए. शरथ, सीवीएसओ के.वी. मुरली कृष्ण, मुख्य अभियंता टी.वी. सत्यनारायण, अतिरिक्त एफएसीएओ रवि प्रसाद, प्रभारी विधि अधिकारी वेंकट सुब्बा नायडू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री नादेंडला भास्कर राव का निधन

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नादेंडला भास्कर राव (90) का बुधवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और हैदराबाद स्थित कॉन्टिनेंटल अस्पताल में उपचाराधीन थे। उन्होंने बुधवार सुबह उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर रखा जाएगा, ताकि परिवारजन, रिश्तेदार, शुभचिंतक और समर्थक उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। नादेंडला भास्कर राव ने पूर्व में अपने परिजनों को निर्देश दिया था कि उनका अंतिम संस्कार हैदराबाद के पंजागुट्टा स्थित हिंदू श्मशान में किया जाए। उनकी इच्छा के अनुरूप परिवारजनों ने गुरुवार को शाम 4 बजे अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया है। नादेंडला भास्कर राव का जन्म 23 जून 1935 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से विधि (लॉ) की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1978 में वे पहली बार आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए और विजयवाड़ा से कांग्रेस विधायक के रूप में जीत हासिल की। नादेंडला भास्कर राव का अविभाजित आंध्र प्रदेश की राजनीति में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने एन. टी. रामाराव के साथ मिलकर तेलुगु देशम पार्टी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 1983 में उन्होंने गुंटूर जिले के वेमुरु निर्वाचन क्षेत्र से तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और विधायक निर्वाचित हुए। एनटीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद भास्कर राव ने मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। हालांकि, जब एनटीआर अमेरिका में उपचार के लिए गए हुए थे, तब कांग्रेस पार्टी के समर्थन से नादेंडला भास्कर राव को मुख्यमंत्री बनाया गया, जिससे उस समय बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद धर्म युद्ध के नाम से आंदोलन चलाकर एनटीआर ने पुनः सत्ता हासिल की। नादेंडला भास्कर राव ने संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में मात्र 31 दिनों-16 अगस्त 1984 से 16 सितंबर 1984 तक-कार्य किया। वे आंध्र प्रदेश के इतिहास में सबसे कम अवधि तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रहे। भास्कर राव के निधन पर कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

एच-सीआईटीआई परियोजना के तहत पेड़ों की कटाई, हरियाली पर असर

स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण से इलाके में काम तेज

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में एच-सीआईटीआई परियोजना के तहत स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के कारण हरियाली पर असर देखने को मिल रहा है। इंडो अमेरिकन कैंसर अस्पताल से महाराजा अग्रसेन द्वीप तक के क्षेत्र में कई पेड़ों की कटाई की गई है, जिससे इलाके की हरियाली प्रभावित हुई है।

पिछले कुछ हफ्तों में ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) के शहरी जैव विविधता विभाग ने सड़क परियोजना के लिए पेड़ हटाए। इन पेड़ों से मरीजों और राहगीरों को छाया मिलती थी।

तेलंगाना भवन से महाराजा अग्रसेन द्वीप तक खुदाई का काम तेजी से जारी है। बड़े पत्थरों को तोड़ने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और सड़क नेटवर्क को सिग्नल-फ्री बनाने की दिशा में काम हो रहा है।

जीएचएमसी अधिकारियों के अनुसार, पेड़ों को हटाने के लिए वन विभाग से सभी जरूरी मंजूरी ली गई है। उनका कहना है कि पेड़ों को पूरी तरह काटने के बजाय कई को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जा रहा है और हरियाली के नुकसान को कम करने के उपाय किए जा रहे हैं। इस परियोजना के तहत केबीआर पार्क के आसपास 7 स्टील फ्लाईओवर और 7 अंडरपास बनाए जा रहे हैं, जिससे जुबली हिल्स, फिल्म नगर और अन्य प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक जाम कम करने में मदद मिलेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.